प्रकाशन का सफलतम 17 वां वर्ष

आवाज आज की, नज़र कल पर

पूर्वांचल सूर्य

रांची ➤दिल्ली ➤देवघर से प्रकाशित

RNI No.- JHAHIN/2007/24306

www.purvanchalsurya.com

वर्ष - 17 | अंक 237 | दैनिक | रांची | गुरूवार 11 अप्रैल 2024 | पृष्ठ - 12 | मूल्य : ₹ 4.00

सुविचार

मृत्यु के समय जीव द्वारा
विकसित की गई चेतना
उसे दूसरे शरीर में ले जाती है!!!

श्रीमद् भगवद् गीता

तृतीय दिवस

तृतीय चंद्रघंटा

देवी मां के तृतीय ईश्वरीय स्वरूप का नाम मां चन्द्रघण्टा है।'चंद्र' हमारी बदलती हुई भावनाओं, विचारों का प्रतीक है (ठीक वैसे ही जैसे चन्द्रमा घटता व बढ़ता रहता है)। 'घंटा' का अर्थ है जैसे मंदिर के घण्टे-घड़ियाल।

गिरफ्तारी-रिमांड के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट पहुंचे केजरीवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। शराब नीति घोटाले में 21 मार्च को हुई मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी को दिल्ली हाईकोर्ट ने मंगलवार को सही ठहराया था। इस फैसले के खिलाफ अब बुधवार को केजरीवाल सुप्रीम कोर्ट पहुंच गए हैं। दिल्ली सरकार में मंत्री सौरभ भारद्वाज ने कहा कि हमें सुप्रीम कोर्ट से राहत मिलने की उम्मीद है। केजरीवाल की ओर से एडवोकेट अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा यह याचिका दिल्ली के मुख्यमंत्री के संबंध में है और अर्जेंट है। गिरफ्तारी का आधार ऐसे दस्तावेज थे, जिन पर भरोसा नहीं किया जा

सकता। इस पर सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा- हमें ई-मेल कर दीजिए फिर हम देखेंगे। दिल्ली हाईकोर्ट ने 9 अप्रैल को कहा था कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने हमारे सामने पर्याप्त सबूत पेश किए। हमने बयानों को देखा, जो बताते हैं कि गोवा के चुनाव के लिए पैसा भेजा गया था। हाईकोर्ट ने ये भी कहा कि हमें संवैधानिक नैतिकता की फिक्र है, ना कि राजनीतिक नैतिकता की। मौजूदा केस केंद्र और केजरीवाल के बीच नहीं है। यह केस केजरीवाल और ईडी के बीच है। हाईकोर्ट ने कहा कि ईडी ने कानूनी प्रक्रिया का पालन किया। उसके पास हवाला ऑपरेटर्स और एएपी कैंडीडेट के बयान हैं।

भाजपा ने यूपी से बंगाल तक एक बार फिर चौंकाया

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव 2024 के लिए बीजेपी ने अपने उम्मीदवारों की 10वीं सूची भी जारी कर दी। इस लिस्ट में 9 उम्मीदवारों के नामों का ऐलान किया गया है। बीजेपी ने 10वीं लिस्ट में यूपी समेत तीन राज्यों को लेकर घोषणा की। बीजेपी ने कैंडीडेट्स की नई लिस्ट में फिर से नो रिपीट पॉलिसी को अपनाया है। 9 में से 8 नए चेहरे हैं। यूपी की सभी सातों सीटों पर नए चेहरों पर दांव लगाया है। बलिया से सिटिंग सांसद वीरेंद्र सिंह मस्त और चंडीगढ़ सांसद किरण खेर का टिकट कटा

है। बीजेपी ने यूपी की सात सीटों के अलावा चंडीगढ़ और पश्चिम बंगाल की हॉट सीट आसनसोल से अपने उम्मीदवारों को बदल दिया है। पार्टी ने पहले आसनसोल से भोजपुरी स्टार पवन सिंह को मैदान में उतारा था, लेकिन उनके मना करने के बाद इस सीट से एसएस अहलूवालिया को उतारा गया है। आसनसोल से जब पवन सिंह का नाम सामने आया था तो भोजपुरी स्टार ने 24 घंटे के भीतर ही यह घोषणा करके सभी को चौंका दिया वे किसी कारणवश चुनाव नहीं लड़ पाएंगे। उन्होंने सोशल मीडिया पर आसनसोल सीट के लिए खुद का नाम प्रस्तावित होने के लिए बीजेपी हाईकमान का शुक्रिया भी अदा किया था।

जल, थल, नभ... अब हर तरफ से घिरेगा चीन

● अंडमान निकोबार में भी बड़ी तैयारी, युद्ध छेड़ा तो धूल चाटेगा चीन ● इस द्वीप समूह में जोरों पर चल रहे सामरिक सुविधाएं बढ़ाने के काम ● हवाई पट्टी से लेकर सैन्य भंडारण तक, इन्फ्रास्ट्रक्चर पर भी है ध्यान

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश मिलिट्री इन्फ्रास्ट्रक्चर के लिहाज से बड़े बदलाव के दौर से गुजर रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने सैन्य सुधारों के क्रम में सेना के लिए जरूरी बुनियादी ढांचों का तेजी से विकास करने पर फोकस किया है। सेना को ज्यादा से ज्यादा मजबूत करने के लक्ष्य से ही सरकार अंडमान निकोबार द्वीप समूह में जबर्दस्त सैन्य बुनियादी ढांचों का निर्माण कर रही है। यह खासकर चीन के मद्देनजर बड़ी रणनीतिक योजना के तहत हो रहा है। अंग्रेजी न्यूज वेबसाइट ने वरिष्ठ अधिकारियों के हवाले से रिपोर्ट दी है कि हवाई क्षेत्रों के कायाकल्प से लेकर अतिरिक्त रसद और भंडारण सुविधाओं तक तो सैनिकों के लिए आवास से लेकर निगरानी के मजबूत बुनियादी ढांचे तक, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह का सामरिक महत्व काफी बढ़ने वाला है। इस द्वीप पर अतिरिक्त सैन्य बलों की तैनाती, ज्यादा संख्या में बड़े-बड़े युद्धपोतों, विमानों, मिसाइल बैटरियों और सैनिकों के लिए सुविधाओं के लिहाज से इन्फ्रास्ट्रक्चर का तेजी से विकास हो रहा है।

बड़े पैमाने पर चल रही निर्माण गतिविधियों के साथ-साथ भारत सरकार 55 किमी उत्तर में स्थित म्यांमार के कोको द्वीप समूह में भी सैन्य सुविधा का निर्माण कर रही है। ध्यान रखने बात है कि अंडमान और निकोबार कमान (एएनसी) द्वीप समूह में पहली और एकमात्र ट्राइ सर्विस कमान है। सेना के तीनों अंगों से मिलकर बने इस कमान

की स्थापना 2001 में हुई थी। सूत्रों ने बताया कि एक महत्वपूर्ण नौसैनिक हवाई अड्डे पर हवाई पट्टी की लंबाई बढ़ाने का काम तेजी से हो रहा ताकि वहां और लड़ाकू जेट जैसे बड़े विमानों को उतारा जा सके। वहीं, द्वीपों के उत्तर से दक्षिण में पोर्ट ब्लेयर तक की सड़क को आधुनिक रूप दिया जा रहा है। इसके अलावा, लड़ाकू स्क्वाड्रन रखने के लिए और लंबी अवधि के लिए वायुसेना के एक स्टेशन को अपग्रेड किया जा रहा है। इसमें रनवे को लगभग 3,000 मीटर तक विस्तारित करने और मिलिट्री एसेट्स के रखरखाव के लिए इन्फ्रास्ट्रक्चर बनाने की योजना शामिल है। दूसरी तरफ, कंटेनर ट्रांसशिपमेंट टर्मिनल भी बनाया जा रहा है।

जेल में केजरीवाल, दिल्ली में 'आप' मंत्री ने छोड़ा साथ

मंत्री राजकुमार आनंद ने दिया इस्तीफा, एएपी भी छोड़ी

कहा-मुझे कहीं से ऑफर नहीं; पिछले साल रेड पड़ी थी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली सरकार में समाज कल्याण मंत्री राजकुमार आनंद ने बुधवार को मंत्री पद और आम आदमी पार्टी से इस्तीफा दे दिया। इस्तीफा देने के बाद उन्होंने कहा, मुझे कहीं

से भी ऑफर नहीं मिला हैं। उन्होंने कहा, मैं आज बहुत व्यथित हूं। राजनीति बदलेगी तो देश बदलेगा। आम आदमी पार्टी का जन्म भ्रष्टाचार के खिलाफ आंदोलन से हुआ था। आज ये पार्टी खुद भ्रष्टाचार के दलदल में फंस चुकी है। उन्होंने कहा, मेरे लिए मंत्री पद पर रहकर इस सरकार में काम करना असहज हो गया है। इसलिए मैं मंत्री पद और पार्टी से इस्तीफा दे रहा हूं, क्योंकि मैं इन भ्रष्ट आचरणों में अपना नाम नहीं जुड़वाना चाहता हूं। शराब नीति केस में दिल्ली सरकार के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया तिहाड़ में बंद हैं। पार्टी नेता संजय सिंह 6 महीने बाद 4 अप्रैल को जमानत पर रिहा हुए हैं। राजकुमार ने कहा कि क्र में दलित विधायकों या पार्षदों का कोई सम्मान नहीं होता है। दलितों को प्रमुख पदों पर जगह नहीं दी जाती है। मैं बाबा साहब अंबेडकर के सिद्धांत पर चलने वाला व्यक्ति हूं। अगर दलितों के लिए ही काम नहीं कर पाया तो फिर पार्टी में रहने का कोई मतलब नहीं है राजकुमार आनंद के इस्तीफे के बाद संजय सिंह और सौरभ भारद्वाज ने अपनी प्रतिक्रिया दी है।

पतंजलि विज्ञापन केस में रामदेव-बालकृष्ण का माफीनामा खारिज

● सुप्रीम कोर्ट ने कहा- जानबूझकर हमारे आदेश की अवमानना की, कार्रवाई के लिए तैयार रहें

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को पतंजलि के विवादित विज्ञापन केस में बाबा रामदेव और बालकृष्ण के दूसरे माफीनामे को भी खारिज कर दिया। जस्टिस हिमा कोहली और जस्टिस अमानतुल्लाह की बेंच ने पतंजलि के वकील विपिन सांघी और मुकुल रोहतगी से कहा कि आपने जानबूझकर कोर्ट के आदेश का उल्लंघन किया है, कार्रवाई के लिए तैयार रहें। उत्तराखंड सरकार की ओर से ध्रुव मेहता और वंशजा शुक्ला ने एफिडेविट पढ़ा। सुप्रीम कोर्ट ने कहा- केंद्र से खत आता है कि आपके पास मामला है। कानून का पालन कीजिए। 6 बार ऐसा हुआ। बार-बार लाइसेंसिंग इंस्पेक्टर चुप रहे। इसके बाद जो आए, उन्होंने भी यही किया। तीनों अफसरों को तुरंत सस्पेंड किया जाना चाहिए।

राष्ट्रपति से मिलीं डॉ.आशा लकड़ा

सरहुल पर्व की दी शुभकामनाएं

वरीय संवाददाता ,रांची/नई दिल्ली। राष्ट्रीय अनुसूचित जनजातीय आयोग की सदस्य डॉ.आशा लकड़ा ने बुधवार को दिल्ली स्थित राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से शिष्टाचार भेंट की और सरहुल पर्व की शुभकामनाएं दी।

पवन सिंह ने लोकसभा चुनाव लड़ने का कर दिया ऐलान

● बिहार की काराकाट सीट पर उपेंद्र कुशवाहा को देंगे चुनौती

रोहतास (एजेंसी)। भोजपुरी सिंगर और एक्टर पवन सिंह ने बिहार के काराकाट लोकसभा सीट से चुनाव लड़ने की घोषणा की है। पवन सिंह ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर इसकी जानकारी दी है। उन्होंने लिखा- माता गुरुतरा भूमेरू अर्थात माता इस भूमि से कहीं अधिक भारी होती हैं और मैंने अपनी मां से वादा किया था की मैं इस बार चुनाव लडूंगा। मैंने निश्चय किया है कि मैं 2024 का लोकसभा चुनाव काराकाट, बिहार से लडूंगा। हालांकि पवन सिंह ने यह खुलासा नहीं किया है कि वह किस पार्टी के सिंबल पर काराकाट से चुनाव में उतरेंगे। एनडीए गठबंधन में काराकट लोकसभा सीट उपेंद्र कुशवाहा को गई है। पवन सिंह के मैदान में उतरने से उनकी मुश्किलें बढ़ गई हैं। वहीं महागठबंधन की तरफ से काराकाट सीट सीपीआई एमल के खाते में गई है। सीपीआई एमएल ने राजा राम सिंह को प्रत्याशी बनाया है। वह इस वक्त ओबरा विधानसभा सीट से विधायक हैं।

रेप, उत्पीड़न और जबरन कब्जे, सब जांच करे सीबीआई

संदेशखाली केसः कलकत्ता हाईकोर्ट ने कहा-2 मई को फिर सुनवाई करेंगे, उस दिन एजेंसी सौंपे रिपोर्ट

कोलकाता (एजेंसी)। कलकत्ता हाईकोर्ट ने बुधवार को पश्चिम बंगाल के संदेशखाली मामले की जांच सीबीआई को सौंप दी। अपने आदेश में कहा कि सीबीआई कोर्ट की निगरानी में जांच करेगी और रिपोर्ट सौंपेगी। मामले की अगली सुनवाई अब 2 मई को होगी। संदेशखाली की महिलाओं ने तृणमूल कांग्रेस के नेताओं पर कथित रूप से यौन उत्पीड़न और जबरन जमीन कब्जे का आरोप लगाया है। मामले में शाहजहां शेख, शिबू हाजरा और उत्तम सरदार आरोपी हैं।

तीनों को गिरफ्तार कर लिया गया है। हाईकोर्ट के आदेश के बाद अब राज्य की ममता बनर्जी सरकार सीबीआई जांच पर रोक नहीं लगा पाएगी। दरअसल, राज्य से जुड़े किसी भी मामले में केंद्रीय जांच एजेंसी सीबीआई की इन्क्वायरी के लिए राज्य सरकार से अनुमति लेनी होती है। पश्चिम बंगाल सरकार ने 16 नवंबर, 2018 को राज्य में जांच और छापेमारी करने के लिए

सीबीआई को दी गई 'सामान्य सहमति वापस ले ली थी। उस समय चिटफंड घोटाले को लेकर ममता बनर्जी ने केंद्र सरकार पर केंद्रीय जांच एजेंसियों के दुरुपयोग का आरोप लगाया था। इससे पहले कलकत्ता हाईकोर्ट ने 4 अप्रैल को कहा था कि संदेशखाली का 1 फीसदी सच भी शर्मनाक है। कोर्ट ने कहा था कि पूरा प्रशासन और सत्ताधारी पार्टी इसके लिए नैतिक तौर पर 100 फीसदी जिम्मेदार है। यह लोगों की सुरक्षा का मामला है। संदेशखाली में शेख शाहजहां और उसके दो साथियों शिबू हाजरा और उत्तम सरदार पर आरोप है कि वे महिलाओं का लंबे समय से गैंगरेप कर रहे थे। इस केस में शिबू हाजरा, उत्तम सरदार, शाहजहां समेत 18 लोगों को पुलिस गिरफ्तार कर चुकी है। शाहजहां शेख टीएमसी का डिस्ट्रिक्ट लेवल का नेता रहा है। राशन घोटाले में ईडी ने 5 जनवरी को उसके घर पर रेड की थी। तब उसके 200 से ज्यादा सपोर्टर्स ने टीम पर अटैक कर दिया था। अफसरों को जान बचाकर भागना पड़ा। उसके बाद शाहजहां फरार हो गया था। उसे 55 दिन बाद पकड़ा गया था। संदेशखाली में स्थानीय महिलाओं ने आरोप लगाए थे कि तृणमूल कांग्रेस पार्टी के नेताओं ने हमारी जमीनें कब्जा ली हैं।

दस वर्षों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश की तस्वीर बदल दी-संजय सेठ

भाजपा प्रत्याशी का जनसंपर्क अभियान

विशेष संवाददाता ,रांची। सांसद सह रांची से भाजपा प्रत्याशी संजय सेठ ने विधानसभा के सरायकेला-खरसावां जिलांतर्गत नीमडीह व कुकरू प्रखंड के परिगामा, परगमा एवं दुलमी में जनसंपर्क अभियान चलाया। श्री सेठ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में गरीब कल्याण से लेकर राष्ट्रीय नव निर्माण तक हर क्षेत्र में बेहतरीन कार्य हुए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश आगे बढ़ रहा है। मोदी जी के योजनाओं का लाभ नीचे स्तर के लोगों तक पहुंचा है। चाहे वह आवास योजना के तहत हो, शौचालय के रूप में हो, उज्ज्वला योजना के रूप में हो, देश के प्रगति के लिए तीसरी बार नरेंद्र मोदी को देश का प्रधानमंत्री बनाने के लिए हम सबको आगे आना होगा। उन्होंने कहा कि चांडिल क्षेत्र के विकास के लिए हमेशा तत्पर रहा हूं। पिछले पांच सालों में कई काम हुए हैं। सहिया दीदी के लिए

आठ सखी मंडल का निर्माण किया गया है। जब मैं गांव जाता था तो सहिया दीदी को कभी पेड़ के नीचे,तो कभी बरामदे पर बैठक करते देख बहुत पीड़ा होती थी। मेरे पहले फंड से ही आठ सखी मंडल का निर्माण कराया गया। प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के तहत कई प्रमुख सड़कों का निर्माण हुआ है। जिसमें नीमडीह में लगभग 5 करोड़ 37 लाख की लागत से केतुंगा से बंगाल बॉर्डर तक चांडिल में 7 करोड़ 11 लाख की लागत से रुगढी से पाडडीह तक, चार करोड़ 19 लाख की लागत से तिरुलडीह तक ,4 करोड़ 75 लाख की लागत से छोटा चूंनचूरिया से इचागढ़ तक एवं टिकट से पातकुम तक सड़क का निर्माण हुआ है। इचागढ़ में रोड हो, रेलवे के क्षेत्र में हो, अंडर पास हो या चांडिल डैम के विस्थापितों का मुद्दा, सदन में प्रमुखता के साथ उठाना ऐसे कई काम हुए हैं और आने वाले समय में और कैसे क्षेत्र का विकास हो इस पर काम किया जाएगा। जनसंपर्क अभियान में मधु गोराई, सारथी महतो, मदन सिंह सरदार, अनीता पारित, बलराम महतो, जादूपति गोप, भारत महतो, प्रभात पोद्दार, दुलारचंद, खुदीराम सिंह, सरदार अजय सिंह मुंडा सहित सैकड़ों कार्यकर्ता शामिल थे।

भ्रष्टाचार पर पहला कॉपीराइट डीएमके के पास है: प्रधानमंत्री

पीएम मोदी ने स्टालिन और राहुल को जमकर घेरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव के प्रचार के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कच्चातिवू मुद्दे पर बुधवार को कांग्रेस और उसकी सहयोगी द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने आरोप लगाया कि दोनों दलों ने इस मुद्दे पर देश को अंधेरे में रखा। 'शक्ति' को लेकर की गई टिप्पणी के लिए भी उन्होंने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए महिलाओं के अपमान का आरोप लगाया। उन्होंने भ्रष्टाचार के मुद्दे पर भी द्रमुक पर निशाना साधा और कहा कि इस मुद्दे पर पहला कॉपीराइट सत्तारूढ़ पार्टी के पास है। साथ ही यह भी कहा कि मुख्यमंत्री एमके स्टालिन के परिवार का इरादा राज्य को लूटने का है।

19 अप्रैल को होने वाले लोकसभा चुनाव के लिए राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के उम्मीदवारों के पक्ष में प्रचार करते हुए उन्होंने यहां एक चुनावी रैली में कहा, ''भ्रष्टाचार पर द्रमुक का पहला कॉपीराइट है, पूरा परिवार तमिलनाडु को लूट रहा है।'' उन्होंने द्रमुक पर एक पारिवारिक कंपनी होने का आरोप लगाया, जो राज्य के युवाओं की पुरानी मानसिकता के साथ प्रगति में बाधा बन रही है। उन्होंने कहा, ''द्रमुक लोगों को भाषा, क्षेत्र, धर्म और जाति के आधार पर बांटती है। वह जानती है कि जिस दिन लोग इसे पहचान जाएंगे, उसे एक भी वोट नहीं मिलेगा।

माहेश्वरी सभा का सार्वजनिक गणगौर पूजा आज

- लक्ष्मी नारायण मंदिर परिसर में पूजा-अर्चना का शुभारंभ सुबह छह बजे से
- संध्या बेला गणगौर मिलन, विसर्जन व मेला का होगा आयोजन

विशेष संवाददाता

रांची। माहेश्वरी सभा, माहेश्वरी महिला संगठन एवं माहेश्वरी युवा संगठन के संयुक्त तत्वावधान में गुरुवार को नागरमल सेवा सदन पथ स्थित लक्ष्मी नारायण मंदिर परिसर में सार्वजनिक गणगौर पूजनोत्सव का आयोजन किया जाएगा।

मारवाड़ी समाज का लोकप्रिय पर्व गणगौर उत्सव होलिका दहन के दूसरे दिन से शुरू हो जाता है। लगातार 16 दिनों तक कुंआरी लड़कियां एवं नवविवाहिता द्वारा पूजा किया जाने वाला गणगौर पूजा मूल रूप से ईसर-गौरा को शिव-पार्वती के रूप में पूजा जाता है। इस दौरान कुंआरी लड़कियां अच्छे वर की कामना और सुहागन महिलाएं पति की लंबी आयु की कामना के लिए ईशर-गणगौर की पूजा करती है।राजस्थान में इस त्योहार की खास महत्ता है।

इस राजस्थानी परंपरा की विरासत को बनाए रखने के लिए श्री माहेश्वरी सभा, रांची ने वर्ष 1981 से श्री लक्ष्मीनारायण मंदिर, गणेश नारायण साबू चौक, सेवा सदन पथ,अपर बाजार में सार्वजनिक ईशर-गणगौर पूजा एवं मेला का भव्य आयोजन माहेश्वरी महिला समिति एवं माहेश्वरी युवा संगठन के सहयोग से किया जा रहा है।

तत्कालीन माहेश्वरी महिला समिति की अध्यक्षा स्व.सूरज देवी भाला ने जयपुर से ईशर गणगौर की प्रतिमा मंगाकर मंदिर परिसर में सार्वजनिक पूजा की शुरुआत की। स्व.सूरज देवी भाला ने स्व.सीताराम मारु, स्व.भगवान दास काबरा एवं समाज के सहयोग से जयपुर की तर्ज पर ईशर-गणगौर शोभायात्रा पंद्रह वर्ष तक निकाली एवं गणगौर मेला का आयोजन की शुरुआत की।

इस वर्ष माहेश्वरी सभा, माहेश्वरी महिला संगठन और माहेश्वरी युवा संगठन के सहयोग से 11 अप्रैल(गुरुवार) को श्री लक्ष्मीनारायण मंदिर परिसर में सुबह छह बजे से अपराह्न दो बजे तक सार्वजनिक गणगौर पूजा, अपराह्न तीन बजे से संध्या छह बजे तक मंदिर परिसर में गणगौर मिलन एवं बड़ा तालाब में गणगौर विसर्जन की व्यवस्था की गई है। साथ ही माहेश्वरी भवन में अपराह्न तीन बजे से रात्रि आठ बजे तक गणगौर मेला में लजीज व्यंजन की व्यवस्था की गई है। इस कार्यक्रम के मुख्य संयोजक शिव शंकर साबू को सहयोग के लिए प्रकाश काबरा, ओमप्रकाश बोड़ा, कुमुद लाखोटिया, लक्ष्मी चितलांगिया, अंकुर डागा, नयन बोड़ा, राधव सारडा एवं समाज के तीनों संगठनों के सदस्यों का सहयोग रहेगा। उक्त जानकारी मीडिया प्रभारी रश्मि मालपानी ने दी।

सैमसंग का गैलेक्सी एम55 5जी और गैलेक्सी एम15 5जी लॉन्च

वरीय संवाददाता ,रांची। सैमसंग ने दो डिवाइस, गैलेक्सी एम55 5जी और गैलेक्सी एम15 5जी लॉन्च करने की घोषणा की है। इसमें कई सेगमेंट में अग्रणी फीचर्स मौजूद हैं। गैलेक्सी सीरीज में शामिल किए गए ये नए स्मार्टफोन यूजर्स को सुपर एमोलेड प्लस डिस्प्ले, शानदार बैटरी और शक्तिशाली प्रोसेसर के साथ स्मार्टफोन का एक बेहतर अनुभव देते हैं। इस मौके पर सैमसंग इंडिया के एमएक्स डिवीजन के वाइस प्रेसिडेंट आदित्य बब्बर ने कहा ÷सैमसंग की सोच के मुताबिक, हम नए गैलेक्सी एम55 5जी और गैलेक्सी एम15 5जी के साथ इनोवेशन की सीमाओं को आगे बढ़ा रहे हैं। हमारे दो शानदार डिवाइस जो युवा उपभोक्ताओं के अंतहीन जुनून को शक्ति देने के लिए तैयार हैं। सुपर एमोलेड प्लस डिस्प्ले, स्टाइलिश स्लीक डिज़ाइन, शक्तिशाली स्नैपड्रैगन प्रोसेसर और चार जेनरेशन के ओएस अपग्रेड और पांच साल के सिक्योरिटी अपडेट के बेजोड़ वादे सहित कई सेगमेंट-अग्रणी फीचर्स के साथ, हम गैलेक्सी एम55 5जी और गैलेक्सी एम15 5जीके जरिए ग्राहकों को एक बेहतरीन अनुभव देंगे।

गैलेक्सी एम55 5जी और गैलेक्सी एम15 5जी में आइकॉनिक गैलेक्सी सिग्नेचर डिज़ाइन है, जो इसे सुंदरता और भव्यता प्रदान करता है।

रक्तदान संगठन लहू बोलेगा ने शहर के चौक-चौराहों पर ट्रैफिक पुलिस को किया सम्मानित

वरीय संवाददाता ,रांची। रक्तदान संगठन %लहू बोलेगा%, के सौजन्य से शहर के परमवीर अल्बर्ट एक्का चौक सहित अन्य जगहों पर तैनात यातायात पुलिस कर्मियों को सम्मानित किया। डीएसपी, ट्रैफिक, रांची, प्रमोद कुमार एवं अंजुमन इस्लामिया हॉस्पिटल रांची के निदेशक डॉ सयैद इक़बाल हुसैन के हाथों ट्रैफिक पुलिस कर्मियों को सफेद गमछा,रंगीन चश्मा, ग्लूकोज डी,पैकेट सेवई दी गई। कार्यक्रम का शुभारंभ डीएसपी ट्रैफिक, रांची, प्रमोद कुमार ने किया। इस अभियान में ट्रैफिक थाना प्रभारी,अंजुमन इस्लामिया हॉस्पिटल रांची के निदेशक डॉ सयैद इक़बाल हुसैन,झारखंड आंदोलनकारी आज़म अहमद, संस्कृति कर्मी अनिल अंशुमान एवं लहू बोलेगा के नदीम खान शामिल थे। यह कार्यक्रम गर्मी में राजधानी रांची के सभी चौक-चौराहों पर किया जाएगा। उक्त जानकारी रक्तदान संगठन लहू बोलेगा के संस्थापक,नदीम खान ने दी।

रांची कैंसर अस्पताल ने किया स्वस्थ सहिया समागम का आयोजन

वरीय संवाददाता ,रांची। विश्व स्वास्थ्य दिवस पर रांची कैंसर हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर (आरसीएचआरसी) ने एक मेगा शैक्षणिक और जांच कार्यक्रम स्वस्थ सहिया समागम का आयोजन किया। आरसीएचआरसी की कैंसर जागरूकता पहल के तहत हुए इस आयोजन का उद्देश्य झारखंड में आशा कार्यकर्ताओं (सहिया) को कैंसर के चेतावनी लक्षणों के प्रति जानकारी देना, कैंसर के इलाज के विकल्पों के प्रति शिक्षित करना और समय पर जांच के महत्व को बताना था। आरसीएचआरसी ने इस कार्यक्रम के दौरान अपने परिसर में सहिया के लिए कैंसर जांच का आयोजन भी किया। रांची के ओरमांझी और कांके ब्लॉक की 300 से ज्यादा सहिया ने इस आयोजन में हिस्सा लिया और कैंसर जांच के मौके का फायदा उठाया। आरसीएचआरसी के मेडिकल डायरेक्टर डॉ. (कर्नल) मदन मोहन पांडेय ने इस साल के विश्व स्वास्थ्य दिवस की थीम मेरा स्वास्थ्य, मेरा अधिकार के महत्व पर प्रकाश डाला। आरसीएचआरसी के मेडिकल ऑन्कोलॉजिस्ट डॉ. रजनीगंधा टुडु ने झारखंड में कैंसर की उच्च दर हर एक लाख लोगों पर 70 में बीमारी पर प्रकाश डाला और संपूर्ण स्वास्थ्य प्रणाली के प्रदर्शन को सुधारने के लिए सहिया की क्षमताओं को बढ़ाने पर जोर दिया

मुख्य अतिथि रांची के मुख्य चिकित्साधिकारी सिविल सर्जन डॉ. प्रभात कुमार ने कहा कि कैंसर की जल्द पहचान बेहद अहम है। इसके लक्षणों को अनदेखा नहीं करना चाहिए। सहिया को चेतावनी लक्षणों की पहचान कर जल्द से जल्द स्पेशलाइज्ड ऑन्कोलॉजिकल फैसिलिटी में इलाज शुरू करा देना चाहिए, जिससे नतीजा सकारात्मक रहे। ओरमांझी और कांके ब्लॉक की सहिया ने आरसीएचआरसी प्रबंधन को सहिया के स्वास्थ्य और कल्याण के बारे में विचार करने के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया।

मोटोरोला का एज 50 प्रो फोन लान्च

संवाददाता , रांची। 5जी स्मार्टफोन ब्रांड मोटोरोला ने अपने नए प्रीमियम स्मार्टफोन - मोटोरोला एज 50 प्रो के भारत में ग्लोबल फर्स्ट लॉन्च की मेजबानी की। कंपनी के मुताबिक यह फोन मोटोरोला के एज फ्रेंचाइजी का सबसे नया एडिशन है। यह स्मार्टफोन बुद्धिमत्ता और कला के मिश्रण का बेहतर उदाहरण है और प्रीमियम स्मार्टफोन सेगमेंट में हलचल मचाने के लिए तैयार है। इस स्मार्टफोन में दुनिया का पहला और एकमात्र पावर्ड प्रो-ग्रेड कैमरा दिया गया है, जो पैनटोन1 द्वारा मान्य वास्तविक रंगों और मानव त्वचा टोन की विशाल रेंज के साथ आता है। इस पैनटोन द्वारा मान्य स्मार्टफोन में दुनिया का पहला और एकमात्र ट्रू कलर डिस्प्ले भी दिया गया है। मोटोरोला एज 50 प्रो एक खूबसूरती से तैयार किए गए संतुलित डिजाइन में पेश किया गया है। यह फोन मूनलाइट पर्ल फिनिश में दुनिया के पहले हस्तनिर्मित डिजाइन में आता है।

इसके अलावा इस फोन में एक शक्तिशाली स्नैपड्रैगन 7 जेन 3 प्रोसेसर भी है जो जेनरेटिव फीचर्स और दूसरे एक दम नए फीचर्स प्रदान करता है।

शक्ति पंप्स ने क्यूआईपी से 200 करोड़ रुपये अर्जित किए

रांची। सोलर पंप और मोटर बनाने वाली कम्पनी शक्ति पंप्स (इंडिया) लिमिटेड ने क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल प्लेसमेंट (क्यूआईपी) से सफलतापूर्वक 200 करोड़ रुपये अर्जित किये।क्यूआईपी इश्यू में निवेशकों ने काफी रूचि दिखाई और इसे दो बड़े म्यूचुअल फंड - एलआईसी म्यूचुअल फंड और एसबीआई म्यूचुअल फंड द्वारा पूरी तरह से सब्सक्राइब कर लिया गया। इन बड़े फंड हाउस द्वारा किया गया यह निवेश सोलर पंप्स उद्योग की विकास क्षमता और उद्योग में शक्ति पंप्स की अग्रणी स्थिति को दर्शाता है। सोलर पंप उद्योग में विकास की अपार संभावनाओं को ध्यान में रखते हुए, क्यूआईपी से अर्जित किये गए धन का एक बड़ा हिस्सा रणनीतिक रूप से पंप/मोटर, इनवर्टर/वीएफडी और स्ट्रक्चर्स की क्षमता बढ़ाने में लगाया जाएगा। शक्ति पंप्स (इंडिया) लिमिटेड के चेयरमैन दिनेश पाटीदार ने कहा,÷इस इंस्टीट्यूशनल प्लेसमेंट के सफलतापूर्वक पूरा होने और इन प्रतिष्ठित निवेशकों द्वारा हम पर जताए गए विश्वास से हम बहुत खुश हैं, जो नए आयामों तक पहुँचने की हमारी प्रतिबद्धता को और मजबूत करता है।÷शक्ति पंप्स को लगातार नए ऑर्डर मिल रहे हैं, 31 दिसंबर 2023 तक हमारे 2050 करोड़ रुपये के ऑर्डर बुक में है, जिसे अगले दो वर्षों में पूरा किया जाना है।

मारवाड़ी युवा मंच रांची समर्पण शाखा ने पक्षियों के लिए कराया जल पात्र उपलब्ध

वरीय संवाददाता ,रांची। मारवाड़ी युवा मंच रांची समर्पण शाखा ने जीव मित्रता दिवस पर भीषण गर्मी में बेजुबान और असहाय पक्षियों के लिये जल पीने के पात्र की व्यवस्था की। यह कार्यक्रम अर्जुन मेंसन अपार्टमेंट की सचिव शुभा अग्रवाल के अपर बाजार स्थित आवास पर किया गया। इस अवसर पर जीव दया प्रभारी आशा संथोलिया एवं संयोजिका डोली बंसल ने कहा कि बढ़ती गर्मी को देखते हुए यह व्यवस्था की है। उन्होंने कहा जल है तो जीवन है। बिना पानी के कितने पक्षी दम तोड़ देते हैं , इसलिए गर्मी आते ही संस्था पक्षियों के लिए जल की व्यवस्था करती है। शाखा अध्यक्ष विनीता सिंघानिया ने सदस्यों को जल पात्र दिया और सभी से अपने-अपने छतों पर पक्षियों के लिए जल रखने का आग्रह किया। कार्यक्रम में अध्यक्ष विनीता सिंघानिया, सचिव शुभा अग्रवाल, जीव दया प्रभारी आशा संथोलिया, संयोजिका डोली बंसल, कविता सोमानी, पूजा अग्रवाल, दीपिका मोतिका,रितु पोद्दार, सोनल अग्रवाल, चंद्रकला सहित अन्य उपस्थित थीं । उक्त जानकारी मीडिया प्रभारी सरिता बथवाल ने दी।

श्रीसनातन महापंचायत ने किया रामोत्सव का आयोजन

वरीय संवाददाता

रांची। श्री सनातन महापंचायत (कला प्रकोष्ठ),झारखंड एवं डीएवी गांधीनगर स्कूल के संयुक्त तत्वावधान में हिंदू नव वर्ष के अवसर पर कांके रोड स्थित डीएवी गांधीनगर स्कूल में ÷राम उत्सव÷ कार्यक्रम का आयोजन धूम धाम से किया गया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि रांची के सांसद संजय सेठ ,श्री सनातन महापंचायत के मुख्य संयोजक ललित ओझा,श्री सनातन महापंचायत के प्रदेश कला संयोजक आशुतोष द्विवेदी, डीएवी गांधीनगर स्कूल के प्राचार्य एसके सिन्हा, समाजसेवी अभिषेक मुकिम, सुशील मुकिम, आशा देवी,उप प्रचार्य निराकार आचार्य, जूनियर विंग स्कूल की इंचार्ज डॉ जया जयसवाल , गोंदा मंडल बीजेपी के अध्यक्ष विकाश रवि ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

मौके पर सभी अतिथियों ने बच्चों के साथ मिलकर प्रभु श्री राम , लक्ष्मण, सीता और हनुमान के प्रारूपों की आरती किया। बच्चों ने कई सांस्कृतिक कार्यक्रमों के जरिए अदभुत प्रस्तुति देकर दर्शकों का मन मोह लिया। बच्चों ने ÷राम आयेंगे तो अंगना सजाएंगे÷ गीत गाकर अद्भुत समा बांधा।

बच्चों ने प्रभु श्री राम के कई भजन और नृत्य पेश किए।

मौके पर श्री सनातन महापचायत की ओर से बच्चों एवं शिक्षकों को उपहार एवं अंगवरस्त्र देकर पुरस्कृत भी किया गया। समारोह में केके प्रसाद, लक्ष्मी सिन्हा, ए मनी शर्मा, निशा शर्मा, श्रुति देशमुख, प्रेरणा चंद्रा, नमिता सिंह, धर्मेंद्र कश्यप, शिखा शर्मा, तनुजा सिन्हा, अर्पणा शर्मा, जयमंती विश्वकर्मा, आयुश कुमार सहित शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं विद्यार्थीगण उपस्थित थे।

यह जानकारी अमन ने दी।

30 रोजा रखकर नन्हे रोजेदारों ने मांगी देश की खुशहाली की दुआएं

विशेष संवाददाता

रांची। खुदा से प्रेम और इबादत के लिए कोई उम्र नहीं होती। रमजान माह में रोजेदार रोजा रखकर खुदा की इबादत करते हैं। इसमें बच्चे भी पीछे नहीं हैं। काफी संख्या में बच्चे भी इस बरकत के महीने में इबादत कर रहे हैं। खासकर ऐसे बच्चे अधिक उत्साहित हैं जो अपने जीवन में पहली बार रोजा रख रहे हैं। दिन भर रोजे में रहने के बाद वे इफ्तार कर रहे हैं।

जी हां, हम बात कर रहे हैं हिंदपीढ़ी स्थित बड़ी मस्जिद मरकज के पास रहने वाले मो. इस्लाम, मो. अयान, मो. अल्ताफ, मो. नमीर रमजान की। सभी स्कूली छात्र हैं। इन सबों ने महीना का पूरा रोजा रखा। रोजा रख देश और राज्य की खुशहाली के लिए दुआएं मांगी। बच्चों के पिता समाजसेवी सह बिजनेसमैन मो. इस्लाम, माता सबा यास्मीन ने कहा कि बच्चे जो घर में देखते हैं,उसी से सीखते हैं। माता-पिता ने कहा कि बच्चों ने पूरा रोजा पार कर लिया। वे स्कूल जाते हैं, पर स्कूल में अन्य बच्चों को लंच करते देखकर भी उन्हें भूख महसूस नहीं हुई। बच्चों का कहना है कि रोजा रखकर उसे काफी खुशी महसूस हुई। पिता मो.इस्लाम ने कहा कि बच्चे अपनी मां सबा यास्मीन से रमजान के पूरा रोजा रखने की बात करते हैं। उनके मां की चिंता बढ़ जाती है, मां तो मां होती है। हमने उलेमा से सुना है कि बच्चे अपने घर से ही सीखते हैं। दादा मो अख्तर, दादी, नाना, नानी की दुआओं से बच्चों ने पूरा रोजा रखा। पिता ने कहा कि दो वर्ष से अलताफ और अयान रोजा रखते आ रहे हैं। इस वर्ष छोटा भाई मो. नमीर ने भाईयों को देखते हुए पूरा रोजा रखा। माता पिता ने कहा कि अगर बच्चों को थोड़ा सा केयर किया जाए तो बच्चे पूरा रोजा रख लेंगे।

एथर एनर्जी का स्कूटर लॉन्च

संवाददाता , रांची। इलेक्ट्रिक स्कूटर निर्माता एथर एनर्जी ने बेंगलुरु में दूसरे एथर कम्युनिटी डे के अवसर पर अपना फैमिली स्कूटर, रिज़्टा लॉन्च किया। रिज़्टा परिवार की जरूरतों को पूरा करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। यह इलेक्ट्रिक स्कूटर आराम, सुविधा और सुरक्षा को सबसे ज्यादा महत्व देता है। राइडिंग का अनुभव बेहतर बनाने के लिए इसमें कई नए कनेक्टेड फीचर्स दिए गए हैं। इसके डैशबोर्ड में स्किडकंट्रोल और व्हाट्सएप जैसे आधुनिक फीचर्स शामिल हैं। बाजार में बढ़त बनाने के लिए रिज़्टा को काफी प्रतिस्पर्धी शुरुआती मूल्य 1,09,999 (एक्स-शोरूम बेंगलुरु) में लॉन्च किया गया है।ऑल-न्यू रिज़्टा 2 मॉडल और तीन वैरिएंट में आएगा। एथर रिज़्टा एस 3 मोनोटोन रंगों में और रिज़्टा जेड 7 रंगों में उपलब्ध होगा, जिनमें 3 मोनोटोन और 4 ड्युअल टोन रंग शामिल हैं।एथर एनर्जी के को-फाउंडर एवं सीईओ, तरुण मेहता ने कहा, ÷हमने टू-व्हीलर बाजार में प्रवेश अपने परफॉर्मेंस स्कूटर, 450 सीरीज़ के साथ किया था, जिसने पूरे उद्योग में पहचान बनाई। अब हम रिज़्टा के साथ फैमिली स्कूटर के क्षेत्र में कदम रख रहे हैं। यह इलेक्ट्रिक स्कूटर भारतीय परिवारों की जरूरतों को ध्यान में रखकर डिजाइन और इंजीनियर किया गया है। इसमें आराम, सुरक्षा और कनेक्टेड टेक जैसी मुख्य विशेषताओं पर ध्यान केंद्रित किया गया है।

आदित्य विक्रम जयसवाल ने की रिसालदार बाबा के दरगाह पर चादरपोशी

मांगी अमन-चैन की दुआएं

विशेष संवाददाता ,रांची। कांग्रेस नेता आदित्य विक्रम जयसवाल ने बुधवार को डोरंडा स्थित हजरत कुतुबुद्दीन रिसालदार बाबा की दरगाह पर चादरपोशी कर देश के विकास और अमन-चैन की दुआएं मांगी। मौके पर आदित्य विक्रम ने कहा कि ईद के पूर्व रिसालदार बाबा के मज़ार पर चादरपोशी की,उर्स मेला के दौरान झारखंड के अलावा देश के विभिन्न राज्यों से श्रद्धालु यहां पहुंचते रहे हैं। कहा जाता है कि यहां जो भी सच्चे मन से मांगता है, उसकी मुरादें ज़रूर पूरी होती है। श्री जायसवाल ने कहा कि रमज़ान उल मुबारक के एक महीने बाद ईद का त्यौहार आता है। ईद के त्योहार में खुदा से यही दुआ है कि सबलोगों का बरक्कत हो, सभी लोग सुख,समृद्धि और भाईचारगी के साथ रहें। मौक़े पर सदर अयूब गद्दी,पार्षद पप्पू गद्दी,बबलू पंडित,एमडी इरफ़ान,ज़ुल्फ़ेकार अली भुट्टू,अनीश गद्दी ,विवेक धान सहित अन्य मौजूद थे।

जनहित के मुद्दों को छोड़ प्रधानमंत्री चहेते पूंजीपतियों को पहुंचा रहे लाभ-राकेश सिन्हा

विशेष संवाददाता

रांची। कांग्रेस भवन, रांची में बुधवार को एक संवाददाता सम्मेलन आहूत की गई। संवाददाता सम्मेलन को झारखंड प्रदेश कांग्रेस के महासचिव सह मीडिया प्रभारी राकेश सिन्हा ने संबोधित किया। संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते राकेश सिन्हा ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री दुनिया के हर विषय पर भाषण देते हैं, लेकिन आज तक महंगाई, बेरोजगारी, किसानों की आमदनी, महिला पहलवानों की यौन शोषण पर कोई चर्चा नहीं, प्रधानमंत्री विकसित भारत की बात करते हैं लेकिन देश की अर्थव्यवस्था खतरें में है। इसकी भनक प्रधानमंत्री को सुनाई नहीं देती है। वित्तीय और निवेश सेवाएं प्रदान करने वाली कंपनी की ताजा रिपोर्ट यह बताती है कि घरेलू ऋण का स्तर सकल उत्पाद का लगभग 40 प्रतिशत हो गया है। घरेलू बचत भी 47 साल के निचले स्तर तक पहुंच गई है। पैसा बचाना तो दूर भारतीय परिवार धीरे-धीरे कर्ज में डूबते जा रहे हैं। देश विनाशकारी नोटबंदी की मार से अबतक निकल नहीं पाई। भयंकर महंगाई, बेरोजगारी पर प्रधानमंत्री चुप हैं। किसान सड़कों पर हैं और प्रधानमंत्री अपने पूंजीपतियों को फायदा पहुंचाने में मशगूल हैं। चंदे के पैसे गैर भाजपा सरकार को गिराया गया।। विपक्ष के विधायक को खरीदा गया है। संवाददाता सम्मेलन में प्रधानमंत्री से 05 प्रश्न करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री इस बात का खुलासा करें कि बीफ कंपनियों से प्रधानमंत्री इलेक्ट्रोल बौंड से 250 करोड चंदा क्यूं लिये,महिला पहलवानों की यौन शोषण के आरोपी, बृजभूषण की गिरफ्तारी अभी तक क्यों नहीं हुई, रक्षा बजट में कटौती क्यों की गई, एलओसी पर भारत अपने 65 में से 26 पेट्रोलिंग पॉइन्ट पर नहीं जा सकता है क्योंकि वह बफ्फर जॉन बना दिया गया। जिसकी वजह से हमारी जमीन चीन के प्रभुत्व में चली गई। अग्निवीर की जगह स्थायी नियुक्ति क्यों नहीं की गई? प्रेस वार्ता में प्रवक्ता सोनाल शांति व ऋषिकेश सिंह उपस्थित थे

स्व.आरपी द्विवेदी मेमोरियल बैंडमिंटन टूर्नामेंट आयोजित

वरीय संवाददाता

रांची। भारतीय जनता युवा मोर्चा (कला एवं खेल प्रकोष्ठ) रांची महानगर की ओर से कांके रोड स्थित डीएवी गांधीनगर स्कूल में एक दिवसीय स्व. आरपी द्विवेदी अंडर 14 एवं अंडर 17 बालक-बालिका बैंडमिंटन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि डीएवी गांधीनगर के प्राचार्य एसके सिन्हा, वरिष्ठ समाजसेवी शंकर दुबे, शिक्षाविद् डॉ सिद्धार्थ प्रकाश, भारतीय जनता युवा मोर्चा कला एवं खेल प्रकोष्ठ रांची महानगर के संयोजक आशुतोष द्विवेदी, समाजसेवी अभिषेक मुकिम, सुशील मुकिम एवं आशा देवी ने संयुक्त रूप से सभी विजेता खिलाड़ियों को उपहार देकर पुरस्कृत किया। मंच का संचालन खेल प्रशिक्षक गोविंद झा एवं धन्यवाद ज्ञापन विशाल कुमार राय ने किया।

प्रतियोगिता के परिणाम...

अंडर 17 बालक वर्ग में टीम चैंपियनशिप में प्रथम स्थान पर अंकित सराफ, द्वितीय स्थान पर रौशन कुमार और तृतीय स्थान पर अभिनव कुमार रहे। द्वितीय स्थान पर प्रथम स्थान पर सौरभ, द्वितीय स्थान पर समीर और तीसरे स्थान पर अभिज्ञान रहे। वहीं तीसरे स्थान पर प्रथम इशांत , द्वितीय स्थान पर आदया और तृतीय स्थान पर सूर्योत्तम रहे। अंडर 14 बालक वर्ग में टीम चैम्पियन शिप में प्रथम स्थान पर अभिनव सिंह, द्वितीय स्थान पर अनुभव सिंह, एवं तीसरे स्थान पर यशवंत पिंगुवा रहे। वहीं दूसरे स्थान पर प्रथम हर्ष राज करमाली, द्वितीय स्थान पर तन्मय कुमार एवं तृतीय स्थान पर सक्षम कुमार रहे। वहीं तीसरे स्थान पर प्रथम आशुतोष कुमार, द्वितीय स्थान पर अनमोल और तीसरे स्थान पर समीर रहे। अंडर 17 बालिका में टीम चैंपियन शिप में प्रथम स्थान पर अलिसा सिंह, द्वितीय स्थान पर माही सिंह और तृतीय स्थान पर शांभवी सिंह रही। द्वितीय स्थान पर प्रथम अनुष्का सिंह, द्वितीय स्थान पर सिमरन कुमारी और तृतीय स्थान पर अनन्या सिंह रही। तृतीय स्थान पर प्रथम स्थान पर श्रद्धा, द्वितीय स्थान पर सगुण और तृतीय स्थान पर पुस्पल रही। अंडर 14 बालिका टीम चैंपियनशिप में प्रथम श्रावणी, द्वितीय स्थान पर आकांक्षा और तृतीय स्थान पर आस्था रही। वहीं दूसरे स्थान पर प्रथम अवंतिका द्वितीय स्थान पर शांभवी और तृतीय स्थान पर प्राची रही। वहीं तृतीय स्थान पर प्रथम वेदांशी और द्वितीय स्थान पर साक्षी रही। उक्त जानकारी अमन ने दी।

सतत विकास की कहानी बयां करता सीसीएल का आम्रपाली एवं चन्द्रगुप्त क्षेत्र

विशेष संवाददाता

रांची। सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड, महारत्न कम्पनी कोल इंडिया लिमिटेड की एक सहायक कंपनी है। झारखंड स्थित इस कंपनी का मुख्यालय रांची में है। वर्तमान में यह कंपनी झारखंड राज्य के आठ जिलों में खनन गतिविधियां कर रही है। कंपनी की स्थापना 1975 में हुई थी और इसे वर्ष 2007 में श्रेणी-1 में एक 'मिनीरत्न कंपनी' का दर्जा प्राप्त हुआ। सीसीएल झारखंड राज्य के आठ जिलों में अपनी सामाजिक जिम्मेवारी का पालन करते हुए राज्य के विकास में अपनी भागीदारी निभा रहा है जिनमें में रांची, रामगढ़,चतरा,लातेहार, पलामू, गिरिडीह, हजारीबाग और बोकारो में सफलतापूर्वक संचालित है।

राज्य को सबसे अधिक राजस्व देता है सीसीएल : सीसीएल राज्य के खजाने में सबसे अधिक योगदान देने वालों में से एक है और झारखंड राज्य में सबसे बड़े नियोक्ताओं में से एक है। सीसीएल का देश के कोयला उत्पादन में बहुमूल्य योगदान है। वर्तमान में सीसीएल में 36 - जिनमें 3 भूमिगत एवं 33 खुली खदानें, 5 वाशरियां जिनमें 4 कोकिंग (कथारा, रजरप्पा, केदला एवं स्वांग) और 1 नॉन-कोकिंग (पिपरवार) संचालित हो रही हैं। सीसीएल के 7 कोलफील्ड्स (पूर्वी बोकारो, पश्चिमी बोकारो, उत्तरी कर्णपुरा, दक्षिणी कर्णपुरा, रामगढ़, गिरिडीह और हुंटार) हैं।

खदान से बाजार तक सर्वोत्तम प्रक्रिया के माध्यम से देश के लिए ऊर्जा सुरक्षा प्रदान करने के साथ-साथ पर्यावरण एवं

सामाजिक रूप से स्थाई विकास को प्राप्त करते हुए प्राथमिक ऊर्जा क्षेत्र में राष्ट्रीय अग्रणी के रूप में उभरने का संकल्प लिए सीसीएल का उद्देश्य सुरक्षा, संरक्षण और गुणवत्ता पर ध्यान देते हुए प्रभावकारी ढंग से मितव्ययितापूर्वक सुनियोजित मात्रा में कोयला तथा कोयला उत्पाद का सुनियोजित मात्रा में उत्पादन और विपणन करना है।

सीसीएल के कई अन्य प्रमुख उद्देश्य हैं, जिनमें कुछ निम्नलिखित है

- संसाधनों की उत्पादकता में सुधार करके आंतरिक संसाधनों के उत्पादन को अनुकूलित करना, बर्बादी को रोकना और निवेश की आवश्यकता को पूरा करने के लिए पर्याप्त बाहरी संसाधन जुटाना।
- सुरक्षा के उच्च मानकों को बनाए रखना और कोयले के दुर्घटना-मुक्त खनन के लिए प्रयास करना।
- वनीकरण, पर्यावरण की सुरक्षा और प्रदूषण के नियंत्रण पर जोर देना।
- भविष्य में कोयले की मांग को पूरा करने के लिए नई परियोजनाओं की विस्तृत खोज और योजना बनाना।
- मौजूदा खदानों का आधुनिकीकरण करना।
- कोयला खनन के साथ-साथ कोयला लाभकारी की तकनीकी जानकारी और संगठनात्मक क्षमता विकसित करना और जहां भी आवश्यक हो, कोयले के अधिक से अधिक निष्कर्षण के लिए वैज्ञानिक अन्वेषण से संबंधित अनुप्रयुक्त अनुसंधान और विकास कार्य करना।
- कर्मचारियों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार करना और बड़े पैमाने पर समाज और विशेष रूप से कोयला क्षेत्रों के आसपास के समुदाय के प्रति कॉर्पोरेट दायित्वों का निर्वहन करना।
- संचालन को चलाने के लिए पर्याप्त संख्या में कुशल जनशक्ति प्रदान करना और कौशल उन्नयन के लिए तकनीकी और प्रबंधकीय प्रशिक्षण प्रदान करना।
- उपभोक्ता संतुष्टि में सुधार करना, इत्यादि।

देश की ऊर्जा आवश्यकता पूरा करने के प्रति कृतसंकल्पित सीसीएल : सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड देश की ऊर्जा आवश्यकता की पूर्ति हेतु कृतसंकल्पित है। ऊर्जा क्षेत्र में कोयले की मांग को पूरा करने में सीसीएल के विभिन्न क्षेत्रों की महत्त्वपूर्ण भूमिका होती है।

इसी कड़ी में झारखंड राज्य के चतरा जिले में स्थित आम्रपाली एवं चंद्रगुप्त क्षेत्र, सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड का एक प्रमुख कोयला खनन क्षेत्र है। आम्रपाली एवं चंद्रगुप्त क्षेत्र सीसीएल की बहुत ही महत्वपूर्ण एवं महत्वाकांक्षी क्षेत्र है। इसके अंतर्गत आम्रपाली एवं चंद्रगुप्त नामक दो परियोजनाएं है। इसमें चन्द्रगुप्त परियोजना का परिचालन शुरू होना अभी बाकि है।

वित्त वर्ष 2023-24 में इस क्षेत्र ने 22.58 मिलियन टन का कोयला उत्पादन: कर सीसीएल को अपने निर्धारित लक्ष्य को पार करने में बहुमूल्य योगदान दिया है। साथ ही, 28.58 मिलियन क्यूबिक मीटर का ओवरबर्डन रिमूवल और 21.67 मिलियन टन कोयले का प्रेषण भी किया है। ज्ञातव्य हो कि सीसीएल झारखण्ड राज्य सरकार के खजाने में सबसे ज्यादा राजस्व का योगदान देती है। यह क्षेत्र राज्य और देश के ऊर्जा आवश्यकता की पूर्ति में अग्रणी भूमिका निभा रहा हैं। आम्रपाली परियोजना में लगभग 467 एमटी कोयले का का भंडार है, वही दूसरी परियोजना चंद्रगुप्त में 527 एमटी कोयले का भंडार है। वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए, परियोजना का लक्ष्य 24 मिलियन टन का कोयला उत्पादन लक्ष्य प्राप्त करना है।

आम्रपाली-चंद्रगुप्त ओपनकास्ट परियोजना शॉवेल एवं डम्पर संयोजन के माध्यम से सरफेस माइनर (ब्लास्टिंग फ्री तकनीक) एवं अन्य आधुनिक मशीनों का उपयोग करके पर्यावरण-अनुकूल खनन कर रहा है। यह परियोजना न्यूनतम पर्यावरणीय प्रभाव सुनिश्चित करते हुए अधिकतम कोयला उत्पादन करने में सफल रही है।

यह क्षेत्र अपनी परिचालन उपलब्धियों के अलावा,कमान क्षेत्रों में स्वास्थ्य, शिक्षा, सामुदायिक विकास और कौशल प्रशिक्षण इत्यादि लोक कल्याणकारी पहल से क्षेत्र के लोगों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन ला रहा है।

स्वास्थ्य सेवाएं बेहतर :

सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड ने टंडवा ब्लॉक, चतरा में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) में एक ऑक्सीजन संयंत्र स्थापित किया है, जो गंभीर मरीजों के इलाज में काफी मददगार है। साथ ही, नियमित रूप से विभिन्न स्थानों में स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया जाता है जिसका लाभ बड़ी संख्या में स्थानीय लोग उठा रहे है। क्षेत्र के ये गतिविधियां सामुदायिक विकास और कल्याण के लिए परियोजना के समर्पण को उजागर करता है। इसके अतिरिक्त, टंडवा क्षेत्र विकास कार्यक्रम (टीएडीपी) के हिस्से के रूप में सदर अस्पताल, चतरा में आईसीयू बेड स्थापित किए गए हैं।

शिक्षा:

सीसीएल ने विद्यार्थियों के बहुआयामी विकास के लिए 30 सरकारी स्कूलों में 54 स्मार्ट कक्षाएं स्थापित की हैं । साथ ही कंपनी ने स्कूली बच्चों के लिए 500 डेस्क बेंच एवं बच्चों के परिवहन के लिए 52-सीटर स्कूल बस भी उपलब्ध कराई है। इसके अतिरिक्त, छात्रों को स्वच्छ पेयजल मुहैया कराने के लिए 20 आरओ युक्त सयंत्र स्थापित किया हैं। सीसीएल के इन पहलों से स्कूल में नामांकन दर में उलेखनीय वृद्धि हुई हैं और स्कूल छोड़ने वाले विद्यार्थियों की संख्या काम हुई है।

सामुदायिक विकास और कौशल प्रशिक्षण-कंपनी ने विभिन्न गांवों में 1500 सोलर लाइट और 43 हाई मास्ट सोलर लाइट स्थापित की है। इस क्षेत्र के निवासियों के सुगम पेयजल उपलब्ध्ता हेतु 16 सौर ऊर्जा संचालित बोरवेल का निर्माण भी किया हैं। दिव्यांगजनों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए 20 व्यक्तियों को मोटर चालित तिपहिया साइकिल और कृत्रिम अंग प्रदान किए हैं, जिससे उनका जीवन सुगम और सुलभ हो पाया है। साथ ही स्थानीय युवाओं को स्वावलंबी बनाने हेतु 35 बैटरी संचालित तिपहिया साइकिल का वितरिण किया गया हैं। इसके अतिरिक्त, कंपनी ने स्वरोजगार को बढ़ावा देने और रोजगार सृजन के उद्देश्य से एचएमवी प्रशिक्षण के माध्यम से कॉमर्शियल ड्राइविंग में 27 व्यक्तियों को प्रशिक्षित किया है। कर्मियों के आवासीय सुविधा हेतु एक स्मार्ट टाउनशिप का निर्माण प्रगति पर है। उपरोक्त पहल हितधारकों के कल्याण एवं समावेशी विकास के लिए कंपनी की प्रतिबद्धता को दर्शाती हैं। ये उपलब्धियां और सीएसआर पहल, आम्रपाली-चंद्रगुप्त ओपनकास्ट प्रोजेक्ट के परिचालन उत्कृष्टता और सामुदायिक विकास के प्रति समर्पण को प्रदर्शित करती हैं। इस प्रकार आम्रपाली-चंद्रगुप्त क्षेत्र कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) के अध्यक्ष पीएम प्रसाद के मार्गदर्शन और सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड (सीसीएल) के सीएमडी डॉ.बी वीरा रेड्डी के नेतृत्व से प्रेरित होकर, कंपनी ने देश की ऊर्जा मांगों को पूरा करने के साथ - साथ श्रमिकों एवं हितधारकों के समावेशी विकास की दिशा में सफलतापूर्वक अग्रसर है।

श्रीमहावीर मंडल के प्रथम कार्यकारिणी समिति की बैठक आयोजित

21कार्यकारी सदस्य मनोनीत

वरीय संवाददाता

रांची। श्रीमहावीर मंडल के कार्यालय में प्रथम कार्य समिति की बैठक हुई ।

इसमें 21 कार्यकारी सदस्य मनोनीत किए गए। सभी को यह दिशा निर्देश दिया गया कि वह सभी अखाड़ों से संपर्क कर उन्हें इस बात से अवगत कराएंगे की सभी अखाड़े धारी से यह निवेदन होगा कि नशा मुक्ति शोभायात्रा निकलने का प्रयास करेंगे और ज्यादा से ज्यादा झंडों की संख्या रखने का प्रयास करेंगे।

डीजे का उपयोग न करें। डंके का उपयोग जितना ज्यादा हो सके उतना करें।

किसी को चोट आदि लग जाए तो उन्हें ले जाने के लिए रास्ता दें, क्योंकि भीड़ बहुत अधिक रहती है। जिससे काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है। अगर सभी व्यवस्थित ढंग से कार्य करेंगे तो किसी को परेशानी नहीं होगी। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि सुबह 10 बजे ईदगाह में महावीर मंडल के सभी निर्वाचित और मनोनीत पदाधिकारी उपस्थित रहेंगे और सरहुल के लिए अल्बर्ट एक्का चौक पर महावीर मंडल की ओर से एक स्वागत शिविर अस्थाई तौर पर बनाया जाएगा। वहां चना और पानी की व्यवस्था मंडल की ओर से की जाएगी।

बैठक की अध्यक्षता रवि कुमार पिंकू ने की। मंत्री दीपक ओझा ने भी अपना सुझाव दिया।

रोशन लाल यादव, बबलू यादव, उपाध्यक्ष राजकिशोर उपाध्यक्ष, राजसेन गुप्ता, सह मंत्री उदय रविदास कार्यकारिणी सदस्य समिति की पूरी टीम ने अपने-अपने सुझाव से अध्यक्ष और मंत्री और पूरी टीम को अवगत कराया। धन्यवाद ज्ञापन दीपक ओझा ने दिया।

मुन्ना शर्मा ने कहा कि जिस हर पिता राम जैसा पुत्र चाहता है। हर गुरु राम जैसा शिष्य हर पत्नी राम जैसा पति, हर भाई राम जैसा भाई चाहता है तो हमारा प्रयास रहेगा कि मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम की शोभायात्रा ऐसी हो कि हर किसी की जुबान पर एक ही बात हो की शोभायात्रा हो तो रामनवमी जैसी। यह जानकारी प्रचार मंत्री मुन्ना शर्मा ने दी।

एनटीपीसी मैती में तकनीकी कौशल विकास ट्रेनिंग का समापन

प्रतिनिधि, बड़कागांव। हजारीबाग झारखंड के हजारीबाग में राष्ट्रीय ताप विद्युत निगम लिमिटेड (एनटीपीसी) की खनन परियोजना पकरी बरवाडीह से प्रभावित लोगों का 3 महीने का कौशल विकास प्रशिक्षण पाठ्यक्रम का समापन सफलतापूर्वक हो गया। कौशल विकास पाठ्यक्रम प्रशिक्षण के दौरान तकनीक से जुड़ी जानकारी के साथ साथ प्रैक्टिकल ज्ञान दिया गया। इसके बाद छात्रों को लिखित और परियोगात्मक परीक्षा के आधार पर सर्टिफिकेट प्रदान किए गए। कार्यक्रम का आयोजन बड़कागांव के एनटीपीसी के पुनर्वास कॉलोनी ढेंगा के पास मौजूद एनटीपीसी माइनिंग एण्ड इंडस्ट्रीयल ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट आईटीआई के सभागार में किया गया। इस कार्यक्रम की शुरुआत सबसे पहले मुख्य अतिथि के तौर पर मौजूद बीआरएमएमसी के सीईओ और एल×डी के हेड अमृतांशु प्रसाद को पुस्तक और पुष्प देकर स्वागत किया गया। इसके बाद कार्यक्रम में उपस्थित सभी गणमान्य

मेहमानों ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की विधिवत शुरुआत की। इसके बाद मैती के प्रिंसिपल इंजीनियर मिथिलेश उपाध्याय ने स्वागत भाषण के साथ सभी मेहमानों का कार्यक्रम में पधारने के लिए धन्यवाद किया। मिथिलेश उपाध्याय ने कहा कि ट्रेनिंग के लिए आए सभी युवाओं ने पूरे दिल से और अनुशासन के साथ इस ट्रेनिंग प्रोग्राम में शामिल हुए जो काफ़ी सराहनीय है। मुख्य अतिथि अमृतांशु प्रसाद ने कार्यक्रम में उपस्थित लाभार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि सभी की जिंदगी में अनुशासन बहुत आवश्यक है। सभी युवा जिस तरह से अनुशासन और उत्साह के साथ कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम में शामिल हुए इसके लिए हम सभी युवाओं की सराहना करते हैं। उन्होंने कहा कि सभी को ये पता होने चाहिए कि हमारी जिंदगी का मूल मकसद और उद्देश्य क्या है। उद्देश्य के प्रति समर्पित व्यक्ति को कामयाब होने से कोई नहीं रोक सकता है। उन्होंने कहा कि आज के टेक्नोलॉजी की दुनिया में जिंदगी काफी तेजी के साथ बदल रही है इसलिए जीवन में समय के साथ बदलाव लाना चाहिए। उन्होंने सभी लाभार्थियों को उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामना दी। सीईओ अमृतांशु प्रसाद ने एनटीपीसी मैती आईटीआई के प्रशिक्षक और प्रबंधन से जुड़े अधिकारियों को इस कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम कराए जाने के लिए धन्यवाद दिया।कार्यक्रम में उप महाप्रबंधक एस के सेनापति ने धन्यवाद ज्ञापन देते हुए सभी युवकों को एक बेहतर नागरिक और कामयाब कर्मचारी बनकर अपने संस्था का नाम रौशन करने की शुभकामना दी, साथ ही उन्होंने कहा कि महारत्न कंपनी एनटीपीसी हमेशा ही योजना से प्रभावित परिवारों के खुशहाल भविष्य के लिए काम करती रहेगी। इस मौके पर टीएसएमपीएल के मानव संसाधन विभाग के वरिष्ठ महाप्रबंधक बिमल कुमार सिन्हा ने भी सभी युवकों को शुभकामना देते हुए कहा कि आगे भी ऐसे ट्रेनिंग प्रोग्राम होते रहेंगे जिससे विस्थापित परिवार के युवकों को रोज़गार से जोड़ा जा सके। एजीएम एचआर आईआर उत्तम कुमार झा, मैनेजर आईआर चंचल कुमार सिन्हा के साथ साथ टीएसएमपीएल के युवा अधिकारी साहेब मलिक और अमन कुमार भी कार्यक्रम में मौजूद रहे।

अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ का प्रतिनिधिमंडल मिला रांची विवि के कुलपति से सौंपा ज्ञापन

विशेष संवाददाता ,रांची। अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ की रांची विश्वविद्यालय इकाई का एक प्रतिनिधिमंडल आरयू के कुलपति डॉ.अजीत कुमार सिन्हा से मिलकर पांच सूत्री ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में 2008 बैच के प्राध्यापकों का पीएचडी इंक्रीमेंट देने, प्रोन्नति शीघ्र देने, पुराने पेंशन को बहाल करने, सभी प्राध्यापकों का स्वास्थ्य बीमा कराने एवं छुट्टी में हुई कटौती को वापस लेने की मांग की गई। प्रतिनिधिमंडल ने कुलपति को बताया कि प्रोन्नति हेतु कई विषयों में स्क्रूटनी नहीं हो पाया है। जिसके कारण उनका आवेदन जे पी एस सी को नही भेजा गया है। जिसके कारण प्राध्यापकों में आक्रोश है। ज्ञात है कि हिंदी, संस्कृत, अंग्रेजी, बंग्ला, मनोविज्ञान सहित कई विषयों के प्राध्यापकों का प्रोन्नति का आवेदन लंबित है। शैक्षिक महासंघ ने कुलपति से आग्रह किया है कि उनकी समस्याओं पर आपके स्तर पर उचित कार्यवाही करें और प्राध्यापकों को न्याय दें। कुलपति डॉ अजीत कुमार सिन्हा ने प्रतिनिधि मंडल के उपस्थित में उच्च शिक्षा के अधिकारियों से बात कर पी एच डी इन्क्रीमेंट में होने वाले अड़चनों को अविलंब दूर कर शीघ्र विश्वविद्यालय को भेजें। कुलपति ने प्रतिनिधि मंडल को आश्वस्त किया कि जो भी समस्या आपलोगों द्वारा उठाया गया है इसके समाधान हेतु सकारात्मक पहल कर परिणाम मिलेगा।उन्होंने कहा कि प्रोन्नति वाले आवेदन (जिसका स्क्रूटिनी नही हुआ है) एक सप्ताह के अंदर जे पी एस सी को भेज दिया जाएगा। कुलपति के आश्वासन से महासंघ के प्रतिनिधि मंडल आशान्वित महसूस किए। प्रतिनिधिमंडल में एबीआरएसएम के प्रदेश महामंत्री डॉ. ब्रजेश कुमार, प्रान्त महिला प्रमुख डॉ.सुनीता कुमारी गुप्ता, महासंघ के विश्वविद्यालय के पदाधिकारी क्रमशः डॉ.स्मृति सिंह, डॉ.धीरेंद्र त्रिपाठी, डॉ. सुनीता कुमारी, डॉ. राजकुमार सिंह, डॉ.शशि शेखर दास, डॉ.बैद्यनाथ कुमार, डॉ.रीता कुमारी शामिल रहें।

झारखंड के राज्यपाल से मिलीं शिक्षाविद रश्मि सिन्हा

संवाददाता , रांची। राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन से बुधवार को अपना स्कूल, चंदनकियारी, बोकारो की निदेशक रश्मि सिन्हा ने राज भवन, रांची में शिष्टाचार भेंट की तथा विद्यालय के संदर्भ में अवगत कराया। विद्यालय की गतिविधियों से परिचित कराया।

मिट्टी के धरोहर सम्मान से नवाजे गए अर्चित आनंद

सुरक्षित भविष्य के लिए प्रकृति का दोहन रोकें- अर्चित आनंद

विशेष संवाददाता ,रांची। जाने-माने सामाजिक कार्यकर्ता अर्चित आनंद को नई दिल्ली के लोककला मंच में सम्मानित किया गया। प्रकृति की रक्षा हेतु अपना सर्वश्रेष्ठ देने की दिशा में अर्चित आनंद की मेहनत और लगन को अंतरराष्ट्रीय संस्था ÷आवर मिट्टी फ़ाऊंडेशन÷ ने सम्मान दिया। ज्ञात हो कि श्री अर्चित जल संरक्षण,पर्यावरण संरक्षण पर पिछले बीस वर्षों से देश के विभिन्न राज्यों विशेषकर झारखंड में काम कर रहे हैं। इस अवसर पर अर्चित आनंद ने सभी का आभार व्यक्त किया। साथ ही बताया कि आज के परिवेश में दुनिया में प्रकृति के हर स्वरूप का दोहन हमसब कर रहे हैं,हमें अपने सुरक्षित भविष्य के लिए इसको रोकना होगा।विकास वर्तमान की जरूरत है पर अंधकारमय भविष्य की कीमत पर नहीं। इस अवसर पर प्रमोद कुमार सुमन,डॉ ज्वाला प्रसाद सहित कई गणमान्य उपस्थित थे।कार्यक्रम का समापन संगीत प्रस्तुति से नीदरलैंड से आये लोकगायक राजमोहन की मधुर प्रस्तुति से हुआ। उक्त जानकारी कन्हैया सिंह ने दी।

राज्यपाल से मिला गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा का प्रतिनिधिमंडल

वरीय संवाददाता , रांची। राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन से गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा, रांची का एक शिष्टमंडल ने बुधवार को राज भवन, रांची में भेंट की। यह औपचारिक मुलाकात थी।

राज्यपाल से मिले रांची विवि के कुलपति

रांची। राज्यपाल-सह-झारखंड राज्य के विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति सीपी राधाकृष्णन से रांची विश्वविद्यालय, रांची के कुलपति प्रो.अजीत कुमार सिन्हा ने राज भवन, रांची में भेंट की एवं विश्वविद्यालय की शैक्षणिक व प्रशासनिक गतिविधियों से अवगत कराया।

सरहुल एवं ईद शांति व हर्षोल्लास के साथ मनाएं- विजय शंकर नायक

संवाददाता,रांची। संपूर्ण भारत क्रांति पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव सह झारखंड प्रभारी विजय शंकर नायक ने झारखंड की जनता से अपील करते हुए कहा कि यह सुखद संयोग है की सरहुल एवं ईद दोनों धर्मावलम्बियों भाइयों के पर्व एक साथ मनाया जाना है। दोनों समाज के लोग प्रेम और भाईचारगी के साथ इस पर्व को हर्षोल्लास के साथ मनाएं और सांप्रदायिक सद्भाव विरोधी ताकतों को जो अमन एवं समाज के दुश्मन हैं, उन्हें मुंह तोड़ जवाब दें। श्री नायक ने मुख्यमंत्री चंपई सोरेन एवं पुलिस महानिदेशक से मांग किया कि वे दोनों पर्व को शांति और भाईचारगी के साथ मनाने के दिशा में विधि व्यवस्था चुस्त और दुरुस्त रखें ताकि समाज विरोधियों पर एवं अमन चैन बिगाड़ने वाले असामाजिक तत्वों पर कड़ी निगरानी रखी जा सके और दोनों महान पर्व झारखंड में हर्षोल्लास के साथ मनाया जा सके।

झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी युवा मंच का प्रतिनिधिमंडल मिला राज्यपाल से

संवाददाता , रांची। राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन से बुधवार को झारखड प्रांतीय मारवाड़ी युवा मंच, जमशेदपुर का एक शिष्टमंडल ने राज भवन, रांची में भेंट की एवं संस्था की गतिविधियों से अवगत कराया। समाज सेवा के क्षेत्र में संस्था द्वारा की जा रही कार्यों से भी अवगत कराया।

मतदाता जागरूकता हेतु साइकिल रैली का आयोजन

- सौ से अधिक युवक युवतियों ने साइकिल रैली में हिस्सा लिया
- झील परिसर से प्रात: 6-30 बजे प्रारंभ हुई रैली,युवाओं में दिखा खासा उत्साह

प्रतिनिधि, हजारीबाग। हज़ारीबाग लोकसभा चुनाव 2024 के मद्देनजर हजारीबाग जिला में मतदाताओं की भागीदारी एवं वोटिंग प्रतिशत बढ़ाने, सहित नैतिक मतदान को बढ़ावा देने के उद्देश्य से अनेकों गतिविधियां संचालित की जा रही है। इस क्रम में स्वीप कोषांग, हजारीबाग के द्वारा बुधवार को ÷स्वीप साईकिल रैली÷ का आयोजन किया गया। यह रैली झील परिसर से लगभग 6-30 बजे सुबह प्रारंभ हुई जिसमें 100 से अधिक युवक युवतियों ने साइकिल रैली में हिस्सा लेकर मतदाता जागरूकता हेतु शहर का भ्रमण किया। इस दौरान युवाओं में खासा उत्साह देखा गया। स्वीप नोडल अधिकारी सुलोचना मीणा,सहायक नोडल पदाधिकारी रोहित कुमार ने इस मतदाता जागरूकता साइकिल रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह साइकिल रैली झील परिसर से होते हुए पुराना समाहरणालय चौक,इंद्रपुरी चौक, झंडा चौक, बंसीलाल चौक, डिस्ट्रिक मोड होते हुए नए समाहरणालय भवन में समापन किया गया। साइकिल रैली में हिस्सा ले रहे प्रतिभागियों में से प्रथम स्थान पवन कुमार,द्वितीय स्थान सुबोध कुमार एवं तृतीय स्थान दिनेश कुमार ने प्राप्त किया। स्वीप नोडल पदाधिकारी सुलोचना मीणा ने विजेता प्रतिभागियों को मोमेंटो व प्रशस्ती पत्र देकर प्रोत्साहित किया गया। रैली के समापन के उपरांत समाहरणालय भवन के मुख्य द्वार पर युवक युवतियां ने एकत्रित होकर मतदाता प्रतिज्ञा का शपथ पाठ किया तथा उन्होंने इस चुनाव में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने की भी शपथ ली।मौके पर झील परिसर में मतदाता सेल्फी प्वाइंट,इभाई मास्कोट लोगों के बीच आकर्षण का केंद्र रहे तथा सभी प्रतिभागियों को मतदाता जागरूकता कैप का भी वितरण किया गया।

छूटे हुए मतदाताओं का नाम मतदाता सूची में जुड़वाने लिए फार्म 6 भरने की अंतिम तिथि 24 अप्रैल का जागरुकता रथ के माध्यम से वृहत प्रचार किया गया। इस दौरान खेल पदाधिकारी कैलेश राम,खेल कार्यालय के प्रधान सेवक शेखर कुमार, प्रशिक्षक नीरज राय, हॉकी प्रशिक्षक संदीप खलखो,बैडमिंटन प्रशिक्षक नीरज कुमार, फुटबॉल प्रशिक्षिका सोनी कुमारी, खेल समन्वय सरोज यादव, एनवाईके के रुद्रशेखर व अन्य मौजूद रहे।

चुरचू में शौचालय नहीं, बाजार आने वाली महिलाओं को परेशानी

चुरचू बाजार में यूरिन या पिंक टॉयलेट की जरुरत -उप प्रमुख

प्रतिनिधि,चुरचू। प्रखंड मुख्यालय स्थित चुरचू बाजार में शौचालय नहीं रहने के कारण यहां आने वाले पुरुष और महिलाओं को काफी परेशानी हो रही है। इस मार्केट के बगल में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, प्रखण्ड व अंचल मुख्यालय,निजी अस्पताल समेत की दुकानें हैं। चुरचू बाजार में सुबह से लेकर रात तक बनी रहती है। जिसमें पुरुष,बुजुर्ग और बच्चे के अलावे महिलाएं और लड़कियों की भीड़ देखी जाती है।कुछ लोग तो कई घंटे तक बाजार में काम के कारण बने रहते हैं। इस दौरान किसी को शौच लगे तो काफ़ी शर्मिंदगी उठानी पड़ती है। विकट परिस्थिति में लोगों को किसी सुनसान जगह में जाने के लिए मजबूर होना पड़ता है। जबकि महिलाओं के लिए ना तो यूरिनल की व्यवस्था है ना तो पिंक टॉयलेट की व्यवस्था है।

उपप्रमुख संजय कुमार सिंह कहते है - महिलाओं के लिए चुरचू बाजार में यूरिन या फिर पिंक टॉयलेट की व्यवस्था होनी चाहिए।देश की आधी आबादी महिलाओं की है फिर भी महिलाओं के लिए सभी जगह पर शौचालय की व्यवस्था नहीं है। प्रखंड के अधिकारियों को इस पर ध्यान देने की जरूरत है।महिलाओं के लिए शौचालय की मांग को लेकर जल्द ही ठोस कदम उठाए जाएंगे।

रामनवमी महासमिति बरही के अध्यक्ष बनें विनय साहू, सात अखाड़ा ने मिलकर किया चयन

विनय साहू को 4, भगवान केशरी को मिले 2 मत, एक मत हुआ रद्द

प्रतिनिधि, बरही। मंगलवार की देर शाम को भगवती मंदिर के प्रांगण में रामनवमी महासमिति के अध्यक्ष पद के चुनाव को लेकर बरही के सात अखाड़ा के पदाधिकारी मौजूद रहे। जहां विनय साहू व भगवान केशरी का नाम प्रस्ताव में आया। सातों अखाड़ा ने अपना मतदान देकर विनय साहू को रामनवमी महासमिति का अध्यक्ष चुना। विनय साहू को 4 व भगवान केशरी को 2 मत प्राप्त हुआ। इसके अलावा 1 मत रद्द पाया गया। रामनवमी महासमिति के अध्यक्ष विनय साहू ने कहा कि इस वर्ष रामनवमी ऐतिहासिक रूप से मनाया जाएगा। बूढ़े बुजुर्ग और सामाजिक कार्यकर्ताओं का सहयोग लेकर उनके मार्गदर्शन में काम किया जाएगा और पुलिस प्रशासन का सहयोग से इसे सफल किया जाएगा। मौके पर हनुमान सेना के राजेश केशरी, महावीर अखाड़ा के नरेश कुमार, भगवती मंदिर के अनीश कुमार साहू, बजरंग अखाड़ा गया रोड के गुड्डू निषाद, श्रीराम अखाड़ा अंबेडकर नगर हजारीबाग रोड के अनुज रविदास, अंजनी अखाड़ा पटना रोड के सुनील साहू, महावीर मंडल धनबाद रोड के अमित जायसवाल के अलावा सामाजिक कार्यकर्ता रमेश ठाकुर, अर्जुन साव, जीप प्रतिनिधि गुरुदेव गुप्ता, कुणाल कतारियार, उदय केशरी, राहुल गुप्ता, शशि बर्नवाल, सन्नी गुप्ता, आकाश जायसवाल, शशी जायसवाल, मंटू सिंह, विकास गुप्ता, मोती सिंह सहित अन्य रामभक्त शामिल थे।

सिंघानी पंचायत सचिवालय भवन के छत से अचानक चपड़ा गिरने से बाल बाल बचे ग्राम रोजगार सेवक

प्रतिनिधि,पत्थलगड़ा/चतरा। विभागीय उदासीनता के कारण प्रखंड मुख्यालय के सिंघानी पंचायत सचिवालय का भवन जर्जर होने के कारण बुधवार को बाल बाल बचें ग्राम रोजगार सेवक। भवान के छत की स्थिति जर्जर होने से छत टूट कर अचानक नीचे गिरा जिससे रोजगार सेवक टेकनारायण राम बाल बाल बचे। वही ग्राम रोजगार सेवक ने प्रखंड प्रशासन सहित जिला अधिकारीयों को अवगत कराते हुए पंचायत भवन को दुरुस्त करवाने का मांग किया है। दूसरी और सिंघानी पंचायत के मुखिया राधिका देवी ने इसको लेकर कई बार प्रखंड कार्यालय से लेकर जिला अधिकारीयों को जर्जर पंचायत भवन का नया पंचायत भवन निर्माण के लिए मांग कर चुकी है। लेकिन अभी तक अधिकारीयों ने संज्ञान में नही लिए और बुधवार को ग्राम रोजगार सेवक बाल बाल बचे। साथ ही साथ बड़ा हादसा होते होते टल गया।

मंगलवारी जुलूस में नारी सेना के महिलाओं का हुआ भव्य स्वागत

वरीय संवाददाता ,रांची। नारी सेना केंद्रीय कमिटी,केशव नगर,पहाड़ी टोला की ओर से तीसरी मंगलवारी शोभायात्रा जुलूस केंद्रीय अध्यक्ष पुनम सिंह के नेतृत्व मे धूमधाम से निकाली गई।जुलूस मे सभी महिलाएं ढोल बाजा के साथ नृत्य गान के साथ साथ लाठी तलवार भी भांजी। शोभायात्रा जुलूस खादगढ़ा निगम फ्लैट,पहाड़ी मंदिर चुना भट्ठा महावीर मंदिर,हनुमान मंदिर महावीर चौक तक जय श्री राम के जय कारे के साथ भ्रमण की।आज के कार्यक्रम को सफल बनाने मे सेना के संयोजक सागर वर्मा,मुख्य संरक्षक शिव किशोर शर्मा,संस्थापक सूरज सिंह भवानी,उपाध्यक्ष कमला विश्वकर्मा,मंत्री रूपा देवी,प्रवक्ता अनुपमा सिंह,मिडिया प्रभारी कामिनी सिंह,सोनी कुमारी,नीला खलखो,रीता देवी,सुमन देवी,रानी राणा,ज्योति सिंह,रीता देवी,नुपुर देवी,संध्या देवी, रूपा देवी, आकाश राम, सोनू राम,सुरज राम,सुमित राम,ममता देवी,पंकज राम,रिया कुमारी,सुचिता देवी,वेदिका देवी, ,ममता कुमारी,सोनी कुमारी आदि आदि ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।महावीर चौक हनुमान मंदिर के निकट शोभायात्रा जुलूस को पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोध कांत सहाय,पर्व सांसद यदुनाथ पांडेय ,अनेक समाजसेवी एवं महावीर मंडल के पदाधिकारी ललित कुमार ओझा,रवि कुमार पिंकू,राजीव रंजन मिश्रा,जय सिंह यादव,शंकर दुबे,अशोक पुरोहित,दीपक ओझा,संजय कुमार सिंह उर्फ लल्लू सिंह,महेश चंद्रा,युवराज पासवान,किशोर कुमार साहू,गोपाल पारीख ने मिठाई खिलाकर एवं चुनरी भेंटकर भव्यरूप से स्वागत किया। यह जानकारी नारी सेना की प्रवक्ता अनुपमा सिंह ने दी।

इंद्रपुरी सिनेमा हॉल के मैदान में डिजनीलैंड मेला का हुआ शुभारंभ

- युवा समाजसेवी हर्ष अजमेरा सहित कई गणमान्य लोग के द्वारा किया गया उद्घाटन।
- बच्चो के चहरे पर खुशी लगता है ये मेला - हर्ष अजमेरा।

प्रतिनिधि, हजारीबाग। शहर के इंद्रपुरी चौक स्थित इंद्रपुरी सिनेमा हॉल के मैदान में बुधवार की देर शाम डिजनीलैंड मेला हुआ शुरू।मेले का उद्घाटन बतौर मुख्य अतिथि शहर के युवा समाजसेवी हर्ष अजमेरा,राकेश गुप्ता, मनोज सिन्हा एवं बटेश्वर मेहता ने फीता काटकर एवं नारियल पधार कर उद्घाटन किया। जिसके पश्चात दीप प्रज्वलित कर विधिवत शुभारंभ किया गया। कई वर्षों से डिजनीलैंड मेला का आयोजन किया जा रहा है।जिसके पश्चात युवा समाजसेवी हर्ष अजमेरा ने मेला का अवलोकन किया।साथ ही उन्होंने मेले में लगे झूला का आनंद लिया।मौके पर हर्ष अजमेरा ने कहा कि बचपन के दिनों में डिजनीलैंड एवं मीना बाजार के नाम से इस मेले को जाना जाता था। बदलते वक्त के साथ अभी हम लोग मेले को डिजनीलैंड के नाम से जान रहे हैं। गर्मी की छुट्टी से पहले बच्चों के लिए मनोरंजन का सही स्थान है मेला।आयोजन मंडली को बहुत-बहुत बधाई। साथ ही कहा कि इस मेले में एक ही छत के नीचे बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक के सभी जरूरत के सामान उपलब्ध हैं साथ ही आकर्षक झूले भी बच्चों को अपनी ओर आकर्षित करेंगी। साथ ही कहा की इस वर्ष की रामनवमी को ऐतिहासिक रूप से संपन्न करना है।मौके पर आयोजनकर्ता मनोज कुमार साव ने कहा कि मेला में बच्चों और बड़ों सभी को ध्यान में रखते हुए मेला का अयोजन किया गया है। जिसमें सभी प्रकार के झूले जिसमें ब्रेक डांस, टावर झूला, ड्रैगन झूला, नौका झूला, नागीन शो, मिक्की माउस तथा कई प्रकार के झूलें है, जो बच्चों का आकर्षक केन्द्र हैं मेले में लेदर बैग, सहारणपुर का फर्नीचर, लकडी का समान चूड़ियाँ, खिलौना, नेम प्लेट, कपडा लेडिज कूर्ति आदि है। साथ ही मेले में खाने का आईसक्रिम, पोपकोण, हवा मिठाई, फास्टफूड तथा रेस्टूरेंट आदि आदि का व्यवस्था किया गया है।मौके पर मनोज कुमार साव, विकास कुमार, मनोज कुमार,अनीश सिंह,दीपक देवराज,पूर्व मुखिया संजय मेहता, विजय सिंह भोक्ता,कृष्ण भोक्ता, बाबूलाल मेहता, नितेश सिंह,सागर कुमार,रवि सिंह, सहित कई लोग मौजूद थे।

चतरा प्रखण्ड के ग्राम पंचायत टिकर में मतदाताओं को जागरूक करने के उद्देश्य से किया गया रात्रि चौपाल का आयोजन

सैकड़ों की संख्या में उपस्थित मतदाताओं को दिलाया गया मतदान करने का शपथ

पूर्वांचल सूर्य ब्यूरो

चतरा। जिले के मतदाताओं को मतदान के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से जिले भर में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। जिससे अधिक से अधिक मतदाताओं को जागरूक किया जा सके और मतदाता जागरूक होकर अपना मत का प्रयोग कर सकें। इसी उद्देश्य को लेकर जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त चतरा रमेश घोलप के निर्देशानुसार जिले के चतरा प्रखण्ड के ग्राम पंचायत टिकर नीम चौंक पर स्वीप कार्यक्रम के तहत रात्रि चौपाल कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें अपर समाहर्ता अरविन्द कुमार, अनुमण्डल पदाधिकारी चतरा सुरेन्द्र उरांव, नोडल पदाधिकारी स्वीप कोषांग सह जिला भू-अर्जन पदाधिकारी वैभव कुमार सिंह, उप निर्वाचन पदाधिकारी वेदवंती कुमारी, जिला क्रीड़ा पदाधिकारी तुषार राय, वृद्ध मतदाताओं, दिव्यांग मतदाताओं, नए मतदाताओं के द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। तत्पश्चात अधिकारियों द्वारा लोगों को संबोधित करते हुए वोटर हेल्पलाईन ऐप, सक्षम ऐप, सीविजिल ऐप और बूथ केन्द्रों पर उपलब्ध सुविधाओं, प्रपत्र-6 के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। साथ ही बताया गया कि वैसे मतदाता जिनकी उम्र 18 वर्ष या उससे अधिक है और उनका नाम अभी तक मतदाता सूची में शामिल नहीं हो सका है वे अपने नजदीकी मतदान केन्द्र या बी0एल0ओ0, ऑनलाइन के माध्यम से प्रपत्र-6 भरकर अपना नाम मतदाता सूची में शामिल करा सकते है। इसके अलावे नुक्कड़ नाटक, गीत संगीत की प्रस्तुति कर लोगों को मत और मतदान के प्रति जागरूक किया गया। वहीं सैकड़ों की संख्या में उपस्थित लोगों ने अधिकारियों के साथ मतदान करने का शपथ लेते हुए एक स्वर में वोट करेगा चतरा का नारा लगाया। टिकर पंचायत के अलावे भी जिले के विभिन्न प्रखण्डों में भी रात्रि चौपाल कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इस रात्रि चौपाल के माध्यम से जिला प्रशासन का उद्देश्य सभी योग्य मतदाताओं को जागरुक कर मतदाता सूची में शामिल करना व शत प्रतिशत मतदान कराना है।

सरना समिति की सरहुल पर्व को लेकर तैयारियां पूरी

प्रतिनिधि,रांची । केंद्रीय सरना संघर्ष समिति सह हेसल सरना समिति के संयुक्त तत्वावधान में पिस्का मोड़ सत्यारी सरना स्थल में सोमरा पहान, भुनू पहचान , जोगेंद्र पहान के अगुवाई में पारंपरिक रिती रिवाज एवं पूजा विधि विधान से किया गया ।

सभी ने अबीर गुलाल और सरय फूल खोसकर एक दूसरे से गले लगकर सरहुल पूजा की शुभकामनाएं दिए ।

केंद्रीय सरना संघर्ष समिति के प्रदेश अध्यक्ष शिवा कच्छप ने कहा कि प्राकृतिक हमे जीवन जीने का तरीका सिखाता है, प्राकृति के बिना हमारा जीवन अधूरा है , प्राकृति के साथ छोड़ छाड़ करने से तरह - तरह के आपदा का सामना करना पड़ सकता है , इसलिए हम सभी को प्राकृतिक को संयोज कर रखना हम सभी का कर्तव्य ही नही हमरा धर्म भी है ।

इस कार्यक्रम में सती तिर्की, अनीता उरांव, शोभा तिर्की, नीलम उरांव , नुरी तिर्की, मीणा देवी, प्रमिला उरांव , जितू तिर्की, बाबू टोप्पो, बिष्णु तिर्की, सुनीता कुजूर , पार्वती टोप्पो, दुलारी तिर्की, रजनी तिर्की शामिल थे।

डी0एम0एफ0टी0 प्रशिक्षण भवन चतरा में मतदाता जागरूकता कार्यक्रम का किया गया आयोजन

- नुक्कड़ नाटक, नृत्य, गीत संगीत, मतदाता शपथ, हस्ताक्षर अभियान के माध्यम से मतदाताओं को किया गया जागरूक।
- 20 मई को वोट करेगा चतरा
- मतदाता निर्भिक एवं भयमुक्त होकर अपना मत का प्रयोग अवश्य करें - उपायुक्त

पूर्वांचल सूर्य ब्यूरो

चतरा। जिले के डी0आर0डी0ए0 स्थित डी0एम0एफ0टी0 प्रशिक्षण भवन चतरा में जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त चतरा रमेश घोलप की अध्यक्षता में सभी मान्यता प्राप्त संस्थान, एसोशिएसन जिला इकाई चतरा के साथ लोकसभा आम चुनाव-2024 के लिए स्वीप कार्यक्रम के तहत मतदाता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सर्वप्रथम वृद्ध मतदाता, नए मतदाता, दिव्यांग मतदाता, कलादल, प्रेस मीडिया एवं अधिकारियों द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया।

उपायुक्त ने अपने संबोधन में कहा 20 मई को अपना बहुमूल्य वोट देकर लोकतंत्र का हिस्सा बने और लोकतंत्र को मतबुत करें की अपील की। मतदान दिवस के दिन सभी मतदाता अपने घर से बाहर निकलकर निर्भिक एवं भयमुक्त होकर अपने अपने बूथों पर जाकर अपना मत का प्रयोग अवश्यक करें। वल्नरेबल बूथ को चिन्हित किया जा चुका है। मतदाता निर्भिक एवं भयमुक्त होकर मतदान करें इसके लिए जिला प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन द्वारा सभी आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। अगर किन्ही मतदाता को किन्ही के द्वारा दबाव या प्रलोभन दिया जाता है तो अविलम्ब इसकी जानकारी प्रशासन को दें। डराने, धमकाने, दबाव डालने वाले लोगों को बख्सा नहीं जाएगा। किसी भी प्रकार की आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन से संबंधित शिकायत मिलती है तो अविलम्ब सीविजिल ऐप के माध्यम से शिकायत दर्ज करें। शिकायत दर्ज होने के 100 (एक सौ) मिनट के अंदर जांच कर कार्रवाई की जाएगी। वहीं छुटे हुए मतदाताओं से भी अपील किया गया कि वैसे मतदाता जिनका उम्र 18 वर्ष या उससे उपर है और उनका नाम अभी तक मतदाता सूचि में शामिल नहीं हो सका है वो अपने नजदीकी मतदान केन्द्र या बी0एल0ओ0, ऑनलाइन के माध्यम से प्रपत्र-6 भरकर अपना नाम मतदाता सूचि में शामिल करा सकते है। इसके अलावे उन्होने कहा शारीरिक रूप से असक्षम मतदाताओं को मत का अधिकार दिलाने के लिए जिला प्रशासन द्वारा आवश्यक तैयारी की जा रही है। साथ ही वैसे पदाधिकारी, कर्मी जिनका मतदान दिवस के दिन ड्यूटी लगाई गई है उसका भी पोस्टल बैलेट हेतु मतपत्र प्रपत्र-12 के माध्यम से उनके मत का अधिकार दिलाने की आवश्यक तैयारी की जा रही है।

वर्ष 2009 के बाद भारत निर्वाचन आयोग द्वारा व्यापक मतदाता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिससे अधिक से अधिक मतदाता अपने मत का अधिकार को समझ कर मत का प्रयोग कर सके। पहले मतदान फिर जलपान, चुनाव पर्व है चतरा को गर्व है समेत कई अन्य नारें उप विकास आयुक्त के द्वारा लगाए गए। अपर समाहर्ता ने कहा इस कार्यक्रम का उद्देश्य मतदाताओं को जागरूक करते हुए मतदान प्रतिशत बढ़ाना है। कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोग अभी से ही ठान लें कि अपने मत का प्रयोग शत प्रतिशत करेंगे। साथ ही अपने घर, आस-पास के लोग को भी जागरूक कर उनके मत का अधिकार दिलायेंगे। कार्यक्रम में नुक्कड़ नाटक के माध्यम से भी मतदाताओं को जागरूक किया गया। वहीं संगीत बोल घर से निकलकर वोट करना होगा पर ताइक्वांडो के खिलाड़ियों द्वारा नृत्य की प्रस्तुती की गई। साथ ही जिले के मतदाताओं को जागरूक करने हेतु निर्वाचन कार्यालय द्वारा बनाए गए गीत को भी लांच किया गया। वहीं जिला निर्वाचन पदाधिकारी द्वारा कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों को मतदान के प्रति एक स्वर में *वोट करेगा चतरा* का नारा लगाया गया। इससे पहले मतदाता शपथ दिलाया गया।

कार्यक्रम के उपरांत जिला निर्वाचन पदाधिकारी समेत जिले के वरीय पदाधिकारियों, मतदाताओं द्वारा हस्ताक्षर बोर्ड पर अपना-अपना हस्ताक्षर बनाकर मतदाताओं को जागरूक किया गया एवं कई स्लोगन भी लिखे गए।

इस कार्यक्रम में उपरोक्त के अलावे अनुमण्डल पदाधिकारी चतरा सुरेन्द्र उरांव, उप निर्वाचन पदाधिकारी वेदवंती कुमारी, जिला शिक्षा पदाधिकारी दिनेश मिश्र, स्वीप नोडल पदाधिकारी सह जिला भू-अर्जन पदाधिकारी वैभव सिंह, जिला क्रीड़ा पदाधिकारी तुषार राय विभिन्न विभागों के संबंधित पदाधिकारी, कर्मी, मीडिया बंधु, एसोशिएसन जिला इकाई चतरा के सम्मानित सदस्य, कला दल, मान्यता प्राप्त संस्थान समेत अन्य संबंधित उपस्थित थे।

दिखा चांद, ईद आज, ईदगाहों-मस्जिदों में होगी नमाज

आदिल रशीद

रांची। ईद का चांद बुधवार की शाम दिखा, गुरुवार को ईद मनाई जाएगी। ईदगाहों और मस्जिदों में गुरुवार 11 अप्रैल की सुबह नमाज अदा की जाएगी। एदारे शरिया झारखंड और इमारते शरिया झारखंड ने चांद की औपचारिक रूप से घोषणा कर दी हैं। चांद का दीदार होने के साथ ही ईद की खुशियां शहर की फिजा में घुल गई। मस्जिदों में ईद नमाज़ से संबंधित एलान हुए, जबकि सोशल मीडिया पर बधाइयों का तांता लगा रहा। लोग एक दूसरे को ईद की चांद की बधाई देते रहे।

शहर के विभिन्न मुस्लिम मोहल्लों में खुशी के इस मौके पर पटाखे छोड़े गए। ईद की तैयारियां रात से ही शुरू कर दी गईं। सभी मुस्लिम मोहल्लों, चौक चौराहों, गली कूचों को कुमकुमे, चमचमाती रंग बिरंगे झालर, लाइट से सजाया गया। बच्चो ने रात रात भर जाग कर सजाने का काम किया।

रमजान के मुकद्दस महीने की 30 तारीख को देखते हुए बुधवार को मगरिब की नमाज के बाद दरगाह में एदारा ए शरिया की बैठक मौलाना कुतुबुद्दीन रिजवी की सदारत में हुई। तो इमारत शरिया झारखंड की बैठक इमारत शरिया बिल्डिंग में मुफ्ती मोहम्मद अनवर कासमी की सदारत में हुई। वहीं खानकाह मजहरिया मुनामिया फिरदौस नगर डोरंडा में अल्लामा मौलाना सैयद शाह अलकमा शिबली क़ादरी की सदारत में हुई। सभी ने चांद होने की खबर की पुष्टि की और ईद के चांद की घोषणा कर दी।

देर रात तक होती रही खरीदारी :ईद का चांद का ऐलान होते ही बाजारों में उमड़ी भीड़। हर कोई खरीदारी करते नज़र आए। सेवई, लच्छा की दुकानों में भीड़ रही। कपड़ा की दुकान, राशन दुकान, पानी पूरी ठेला, मेवाड़, आदि सभी जगहों पर भीड़ रही। देर रात तक होती रही खरीदारी।

महिलाओं ने पकवान बनाने में जुटे रहे :चांद का ऐलान होते ही मुस्लिम घरों में महिलाओं ने पकवान बनाने में जुट गई। छोला चाट, पानी पूरी, दही बाड़ा, बिरयानी, पुलाओ, हलवा, लच्छा, सेवई, गुलाब जामुन आदि पकवान बनाने में जुटी रही।

कर्बला चौक में लगा झूला :हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी कर्बला चौक के पास झूला लगा। झूला के आसपास कई खाने पीने के स्टॉल लगाए गए।

सुरक्षा का पुख्ता इंतजाम :रांची जिला पुलिस प्रशासन के द्वारा सुरक्षा का पुख्ता इंतजाम था। हर जगह पुलिस के जवान तैनात थे।

*ईद का त्यौहार पूरी ईमानी बेदारी के साथ मनाया जाए- मुफ्ती अनवर कासमी

रांची-इमारत शरिया के काज़ी मुफ्ती मुहम्मद अनवर कासमी ने कहा की ईद उल फितर एक बड़ा इस्लामी त्यौहार है। ईद की खुशी में अपने आस-पड़ोस और मोहल्ले के ऐसे लोगों को ईद की खुशी में शामिल करें जो कमजोर हो, उनकी मदद करें। और उनकी मदद इस अंदाज में किया जाए कि उनकी इज्जत को ठेस ना लगे। ईद का त्यौहार पूरी ईमानी बेदारी के साथ मनाया जाए। ईतमिनान व सकून के साथ नमाज के लिए आए और जाएं। इस्लाम के पैगाम को आम किया जाए, और यह कोशिश की जाए कि आप से किसी को तकलीफ ना पहुंचे। ईद में अल्लाह पाक रोजा और तरावी के बदले इनाम से नवाजता है। इसलिए अल्लाह पाक से खूब दुआ करें, ईद की नमाज के बाद दुआ कुबूल होती है। ईद साल का एक बड़ा त्यौहार है। अल्लाह और उसके रसूल ने त्यौहार मनाने का जो तरीका बताया है, उसी तरीके में ईद मनाना है। और उसी से खुशी हासिल करना है। और जो इसमें अपनी मनमानी चलाएं और नई बातों को जोड़ें उसको ईद की रूहानी खुशी हासिल नहीं हो सकती।

ईद-उल-फितर हमें न्याय, शांति, भाईचारे का संदेश देती है: मुफ्ती रहमतुल्लाह

रांची- मदरसा जमीयतुल मोहसिनात के प्रिंसिपल मुफ्ती रहमतुल्लाह मजाहिरी ने ईद के संदेश पर कहा कि ईद-उल- फितर हमारे लिए न्याय व निष्पक्षता, शांति व व्यवस्था, भाईचारा, करुणा, प्रेम और सहनशीलता का एक सुंदर संदेश देता है। ताकि हम अकेले नहीं बल्कि सामूहिक रूप से जश्न खुशी मना सकें। ग़रीबों को सहारा देकर, टूटे हुए दिलों को जोड़कर, रूठे हुए अपनों को मना कर, बिना भेदभाव के रूहानी और जिस्मानी गंदगी को दूर कर जाति कौम आपसी रंजिश और मतभेद भुलाकर इस्लामी जमीयत का सबूत देती है। ईद उल-फ़ित्र ब्रह्मांड के निर्माता से इनाम का दिन है। इसलिए हमारी जिम्मेदारी बनती है की हम अपने आप को जांचे। पवित्र महीने में शरीयत और सुन्नत के पालन और नेक कामों से अल्लाह की इबादत कर कितने हक़ अदा किए हैं? जिसके द्वारा हम अल्लाह से इनाम और श्रम मजदूरी प्राप्त करने के योग्य हैं या नहीं? यह मानव का स्वभाव है कि वह सुख के अवसर की लालसा करता है। इस इच्छा को पूरा करने के लिए, इस्लाम ने हमें दो त्योहार दिए हैं पहला ईद उल-फितर है और दूसरा ईद अल-अजहा है।

सदका फितरा अदा करने के लिए मालदार होना जरूरी नहीं: मौलाना कुतुबुद्दीन

रांची-एदारा ए शरिया झारखंड के नाजिम आला मौलाना कुतुबुद्दीन रिजवी ने ईद के पैगाम में कहा कि रमजान महीने के आखिर में सदका फितरा अदा करना है। इसके पीछे हिक्मत (सोच) यह है कि इसकी अदायगी करने से एक तो गरीबों को खाने को कुछ मिलता है और दूसरा रोजेदार द्वारा रोजे के दौरान की गई गलतियों और फुजूल कामों का कफ्फारा अदा हो जाता है। सही बुखारी और सही मुस्लिम के अनुसार, एक हदीस है कि अल्लाह के रसूल (सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम) ने सदक़ा फितरा को अनिवार्य (करार) दिया। सदका फितरा रमजान के महीने के अंत में ईद की नमाज से पहले हर मुसलमान, गुलाम, आजाद, मर्द, औरत, बच्चे, बूढ़े, एक सा (लगभग ढाई किलो) रोजाना खाने वाली चीजों में से अदा करना यानी निकालना है। अगर ईद की नमाज़ के बाद सदक़ा फित्रा दिया जाए तो वह आम सदका में से एक होगा। फितरा अदा नहीं होगा। ईद की नमाज़ से पहले सदक़ा फ़ितरा निकालना सही है। सदक़ा फितरा केवल अनाज के रूप में अदा करना बेहतर है। लेकिन यदि इस अनाज का मूल्य यानी नकद भी बतौर फितरा में दिया जाता है, तो यह सही है। सदका फितरा केवल गरीबों और बेसहारा (मिस्किन) लोगों को दिया जाएगा। यह भी स्पष्ट होना चाहिए कि सदका फितरा अदा करने के लिए साहबे नसाब यानी मालदार होना जरूरी नहीं है।

कलशयात्रा रोके जाने के मामला को लेकर ग्रामीणों में आक्रोश, बड़कागांव मुख्य चौक के दुकानों को विरोध में स्वत: किया बंद

- दोषियों पर कार्रवाई करते हुए अविलंब गिरफ्तारी की मांग
- पुलिस ने किया 8 नामजद समेत 50 अज्ञात पर मामला दर्ज

प्रतिनिधि, बड़कागांव। कलश यात्रा के दौरान छावनिया गांव में असमाजिक तत्वों द्वारा लाठी डंडे व पत्थर बाजी एंव जय श्री राम के नारा नहीं लगाने देने ,साउंड सिस्टम बन्द की घटना के विरोध में बड़कागांव के व्यवसाईयों ने सुबह से 1 बजे दिन तक सभी दुकानों ने बंद रखी।घटना से व्यवसाईयों में दहसत का माहौल बना हुआ है। बंद के दौरान बड़कागांव थाना प्रभारी बंद का जायजा ले रहे थे तथा बड़कागांव चौक में पुलिस जवान तैनात थे। ताकि कोई अप्रिय घटना ना घटे। थाना प्रभारी मुकेश कुमार सिंह सभी अखाड़ों में जाकर विधि व्यवस्था बनाए रखने की अपील की पुलिस हुर्दंगियों एवं असामाजिक तत्वों पर कड़ी नजर रखी जा रही है।1-30 बजे के बाद दुकान खुलने लगी और बाजार में सामान्य हो गया। इस दौरान अंचलाधिकारी बालेश्वर राम, थाना प्रभारी मुकेश कुमार सिंह, उप प्रमुख वचन देव कुमार, मुखिया संघ प्रखंड अध्यक्ष रंजीत मेहता, पूर्व मुखिया विष्णु रजक, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता रामसेवक सोनी, बिंदेश्वर उर्फ बिंदु कुमार,पूर्व पंचायत समिति सदस्य उपेंद्र कुमार साथ चौक चौराहों पर शांति व्यवस्था बनाए रखने की अपील की गई।

आठ दोषियों पर एवं 50 अज्ञात पर हुई मामला दर्ज :बड़कागांव। थाना प्रभारी मुकेश कुमार सिंह ने पत्रकारों को बताया कि कलश यात्रा के दौरान उपद्रवी करने वाले आठ लोगों को नामजद अभियुक्त एवं 50 अज्ञात लोगों के नाम मामला दर्ज की गई है .पुलिस कानूनी कार्रवाई कर रही है.दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा।पुलिस की छापामारी अभियान चल रही है।

बहादुर बिरहोर की मौत पर बिरहोर समुदाय आक्रोशित

मिथलेश कुमार

केरेडारी। एनटीपीसी के चट्टी बरियातू कोल माइंस के समीप निवास कर रहे 36 वर्षीय बहादुर बिरहोर की मौत 10 अप्रैल की सुबह तीन बजे भोर हो गई । बहादुर बिरहोर के मौत के उपरांत आक्रोशित बिरोहोर समुदाय के लोगों ने सुबह छह बजे भोर से विरोध में एनटीपीसी के चट्टी बरियातू कोल को दोपहर एक बजे दिन तक पूरी तरह से ठप करा दिया। माइंस में ओबी बर्डन कोयला खनन और कोयला की ढुलाई कार्य पूरी तरह से बंद करा दिया। बिरहोर समुदाय के लोग मौत के जिम्मेवार लोगों को सामने आ कर समस्याओं पर बात करने की मांग कर रहे थे। मौत के कारण पर मृतक के परिजनों ने कहा कि माइंस नजदीक होने से धूल गर्दा प्रदूषण के कारण बहादुर बिरहोर की मौत हुई है।

बहादुर बिरहोर के मौत के पूर्व किरनी बिरहोर की हो चुकी है मौत : बहादुर बिरहोर के मौत के पूर्व बीते 28 फरवरी को एनटीपीसी के चट्टी बरियातू कोल माइंस क्षेत्र के समीप पगार बिरहोर कलोनी निवासी किरनी बिरहोर की मौत संदेहात्मक परिस्थित में हो चुकी है। किरनी बिरहोर के मौत के दो महीना भी नहीं बीते है कि बहादुर बिरहोर की मौत हो गई।

बिरहोर समुदाय के मौत पर उठ रहे हैं सवाल : माइंस क्षेत्र के नजदीक निवास कर रहे बिरहोर समुदाय के लोगों की मौत पर समाज का एक बड़ा वर्ग और कई सामाजिक संगठन सवाल उठा रहे हैं। कि एनटीपीसी के चट्टी बरियातू कोल माइंस को खुले हुए लगभग दो वर्ष बीतने को है पर आज तक बिरहोर समुदाय के लोगों को माइंस क्षेत्र से अलग जगह पर बसाने का सार्थक पहल क्यों नहीं किया गया। इसमें प्रबंधन की लापरवाही साफ झलकती है।

कब तक होते रहेगा आदिम जनजाति के मौत पर सौदा

लोगों के बीच इस बात की चर्चा बनी हुई है कि विलुप्त होने के दहलीज पर खड़ी आदिम जनजाति बिरहोर समुदाय के लोगों की मौत पर चंद रुपए में सौदा करने पर प्रशासनिक वर्ग सार्थक पहल क्यों नहीं कर रहा है। अंततः थाना प्रभारी अजीत कुमार प्रमुख सुनीता देवी समाजसेवी प्रेम रंजन पासवान पंचायत समिति सदस्य महेंद्र रजक समाजसेवी सुंदर गुप्ता समेत अन्य लोगों के पहल पर मृतक के दो बच्चों को जीवन यापन करने के लिए पांच पांच हजार रूपए प्रति महीना और वयस्क सदस्य को कंपनी में रोजगार व दाह संस्कार के लिए 30 हजार रूपए नगद देने पर सहमति बनी और लाश को उठाया गया। उपरोक्त प्रकरण पर एनटीपीसी के मृत्युंजय वर्मा ने बताया कि बिरहोर समुदाय के लोग माइंस क्षेत्र से बाहर निवास करते हैं।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त ने गढ़वा एवं डण्डा प्रखंड का किया दौरा, लोकसभा चुनाव तैयारी से जुड़े कार्यों का किया समीक्षा

प्रतिनिधि,गढ़वा। लोकसभा आम निर्वाचन 2024 की तैयारियों के मद्देनजर जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त शेखर जमुआर के निदेशानुसार आज विभिन्न एजेंडा पर बीएलओ, बीएलओ प्रेक्षक एवं सेक्टर पदाधिकारी संग समीक्षा हेतु जिले के वरीय पदाधिकारियों ने विभिन्न प्रखंडों का दौरा किया। स्वयं जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने गढ़वा एवं डण्डा प्रखंड का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने गढ़वा एवं डण्डा प्रखंड कार्यालय के सभागार में प्रखंड विकास पदाधिकारी, अंचल अधिकारी, सभी बीएलओ, बीएलओ प्रेक्षक एवं सेक्टर पदाधिकारी संग समीक्षा बैठक किया गया। बैठक में कई प्रमुख बिंदुओं पर समीक्षा कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। इनमें मुख्य रूप से स्ष्ठ वेरिफिकेशन, Form-6 कलेक्शन, VAF एवं BAG एक्टिविटी रिपोर्ट, पोस्टल बैलट वोटर्स के लिए हाउस टू हाउस वेरिफिकेशन रिपोर्ट (फॉर्म 12 ष्ठ), मतदान केंद्रों पर स्न्न यानी मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता, कम्युनिकेशन प्लान, Communication Plan, VIS यानी वोटर इन्फॉर्मेशन स्लिप वितरण की तैयारी, वोलेंटियर लिस्ट साझा करने समेत अन्य बिंदुओं पर समीक्षा की गई। बैठक में बीएलओ, बीएलओ प्रेक्षक एवं सेक्टर पदाधिकारी से उनके कर्तव्यों एवं दायित्वों के बारे में विस्तार पूर्वक चर्चा की गई। जिला निर्वाचन पदाधिकारी द्वारा सभी बीएलओ, बीएलओ प्रेक्षक एवं सेक्टर पदाधिकारी को भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी निर्देशों के अनुरूप कार्य करने का निर्देश दिया गया। फॉर्म 6 पर चर्चा करते हुए क्षेत्र के छूटे हुए मतदाताओं का नाम अनिवार्य रूप से मतदाता सूची में जोड़ने को लेकर फॉर्म 6 भरकर जमा करने का निर्देश दिया गया। VAF एवं BAG के माध्यम से क्षेत्र में निर्वाचन संबंधित गतिविधियों को सक्रियता से मतदाताओं तक पहुंचाने का निर्देश दिया गया, जिससे अधिक से अधिक मतदाताओं को जागरुक कर मतदान के दिन शत प्रतिशत मतदान सुनिश्चित कराई जा सके। बैठक में पोस्टल बैलट के माध्यम से फार्म 12 ष्ठ की समीक्षा करते हुए बीएलओ एवं बीएलओ प्रेक्षक को हाउस टू हाउस सर्वे कर वैसे मतदाता जो किसी कारणवश मतदान केंद्र पर आने में सक्षम नहीं है उन्हें फॉर्म 12 D के माध्यम से मतदान कराने को लेकर निर्देशित किया गया। इसके अलावे EVM एवं VVPAT से जुड़ी तकनीकी जानकारी बैठक में दी गई। मतदान के दिन EVM एवं VVPAT को डिस्पैच सेंटर से लेने एवं मतदान के पश्चात इसे जमा कराने को लेकर भी आवश्यक निर्देश दिए गए। जिला निर्वाचन पदाधिकारी द्वारा निर्धारित रूट चार्ट के अनुरूप हीं श्वड्ढरूएवं ङ्कङ्कक्क्रञ्ज को मतदान केंद्रों पर लाने एवं मतदान के पश्चात उसे जमा करने को लेकर निर्देशित किया गया। इस दौरान जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि मतदान की तैयारी अब अंतिम चरण पर है आप सभी पदाधिकारी एवं कर्मी मतदान से जुड़े कार्यों को गंभीरता से लेते हुए उसका ससमय निष्पादन करना सुनिश्चित करें। बैठक में सभी बीएलओ से उनके क्षेत्र के कुल मतदाताओं की भी जानकारी ली गई, इनमें पुरुष- महिला मतदाता, 85 प्लस के वृद्ध मतदाता एवं PWD मतदाता की संख्या की जानकारी ली गई। साथ हीं मतदान के दिन 85 प्लस के वृद्ध मतदाता, PWD मतदाता एवं मतदान केंद्रों पर दी जाने वाली सुविधाओं को सुनिश्चित कराने लेकर भी निर्देशित किया गया। बैठक में स्ष्ठ सूची तैयार करने के उद्देश्यों की भी जानकारी दी गई। बताया गया कि गलत मतदान एवं बोगस वोटिंग जैसी चीजों को रोकना स्ष्ठ सूची का मुख्य उद्देश्य है। जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि वोटर अवेयरनेस फोरम पूरी तरह से सक्रिय हो। बैठक के अंत में जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने सभी बीएलओ, बीएलओ प्रेक्षक एवं सेक्टर पदाधिकारी के माध्यम से अपील किया कि 13 मई को पलामू लोकसभा क्षेत्र में होने वाले मतदान के दिन मतदाता अपने घरों से बाहर निकलकर सुबह 7-00 बजे से संध्या 5-00 बजे के बीच मतदान केंद्रों पर पहुंचे एवं अपने मताधिकार का प्रयोग करें और लोकतंत्र के इस महापर्व में अपना अधिकार, अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें। उल्लेखनीय है कि जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त के निदेशानुसार इसी कड़ी में आज अपर समाहर्ता मतियस विजय टोप्पो द्वारा चिनिया प्रखंड, अनुमंडल पदाधिकारी श्री बंशीधर नगर प्रभाकर मृधा द्वारा केतार प्रखंड, जिला परिवहन पदाधिकारी धीरज प्रकाश द्वारा गढ़वा प्रखंड, उप समाहर्ता भूमि सुधार रंका, प्रमेंश कुमार कुशवाहा द्वारा भंडरिया प्रखंड, जिला योजना पदाधिकारी सह जिला जनसंपर्क पदाधिकारी संजीव कुमार सिंह द्वारा खरौंधी प्रखंड, समेत जिला स्तरीय अन्य पदाधिकारियों द्वारा उनके आवंटित प्रखंडों में उपरोक्त बिंदुओं पर समीक्षात्मक बैठक संपन्न किया गया।

करोड़ों की लागत से बनाए जा रहे भवन में बरती जा रही है भारी अनियमितता

शुरू होते ही विवादों में घिर चुका है कर्मचारी भवन का निर्माण कार्य

प्रतिनिधि,चतरा। पत्थलगड़ा प्रखंड मुख्यालय के समीप करोड़ों की लागत से बनाए जा रहे कर्मचारी भवन में संवेदक मुकेश साव के द्वारा भारी अनियमितता बरती जा रही है। बताते चले की भवन निर्माण कार्य में घटिया किस्म के बालू के अलावे कई सामग्री लगाई जा रही है। साथ ही साथ भवन निर्माण कार्य में साक्ष्य छिपाने को लेकर अभी तक बोर्ड नहीं लगाया गया है। जिससे साफ स्पष्ट होता है कि संवेदक भवन निर्माण कार्य में अपने मनमानी से कार्य कर रहें है। जब पत्थलगड़ा प्रखंड के जिला परिषद सदस्य रामसेवक दांगी उर्फ भगत जी एवं प्रमुख मनीषा कुमारी को इस मामले की जानकारी हुई तो उन्होंने उक्त स्थल का निरीक्षण कर जांच करवाने की बात कही है।

पत्थलगड़ा गाँधी चौक में प्रखंड प्रशासन के नेतृत्व में बीते देर रात चौपाल लगाकर चलाया गया जागरुकता अभियान

सैकड़ो ग्रामीणों को मतदान का महत्व बता कर दिलाया गया संकल्प

प्रतिनिधि,पत्थलगड़ा (चतरा)। प्रखंड के गांधी चौक में बीते मंगलवार के देर रात्रि मतदाता चौपाल का आयोजन रखा गया। जिसमें ग्रामीणों को मतदान का महत्व बताते हुए मतदान करने का संकल्प दिलाया गया। इस दौरान मेराल पंचायत सचिव राकेश प्रसाद, बरवाडीह पंचायत सचिव मोहम्मद असलम व बीएलओ मिथिलेश दांगी, मंजू देवी सहित कई ने सामूहिक गायन, नुक्कड़ नाटक आदि के माध्यम से ग्राम वासियों को जागरूक करने का जतन किया। साथ ही मतदान का संकल्प दिलाया। स्विप कार्यक्रम के तहत भय मुक्त माहौल में निष्पक्ष व हर हाल में मतदान करने की सभी से अपील की गई। मौके पर बीरबल दांगी, विनय दांगी, भीम दांगी, मुकेश दांगी समेत कई लोग मौजूद थें।

चतरा का हाल बेहाल, एक तो गर्मी की मार ऊपर से पानी की हाहाकार

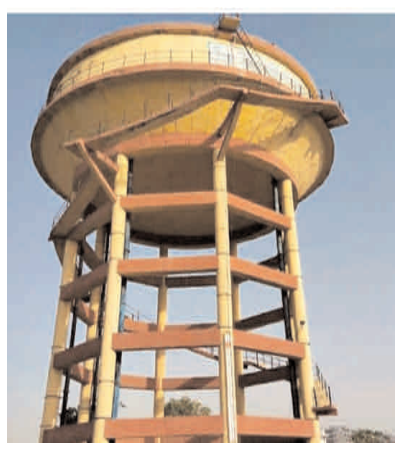

पूर्वांचल सूर्य ब्यूरो,चतरा। जिला मुख्यालय के लोग पिछले चार-पांच दिनों से पेयजल संकट का सामना कर रहे हैं। शहर में पिछले पांच दिनों से पेयजल आपूर्ति ठप है जिससे लोगों को पेयजल के लिए पानी की किल्लत का सामना करना पड़ रहा है। सबसे विकट समस्या पेयजल आपूर्ति पर निर्भर लोगों के समक्ष सुरसा की तरह मुंह बाए खड़ी हो गई है, उन्हें पानी के लिए इधर-उधर भटकना पड़ रहा है।

त्योहार के सीजन में पानी नहीं मिलने से एक और यहां लोगों को परेशानी हो रही है वहीं दूसरी ओर नगर निगम की व्यवस्था के प्रति लोगों में नाराजगी भी देखी जा रही है। शहर में कई चापाकल खराब पड़े हैं तो कई चापाकल से पानी निकालने में लोगों को काफी मशक्कत करना पड़ता है। स्थिति यह है कि लोगों को पानी के जगत में इधर-उधर भटकना पड़ता है वहीं कई लोग आर ओ पानी खरीद कर पीने को मजबूर हैं। लोगों की शिकायत है कि इस गंभीर पेयजल संकट की समस्या से निजात दिलाने के लिए पदाधिकारी व जनप्रतिनिधियों के द्वारा कोई पहल नहीं की जा रही है। लोगों का कहना है कि हर माह पानी का टैक्स जमा करने के बाद भी नियमित रूप से पेयजल की आपूर्ति नहीं की जाती है। विदित हो कि फरवरी माह में ही हेरु डैम का जलस्तर समाप्त हो गया है। शहर में भेड़ी फॉर्म के लक्ष्मणपुर डैम से पेयजल की आपूर्ति की जा रही है। इस संबंध में एचडी के के राकेश पाल ने बताया कि कुछ खराबी आ जाने के कारण इस तरह की समस्या उत्पन्न हो गई है उसे दूर करने का प्रयास किया जा रहा है संभवत गुरुवार तक पेयजल आपूर्ति बहाल कर दी जाएगी।

कार्यालय,जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त,हजारीबाग
(जिला निर्वाचन शाखा)

जाएं, वोट डालने जाएं। अपना वोट काम में लाएं।।

एक वोट से होती जीत-हार। वोट न हो कोई बेकार।।

-: मतदान केन्द्र के नाम परिवर्तन की आम सूचना :-

लोक सभा आम निर्वाचन 2024 के निमित्त मतदान केन्द्रों के भौतिक सत्यापन के पश्चात् निर्वाचक निबंधन पदाधिकारियों से प्राप्त प्रस्ताव के आलोक में निर्वाची पदाधिकारी की हस्तपुस्तिका–2023 के अध्याय–2 की कंडिका 2.11.1 के आलोक में 25–हजारीबाग विधान सभा निर्वाचन क्षेत्र के निम्नलिखित मतदान केन्द्रों के (Nomenclature) नाम में संशोधन की स्वीकृति दी गयी है। मतदान केन्द्रों के नाम में यह परिवर्तन विद्यालय/सरकारी भवनों के विलय/उत्क्रमण के कारण हुआ है, इसमें भवन के स्थान में कोई परिवर्तन नहीं है। नाम परिवर्तन वाले मतदान केन्द्रों की सूची निम्नवत् आम सूचनार्थ प्रकाशित की जा रही है :–

क्र0	विधान सभा निर्वाचन क्षेत्र सं0 एवं नाम	मतदान केन्द्र संख्या	पूर्व में मतदान केन्द्र का नाम	मतदान केन्द्रों का परिवर्तित नाम	अभ्युक्ति
1	2	3	4	5	6
1	25–हजारीबाग	33	मध्य विद्यालय बंझिया	उत्क्रमित मध्य विद्यालय बंझिया	नाम में आंशिक संशोधन के कारण।
2	25–हजारीबाग	87	उत्क्रमित प्राथमिक विद्यालय, मायापुर	प्राथमिक विद्यालय, मायापुर	नाम में आंशिक संशोधन के कारण।
3	25–हजारीबाग	154	पंचायत भवन हॉल कूद, पूर्वी भाग	आयुष्मान आरोग्य मंदिर, कुद (पूर्वी भाग)	भवन के नाम में परिवर्तन के कारण।
4	25–हजारीबाग	155	पंचायत भवन हॉल कूद कमरा, प0 भाग	आयुष्मान आरोग्य मंदिर, कुद (प0 भाग)	भवन के नाम में परिवर्तन के कारण।
5	25–हजारीबाग	236	सामुदायिक भवन कोहिनूर गली	अर्बन हेल्थ एण्ड वेलनेस सेन्टर, कोहिनूर गली	भवन के नाम में परिवर्तन के कारण।
6	25–हजारीबाग	245	प्रा0वि0 बाल मंदिर काली बाड़ी, द0भाग	रा0प्रा0 विद्यालय भारतीय बाल मंदिर, द0भाग	नाम में आंशिक संशोधन के कारण।
7	25–हजारीबाग	246	प्रा0वि0 बाल मंदिर काली बाड़ी, उ0भाग	रा0प्रा0 विद्यालय भारतीय बाल मंदिर, उ0 भाग	नाम में आंशिक संशोधन के कारण।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी
–सह–उपायुक्त, हजारीबाग

PR 323737 Election(24-25).D

यात्रियों को न हो परेशानी

संपादकीय

नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) को आखिरकार विस्तारा मामले में दखल देना ही पड़ा, जोकि सही भी है। एयरलाइन कंपनी को पायलटों की कमी के कारण बड़ी संख्या में उड़ानें रद्द करनी पड़ रही हैं। ऐसे में डीजीसीए ने कहा कि कंपनी फ्लाइट्स के कैंसल होने और देरी की जानकारी यात्रियों को डेली बेसिस पर दे। साथ ही, वह उन्हें रिफंड और हर्जाना भी दे। डीजीसीए की यह पहल अच्छी है, लेकिन ऐसी खबरें हैं कि यात्रियों की जो शिकायत थी, वे सारी दूर नहीं हुई हैं। अहम बात यह भी है कि यह मामला भले ही एक कंपनी में पायलटों की कमी से जुड़ा है, लेकिन इसका असर दूसरी एयरलाइंस की सेवाओं पर भी पड़ रहा है। बड़े पैमाने पर विस्तारा की उड़ानों के रद्द होने से फ्लाइट्स की संख्या कम हो गई है, जिससे हवाई टिकटों के दाम बढ़ गए हैं। विस्तारा और एयर इंडिया, दोनों ही टाटा ग्रुप की कंपनियां हैं, जिनका विलय हो रहा है। इसलिए विस्तारा के पायलट एक जैसे सैलरी स्ट्रक्चर की मांग कर रहे हैं। पायलटों की सैलरी में एक बड़ा हिस्सा उन्हें मिलने वाले भत्तों का होता है। एयर इंडिया के पायलटों का सैलरी स्ट्रक्चर ऐसा है, जिसमें 40 घंटों की उड़ान पर मिनिमम अश्योर्ड पे मिलता है। विस्तारा के पायलटों के लिए यह 70 घंटे है। टाटा ग्रुप ने विलय के लिए एयर इंडिया के सैलरी स्ट्रक्चर को मंजूरी दी है। लेकिन इससे विस्तारा के पायलटों का वेतन घट गया। इसी वजह से विस्तारा के पायलट नाराज हैं। पिछले कुछ दिनों में इनमें से कई मेडिकल लीव पर चले गए हैं, जिससे कंपनी को उड़ानें रद्द करनी पड़ रही हैं। खैर, अब डीजीसीए के इस मामले में दखल देने के बाद यह उम्मीद की जानी चाहिए कि यात्रियों की परेशानी कम होगी और उनकी शिकायतों का निपटारा भी जल्द किया जाएगा। लेकिन दिक्कत यह है कि अभी तक कंपनी की ओर यह आश्वासन नहीं मिला है कि यह मसला कब सुलझेगा। विस्तारा का यह मामला गर्मियों की छुट्टी के पीक ट्रैवेल सीजन से पहले आया है, जब यूं भी फ्लाइट्स कम पड़ने के कारण टिकट महंगे हो जाते हैं। यही नहीं, अभी इंडिगो के 75 विमान उनमें लगे प्रैट एंड व्हिटनी इंजनों में दिक्कत के चलते उड़ान नहीं भर पा रहे हैं। वहीं, गो एयर ने वित्तीय दिक्कतों के चलते पिछले मई से उड़ानें बंद कर रखी हैं, जबकि स्पाइसजेट की फ्लाइट्स की संख्या में भी कमी आई है। इन कंपनियों को बोइंग और एयरबस की ओर से भी वादे के मुताबिक नए विमानों की सप्लाई नहीं हो रही है।

कैसे बने मोटिवेशनल स्पीकर, नौकरी और कैरियर में अवसर

प्रेरक वक्ता साक्षात्कार देने में बहुत अच्छी तरह से शामिल हो सकते हैं, खासकर यदि वे एक अच्छी तरह से प्रचारित विषय पर काम कर रहे हों। वे स्कूलों, चर्चों, सामुदायिक कार्यक्रमों, सरकारी एजेंसियों, विशेष आयोजनों, ट्रेड शो और सम्मेलनों सहित विभिन्न वातावरणों की एक विस्तृत श्रृंखला में अपने भाषण दे सकते हैं। प्रेरक वक्ताओं को विभिन्न स्थानों की यात्रा करने और लोगों के समूहों के सामने अपनी प्रस्तुतियाँ देने के लिए भुगतान किया जाता है।

विजय गर्ग

एक प्रेरक वक्ता वह होता है जो दर्शकों को प्रेरित या प्रेरित करने के लिए बोलता है। प्रेरक वक्ता अपने जीवन के अनुभवों और ज्ञान का उपयोग दूसरों से बात करने और उन्हें कार्रवाई करने या अपना जीवन बदलने के लिए प्रेरित करने के लिए करते हैं। प्रेरक वक्ता को विपणन, प्रबंधन, खेल, या बिक्री जैसे विशिष्ट विषयों या नशीली दवाओं के दुरुपयोग से निपटने, आत्म-सम्मान का निर्माण, संघर्षों को हल करने, या संचार या उत्पादकता में सुधार जैसे विषयों में विशेषज्ञता की आवश्यकता होती है। वे धार्मिक माहौल से आ सकते हैं या ऐसे व्यक्ति हो सकते हैं जिनके पास जनता के सामने बोलने और संदेश देने की शक्ति है। प्रेरक वक्ता साक्षात्कार देने में बहुत अच्छी तरह से शामिल हो सकते हैं, खासकर यदि वे एक अच्छी तरह से प्रचारित विषय पर काम कर रहे हों।.

वे स्कूलों, चर्चों, सामुदायिक कार्यक्रमों, सरकारी एजेंसियों, विशेष आयोजनों, ट्रेड शो और सम्मेलनों सहित विभिन्न वातावरणों की एक विस्तृत श्रृंखला में अपने भाषण दे सकते हैं। प्रेरक वक्ताओं को विभिन्न स्थानों की यात्रा करने और लोगों के समूहों के सामने अपनी प्रस्तुतियाँ देने के लिए भुगतान किया जाता है। प्रेरक वक्ता पात्रता शैक्षणिक योग्यता हालाँकि प्रेरक वक्ता बनने के लिए कोई आधिकारिक शैक्षणिक योग्यता की आवश्यकता नहीं है, आमतौर पर मूल भाषा में हाई स्कूल डिप्लोमा या कॉलेज की डिग्री होना अपेक्षित है। आयु सीमा यदि उम्मीदवार प्रेरक वक्ता बनना चाहता है तो उसकी उम्र के संबंध में कोई प्रतिबंध नहीं है। प्रेरक वक्ता के लिए आवश्यक कौशल एक महत्वाकांक्षी प्रेरक वक्ता को अपने पेशे में काफी प्रभावी होने के लिए निम्नलिखित कौशल की आवश्यकता होती है।

आवश्यक कौशल हैं – उम्मीदवारों के पास उत्कृष्ट संचार कौशल होना चाहिए ताकि दर्शकों की जरूरतों के अनुसार उचित रूप से संवाद किया जा सके। प्रेरक वक्ता को पता होना चाहिए कि जानकारी को प्रभावी ढंग से व्यक्त करने के लिए दूसरों से कैसे बात करनी है। उसे इस बात पर पूरा ध्यान देने की ज़रूरत है कि दूसरे लोग क्या कह रहे हैं, कही जा रही बातों को समझने के लिए समय लें, उचित प्रश्न पूछें और अनुचित समय पर बीच में न आएं। प्रेरक वक्ता को दूसरों की प्रतिक्रियाओं के बारे में पता होना चाहिए और समझना चाहिए कि वे ऐसी प्रतिक्रिया क्यों देते हैं। उसे समय का प्रबंधन करना आना चाहिए। प्रेरक वक्ता को पता होना चाहिए कि वैकल्पिक समाधानों, निष्कर्षों या समस्याओं के दृष्टिकोण की ताकत और कमजोरियों की पहचान करने के लिए तर्क और तर्क का उपयोग कैसे किया जाए। उसे पता होना चाहिए कि नई चीजें सीखते या सिखाते समय स्थिति के लिए उपयुक्त प्रशिक्षण/निर्देशात्मक तरीकों और प्रक्रियाओं का चयन और उपयोग कैसे किया जाए।

मोटिवेशनल स्पीकर कैसे बनें –

मोटिवेशनल स्पीकर बनने के लिए इच्छुक उम्मीदवार को दिए गए चरणों का पालन करना होगा-स्टेप 1 सबसे पहले, उम्मीदवार को अपना स्कूल उत्तीर्ण करना होगा और किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/संस्थान से किसी भी स्ट्रीम में स्नातक की डिग्री प्राप्त करनी होगी। हालाँकि, कुछ मूल भाषाओं या जनसंचार में स्नातक की डिग्री निश्चित रूप से एक सफल प्रेरक वक्ता के लिए आवश्यक संचार कौशल को बेहतर बनाने में मदद करेगी। चरण दो प्रेरक वक्ता बनने के लिए प्रमाणित होने के लिए उम्मीदवार को किसी मान्यता प्राप्त संस्थान से पोस्ट-सेकेंडरी प्रशिक्षण संचार डिग्री की आवश्यकता होती है।

चरण 3 अपेक्षित प्रशिक्षण प्रक्रिया के बाद, कोई व्यक्ति कॉर्पोरेट सेक्टर, रक्षा संगठन, शैक्षिक संस्थानों आदि जैसे विभिन्न संगठनों में एक मोटिवेशनल स्पीकर के रूप में नौकरी की तलाश कर सकता है या एक फ्रीलांस मोटिवेशनल स्पीकर के रूप में अपना करियर बना सकता है। कुछ प्रतिष्ठित प्रेरक वक्ता प्रशिक्षण संस्थानभारत अनुराग अग्रवाल इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक स्पीकिंग, नोएडा, उत्तर प्रदेश पेप टॉक इंडिया - अंग्रेजी, पब्लिक स्पीकिंग इंस्टीट्यूट, नई दिल्ली भारत में प्रेरणा वक्ता आनंद मुंशी, मुंबई मोटिवेशनल स्पीकर नौकरी का विवरण प्रेरक वक्ता लगभग हमेशा अनियमित घंटों तक काम करते हैं और वे आमतौर पर बड़े पैमाने पर यात्रा करते हैं। वेतन आम तौर पर प्रति अनुबंध होता है और जैसे-जैसे आपकी लोकप्रियता बढ़ती है, यह बढ़ सकता है। एक सफल, महत्वाकांक्षी प्रेरक वक्ता दर्शकों के सामने बोलने के किसी भी अवसर का तुरंत लाभ उठाएगा। सफल प्रेरक वक्ताओं को बड़ी बहुराष्ट्रीय कंपनियों, सम्मेलनों, स्कूलों, कॉलेजों आदि में बोलने का अवसर मिलता है। उन्हें दो अलग-अलग स्थानों की यात्रा करने के लिए भुगतान मिलता है जहां वे बोलते हैं। प्रेरक वक्ता को जिस विषय पर बड़ी भीड़ के सामने बोलना है, उस पर एक लंबी प्रस्तुति तैयार करनी होती है।

लोकसभा चुनाव में एक नये अध्याय की शुरुआत हो

लोकसभा चुनाव नेतृत्व चयन का ऐतिहासिक एवं महत्वपूर्ण अवसर है, इस अवसर पर लाओत्जु ताओ ते चिंग की पुस्तक ''द ताओ ऑफ लीडरशिप'' राजनीति एवं राजनेताओं के लिये एक रोशनी है। यह एक अद्भुत, अद्वितीय एवं अप्रतिम कृति हैं जो नये युग के लिए नेतृत्व की रचनात्मक व्यूह रचना प्रस्तुत करती है। आज जबकि देश और दुनिया में सर्वत्र नेतृत्व के प्रश्न पर एक घना अंधेरा छाया हुआ है, निराशा और दायित्वहीनता की चरम पराकाष्ठा ने राजनीति एवं नेतृत्व को जटिल दौर में लाकर खड़ा कर दिया है। समाज और राष्ट्र के समुचे परिदृश्य पर जब हम दृष्टि डालते हैं तो हमें जिन विषम और जटिल परिस्थितियों से रू-ब-रू होना पड़ता है, उन विषम हालातों के बीच ठीक से राह दिखाने वाला कोई नेतृत्व नजर नहीं आता।

ललित गर्ग

लोकसभा चुनाव में चुनावी मैदान सज गया है, सभी राजनीतिक दलों में एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोपों का सिलसिला हमेशा की तरह परवान चढ़ने लगा है। राजनीति में स्वच्छता, नैतिकता एवं मूल्यों की स्थापना के तमाम दावों के अनैतिकता, दल-बदल, आरोप-प्रत्यारोप की हिंसक मानसिकता पसरी है। राजनेता दलबदल की ताल ठोक रहे हैं। दलबदलुओं को टिकट देने में कोई दल पीछे नहीं रहा, क्योंकि सवाल, येन-केन-प्रकारेण चुनाव जीतने तक जो सीमित रह गया है। सिद्धांतों और राजनीतिक मूल्यों की परवाह कम ही लोगों को रह गई है। चुनावी राजनीति देश के माहौल में कड़वाहट घोलने का काम भी कर रही है। स्वस्थ एवं मूल्यपरक राजनीति को किनारे किया जा रहा है। राजनीति पूरी तरह से जातिवाद, बाहुबल और धनबल तक सिमट गई है। हालत यह है कि अब तक राजनीति दलों ने जिन प्रत्याशियों को उतारा है, उनमें आधे से अधिक दलबदलू, अपराधी अथवा दागी हैं। ऐसे में राजनीति के स्तर में सुधार की उम्मीद आखिर कौन, किससे करे? इस मुद्दे पर राजनीतिक दलों की चुप्पी तो समझ में आती है, लेकिन चुनाव आयोग की खामोशी समझ से परे है।

लोकसभा चुनाव नेतृत्व चयन का ऐतिहासिक एवं महत्वपूर्ण अवसर है, इस अवसर पर लाओत्जु ताओ ते चिंग की पुस्तक''द ताओ ऑफ लीडरशिप'' राजनीति एवं राजनेताओं के लिये एक रोशनी है। यह एक अद्भुत, अद्वितीय एवं अप्रतिम कृति हैं जो नये युग के लिए नेतृत्व की रचनात्मक व्यूह रचना प्रस्तुत करती है। आज जबकि देश और दुनिया में सर्वत्र नेतृत्व के प्रश्न पर एक घना अंधेरा छाया हुआ है, निराशा और दायित्वहीनता की चरम पराकाष्ठा ने राजनीति एवं नेतृत्व को जटिल दौर में लाकर खड़ा कर दिया है। समाज और राष्ट्र के समुचे परिदृश्य पर जब हम दृष्टि डालते हैं तो हमें जिन विषम और जटिल परिस्थितियों से रू-ब-रू होना पड़ता है, उन विषम हालातों के बीच ठीक से राह दिखाने वाला कोई नेतृत्व नजर नहीं आता।

यह मान लेने में कोई हर्ज नहीं होना चाहिए कि लोकतंत्र धुंधलका सब देख रहे हैं, लेकिन खामोशी के साथ। शायद सबकी अपनी-अपनी मजबूरियां हैं। मतदाता की मजबूरी यह है कि आखिर उसे मैदान में डटे उम्मीदवारों में से ही एक को चुनना है। इस देश ने महंगाई, बेरोजगारी, महिला अपराध, गरीबी, साम्प्रदायिकता के खिलाफ भी जनता को सड़कों पर उतरते देखा है लेकिन राजनीति में टकराव, अपराध, देश-विरोध और हिंसा की राजनीति के खिलाफ कभी कोई आंदोलन नहीं हुआ। चुनाव आयोग की अपनी सीमाएं हो सकती हैं, लेकिन जेल में बैठे-बैठे लोग चुनाव लड़ भी लेते हैं और जीत भी जाते हैं। खलनायक नायक बनने लगे हैं। चुनाव लड़ने के लिए अधिकतम खर्च की सीमा सरेआम ध्वस्त होती है, लेकिन आयोग कुछ कर नहीं पाता। चुनाव प्रचार के दौरान अपशब्दों का उच्चारण-गालीगलोच खुल्लम-खुल्ला होता

है, लेकिन आयोग नोटिस देकर ही अपने दायित्व से मुक्त हो जाता है। मतदाताओं के वोट खरीदने के लिए उन्हें सरेआम पैसे ही नहीं शराब तक बांटी जाती है, लेकिन किसी उम्मीदवार के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं होती। जनता राजनीति के गिरते स्तर से त्रस्त तो है, लेकिन उसके खिलाफ आवाज नहीं उठाती। इन लोकसभा चुनाव में यह चुप्पी टूटनी चाहिए और आजादी के अमृतकाल को अमृममय बनाने वाला नेतृत्व सामने आना चाहिए। ऐसा नेतृत्व जो देश को अग्रणी आर्थिक महाशक्ति के रूप में ले जाये एवं विकास की स्वर्णिम गाथा को गढ़े।

एक सफल, सार्थक, समर्थ एवं चरित्रसम्पन्न विपक्षी नेतृत्व की आवश्यकता हर दौर में रही है, लेकिन आज यह ज्यादा तीव्रता से महसूस की जा रही है। विपक्षी नेतृत्व कैसा हो, उसका अपना साथियों के साथ-साथ सत्तापक्ष के साथ कैसा सलूक हो? उसमें क्या हो, क्या न हो? वह क्या करे, क्यों करे, कब करे, कैसे करे? इत्यादि कुछ जटिल एवं गंभीर प्रश्न हैं जिनके जवाब ढूंढ़े बिना हम एक सक्षम विपक्षी नेतृत्व को उजागर नहीं कर सकते। इन प्रश्नों के उत्तरों की कसौटी पर ही हमें आने वाले सत्ता पक्ष एवं विपक्ष के नेतृत्व को कसना होगा। जिस नेतृत्व के पास इन प्रश्नों के उत्तर होंगे, जो समयज्ञ होगा, सहिष्णु होगा, तटस्थ होगा, दूरदर्शी होगा, निःस्वार्थी होगा, वैसा ही नेतृत्व जिस राष्ट्र को प्राप्त होगा, उसकी प्रगति को संसार की कोई शक्ति बाधित नहीं कर सकेगी। ऐसा ही नेतृत्व नया इतिहास बना सकेगा और भावी पीढ़ी को उन्नत दिशाओं की ओर अग्रसर कर सकेगा। आज चुनाव प्रचार में जिस तरह की आरोप-प्रत्यारोप की हिंसक संस्कृति पनपी है, एक दूसरे पर जूते-चप्पल फेंके जाते है, पत्थर से हमला किया जाता है, छोटी-छोटी बातों पर अभद्र शब्दों का व्यवहार, हो-हल्ला, छींटाकशी और हंगामा आदि घटनाएं ऐसी है जो नेतृत्व को धुंधलाती है।

नेतृत्व को लेकर लोगों की मानसिकता में बहुत बदलाव आया है, आज योग्य नेतृत्व की प्यासी परिस्थितियां तो हैं, लेकिन बदकिस्मती से अपेक्षित नेतृत्व नहीं हैं। जलाशय है, जल नहीं है। नगर है, नागरिक नहीं है। भूख है, रोटी नहीं है-ऐसे में हमें सोचना होगा कि क्या नेतृत्व की इस अप्रत्याशित रिक्तता को भरा जा सकता है? क्या राष्ट्र के सामने आज जो भयावह एवं विकट संकट और दुविधा है उससे छुटकारा मिल सकता है? हालही में नेतृत्व के प्रश्न पर एक करारा व्यंग्य पढ़ा था-'देश और ट्रेन में यही अंतर है कि ट्रेन को लापरवाही से नहीं चलाया जा सकता।' यानी देश के संचालन में की गई लापरवाही तो क्षम्य हैं पर ट्रेन के पटरी से उतरने में की गई लापरवाही क्षम्य नहीं, क्योंकि इसके साथ आदमी की जिंदगी का सवाल जुड़ा है। मगर हम यह न भूलें कि देश का नेतृत्व अपने सिद्धांतों और आदर्शों की पटरी से जिस दिन उतर गया तो पूरी इन्सानियत एवं राष्ट्रीयता की बरबादी का सवाल उठ खड़ा होगा।

आज देश में लोकतांत्रिक, सांस्कृतिक, नैतिक जीवन-मूल्यों के मानक बदल गये हैं न्याय, कानून और व्यवस्था के उद्देश्य अब नई व्याख्या देने लगे हैं। चरित्र हासिए पर आ गया, सत्ता केन्द्र में आ खड़ी हुई। ऐसे समय में कुर्सी पाने की दौड़ में लोग जिम्मेदारियां नहीं बांटते, चरित्र बांटने लगते हैं और जिस देश का चरित्र बिकाऊ हो जाता है उसकी आत्मा को फिर कैसे जिन्दा रखा जाए, चिन्तनीय प्रश्न उठा खड़ा हुआ है। आज कौन अपने दायित्व के प्रति जिम्मेदार है? कौन नीतियों के प्रति ईमानदार है? इस संदर्भ में आचार्य तुलसी का कथन यथार्थ का उद्घाटन करता है कि ''ऐसा लगता है कि राजनीतिज्ञ का अर्थ देश में सुव्यवस्था बनाए रखना नहीं, अपनी सत्ता और कुर्सी बनाए रखना है। राजनीतिज्ञ का अर्थ उस नीतिनिपुण व्यक्तित्व से नहीं, जो हर कीमत पर राष्ट्र की प्रगति, विकास-विस्तार और समृद्धि को सर्वोपरि महत्व दें, किन्तु उस विदूषक-विशारद व्यक्तित्व से है, जो राष्ट्र के विकास और समृद्धि को अवनति के गर्त में फेंककर भी अपनी कुर्सी को सर्वोपरि महत्व देता है।'' राजनैतिक लोगों से महात्मा बनने की उम्मीद तो नहीं की जा सकती, पर वे पशुता पर उतर आएं, यह ठीक नहीं है।

वर्तमान विपक्षी नेतृत्व की सबसे बड़ी विसंगति और विषमता यह है कि वह परदोषदर्शी है, जो सत्तापक्ष की अच्छाई में भी बुराई देखने वाले हैं। यह नेतृत्व कुटिल है, मायाबी है, नेता नहीं, अभिनेता है, असली पात्र नहीं, विदूषक की भूमिका निभाने वाला है। यह नेतृत्व सत्ता- प्राप्ति के लिये कुछ भी करने से बाज नहीं आता, यहां तक जिस जनता के कंधों पर बैठकर सत्ता तक पहुंचने के लिये जैसी राजनीति यह कर रहा है, घोषणा-पत्रों में जनता को ठगने एवं लुभाने के जो प्रयास हो रहे हैं, वे एक तरह से जनता की पीठ में भी सबसे पहले छुरा भोंकते हुए प्रतीत होते हैं।

भाजपा से ज्यादा तो प्रशांत किशोर कर रहे ममता पर हमले !

अशोक भाटिया

लोकसभा चुनाव जैसे-जैसे नजदीक आ रहा है, आरोप-प्रत्यारोप का दौर भी तेज हो चुका है। एक तरफ अगर प्रधानमंत्री मोदी तीसरी बार सत्ता में लौटने की बात कर रहे हैं तो दूसरी तरफ विपक्ष भी कड़ी टक्कर देने की कोशिश में है। इस बार बंगाल में भाजपा का विजय रथ रोकने के लिए ममता ने पूरी तरह से घेराबंदी कर रखी है । इस बीच रणनीतिकार प्रशांत किशोर का एक बयान चर्चा का विषय बन गया है। कहने को समय-समय पर उनकी तरफ से विपक्ष को सुझाव दिए जाते हैं, लेकिन इस बार जिस अंदाज में उन्होंने बंगाल में ममता को घेरा है, उसके अलग ही मायने निकाले जा रहे हैं कि क्या वे ममता से अपना बदल निकाल रहे है या भाजपा का प्रचार ।

गौरतलब है कि कुछ दिन पहले ही प्रशांत किशोर ने बयान दिया था कि पश्चिम बंगाल में भाजपा राज्य की सत्ता में बैठी टीएमसी से बेहतर परफॉर्म करेगी। भाजपा पश्चिम बंगाल में सबसे बड़े दल के तौर पर उभरेगी, चौंकाने वाले रिजल्ट के लिए तैयार रहिए। ज्ञात हो कि प्रशांत किशोर विधानसभा चुनाव के दौरान टीएमसी के रणनीतिकार रहे। तब उन्होंने ऐलान किया था कि भाजपा बंगाल में 100 विधानसभा सीट नहीं जीत पाएगी और उनकी भविष्यवाणी सही निकली। दावों के बावजूद भाजपा 77 सीट ही जीत सकी और टीएमसी ने 212 सीटों जीतकर पश्चिम बंगाल की सत्ता पर दोबारा कब्जा कर लिया। लोकसभा चुनाव से पहले प्रशांत किशोर की भविष्यवाणी चुनावी पंडितों को भी चकरा रही है। गरीबों को मुफ्त राशन, चुनाव से पहले सीएए लागू होना और बंगाल में इंडिया गठबंधन में दरार के कारण बंगाल में चुनावी उलट-पुलट भी संभव है। हालांकि टीएमसी का दावा है कि इस बार भाजपा 2019 से कम सीटें जीतेंगी।

सवाल यह उठता है कि आखिर प्रशांत किशोर ये बातें किस आधार पर कह रहे हैं। क्योंकि 2019 के लोकसभा चुनावों के बाद बंगाल में भाजपा के लिए परिस्थितियां ठीक नहीं रही हैं। चाहे विधानसभा चुनाव हों या स्थानीय निकाय चुनाव सभी में भाजपा की दुर्गति हुई है। उपचुनावों में भी भाजपा को टीएमसी ने पस्त कर दिया। भाजपा के तमाम कद्दावर नेता- मंत्री तक पार्टी छोड़कर टीएमसी शामिल हो चुके हैं। तो आखिर किशोर को उम्मीद की किरण कहां से दिख रही है? आइए जानते हैं कि क्यों प्रशांत किशोर की बातें सच हो सकती हैं ?

कहा जाता है कि पिछले विधानसभा चुनावों में भाजपा इतिहास रचने को तैयार थी पर पीएम नरेंद्र मोदी का ममता बनर्जी पर व्यक्तिगत आक्षेप भारी पड़ गया था और अंतिम समय में बाजी पलट गई थी। ममता के लिए पीएम मोदी का कहा गया संबोधन दीदी ओ दीदी को टीएमसी ने मां -माटी और मानुष के अपमान का मामला बना दिया और देखते ही देखते भाजपा पर भारी पड़ गई टीएमसी। इस बार भाजपा ने रणनीति बदल दी है। ममता बनर्जी पर व्यक्तिगत आक्षेप नहीं किया जा रहा है। हर बात के लिए टीएमसी को जिम्मेदार माना जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपनी रैलियों में ममता बनर्जी को लेकर अतिरिक्त सावधानी बरतते दिख रहे हैं। भाजपा के अन्य नेता भी ममता के खिलाफ अपमानजनक चुटकुले और संवेदनशील आरोप लगाने से बच रहे हैं ।

अनंत राय राजबंशी समुदाय से आते हैं। मतुआ के बाद ये पश्चिम बंगाल का दूसरा सबसे बड़ा अनुसूचित जाति (एससी) समुदाय है। अनंत राय को उम्मीदवार बनाने से भाजपा की उत्तरी बंगाल में अच्छी-खासी पकड़ बन गई है। क्योंकि वहां राजबंशी समुदाय का

अच्छा-खासा दबदबा है। उत्तरी बंगाल की आठ में से चार लोकसभा सीटों पर राजबंशी ही जीतते रहे हैं। 2019 में भाजपा ने इनमें से सात सीटें जीती थीं। पार्टी को उम्मीद है कि इस बार आठों सीट भाजपा जीत सकेगी।

राज्य में इंडिया गठबंधन से अलग होकर चुनाव लड़ रही टीएमसी अपने प्रतिद्वंद्वी भाजपा को मजबूत होने का एक और अवसर दे दिया है। ऐसा माना जा रहा है कि पश्चिम बंगाल में इंडिया गठबंधन से अलग होकर अकेले चुनाव लड़ने के टीएमसी के फैसले के चलते टीएमसी विरोधी वोट भाजपा को मिलेंगे। इसके अलावा वोट बंटने का भी फायदा भाजपा को मिल सकता है। कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी के खिलाफ टीएमसी के युसूफ पठान ताल ठोंक रहे हैं। पठान सेलेब्रेटी क्रिकेटर भी हैं और मुसलमान भी हैं। ऐसे में अगर वोट बंटता है तो किसका फायदा होगा। जाहिर है दोनों की लड़ाई में भाजपा अगर मजबूत कैंडिडेट उतारती है तो यहां से जीत भी सकती है।

सीएए बंगाल में भाजपा का चुनावी वादा रहा है। अमित शाह से लेकर पीएम मोदी तक ने बंगाल में सीएए लागू करने की बात करते रहे हैं । शायद यही कारण है कि भाजपा ने कानून को लागू करने के लिए अधिसूचना जारी कर दी है। सीएए लागू होने का सबसे बड़ा फायदा बंगाल में मतुआ समुदाय को मिलेगा। मतुआ समुदाय के बारे में कहा जाता है कि मतुआ वोट जहां भी जाता है उसका पलड़ा भारी पड़ जाता है। बंगाल में लगभग एक करोड़ अस्सी लाख मतुआ समुदाय के मतदाता हैं, जो किसी भी दल का खेल बनाने और बिगाड़ने की ताकत रखते हैं। पश्चिम बंगाल के नादिया, उत्तर और दक्षिण 24 परगना जिलों की कम से कम चार लोकसभा सीट में यह समुदाय निर्णायक है। मतुआ समुदाय की तरह राजवंशी समुदाय को भी सीएए का लाभ मिलने वाला है। राजवंशी भी हिंदू हैं। 1971 के बाद से इन लोगों को अब तक नागरिकता नहीं मिली है। इस तरह करीब 10 से 12 सीटों पर सीधे भाजपा बढ़त बनाती दिख रही है।

हिंदुओं में अनुसूचित जाति के राजबंशी, मतुआ और बाउड़ी, जो राज्य की जनसंख्या के करीब 23 फीसदी हैं इस बार और बड़े पैमाने पर भाजपा के पक्ष में वोट कर सकते हैं। 2019 में चाय श्रमिक और जंगलमहल के आदिवासी ने भी भाजपा को वोट दिए। उम्मीद की जा रही है कि सीएए के तहत मतुआ और राजवंशियों को होने वाले फायदे का भावनात्मक असर दूसरी अनुसूचित जातियों पर भी पड़ेगा । भाजपा के पक्ष में थोक के भाव में एससी वोट पड़ने की उम्मीद की जा रही है। अनंत महाराज को राज्यसभा भेजना,राजबंशी समुदाय के नेता और भाजपा के वर्तमान लोकसभा एमपी निशिथ प्रमाणिक को मंत्री बनाने आदि से इस वर्ग में भाजपा को लेकर अपनापन बढ़ा है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पश्चिम बंगाल में लगातार यात्राएं कर रहे हैं और संदेशखाली को लेकर जिस तरह हमलावर हैं उससे यही लगता है कि बंगाल में इस बार यह मुद्दा बड़ा बनने वाला है। स्थानीय भाजपा नेता संदेशखाली को उसी तरह ले रहे हैं जिस तरह कभी टीएमसी ने सिंगूर और नंदीग्राम को आंदोलन बना दिया था। संदेशखाली पर आंदोलन तेज़ करने की अपनी रणनीति के तहत ही पार्टी ने द बिग रिवील-द संदेशखाली शॉकर शीर्षक से एक डॉक्यूमेंट्री भी जारी की थी। यह सभी जानते हैं कि नंदीग्राम में जबरन जमीन अधिग्रहण विरोधी आंदोलन के सहारे ही ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस के लिए सत्ता में पहुंचने का रास्ता साफ हुआ था। नंदीग्राम से भाजपा विधायक शुभेंदु अधिकारी कहते हैं कि संदेशखाली की परिस्थिति नंदीग्राम जैसी है। नंदीग्राम में लोगों ने ज़मीन के अधिग्रहण खिलाफ लड़ाई की थी और यहां जमीन पर जबरन कब्जे के खिलाफ लड़ रहे हैं। संदेशखाली में खेती की जमीन पर जबरन कब्जा यौन उत्पीड़न के बाद दूसरा सबसे बड़ा मुद्दा है।

अभी-अभी कमाना किया है शुरू, तो भूल से भी ना करें ये फाइनेंशियल मिसटेक्स

आज की यंग जनरेशन कम उम्र में ही अपने पैरों पर खड़ा होने की चाहत रखती है। शायद यही कारण है कि यंगस्टर्स पढ़ाई के साथ-साथ पार्ट टाइम जॉब या फिर फ्रीलांस वर्क करना पसंद करते हैं। यकीनन यह एक अच्छा ऑप्शन है। जब आप कमाना शुरू करते हैं तो आप आत्मनिर्भर बनते हैं। हालांकि आपके लिए सिर्फ पैसा कमाना ही काफी नहीं है, बल्कि आप उन पैसों को किस तरह हैंडल करते हैं, इस पर भी ध्यान दिया जाना उतना ही जरूरी है। अक्सर यह देखने में आता है कि जब यंगस्टर्स पैसा कमाना शुरू करते हैं तो उन्हें पैसा हैंडल करना नहीं आता है। जिसके कारण वे अपनी मेहनत की कमाई को यूं ही खर्च कर देते हैं या फिर कुछ मिसटेक्स के कारण उन्हें फाइनेंशियल लॉस हो जाता है। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको कुछ ऐसी ही फाइनेंशियल मिसटेक्स के बारे में बता रहे हैं, जिनसे आपको बचने की कोशिश करनी चाहिए-

बजट तय ना करना

यह एक कॉमन गलती है, जो अक्सर यंगस्टर्स कर बैठते हैं। दरअसल, जब यंगस्टर्स कमाना शुरू करते हैं तो उन पर अमूमन पारिवारिक जिम्मेदारियां नहीं होती हैं। ऐसे में उनके द्वारा कमाए गए पैसे सिर्फ उनके ही होते हैं। कई बार वे पूरे सप्ताह काम करके पैसे कमाते हैं और वीकेंड में उसे खर्च कर देते हैं। आपको ऐसा करने से बचना चाहिए। हमेशा एक बजट बनाएं, जिससे आप जरूरत के अनुसार खर्च कर पाएं। साथ ही साथ, इमरजेंसी के लिए कुछ पैसे अवश्य अलग से रखें।

इनवेस्टमेंट स्कीम को इग्नोर करना

अपनी कमाई के शुरुआती दिनों में लोग इनवेस्टमेंट की ओर बिल्कुल भी ध्यान नहीं देते हैं। जबकि इस समय इनवेस्ट करना काफी अच्छा माना जाता है। चूंकि इस समय आप रिस्क ले सकते हैं और पारिवारिक जिम्मेदारियां ना होने के कारण आमदनी के एक बड़े हिस्से को निवेश कर सकते हैं। जिससे आपको अच्छे रिटर्न मिल सकते हैं।

क्रेडिट कार्ड इस्तेमाल करना

अगर आपने अभी-अभी पैसे कमाना शुरू किया है तो तुरंत क्रेडिट कार्ड खरीदकर उसे इस्तेमाल करना शुरू ना करें। दरअसल, अभी आपने पैसों को सही ढंग से संभालना नहीं सीखा है। ऐसे में अगर आपकी जेब में क्रेडिट कार्ड होगा तो आपके बेवजह पैसे खर्च करने की संभावना काफी बढ़ जाती है। इसलिए, शुरुआत में कुछ वक्त डेबिट कार्ड ही इस्तेमाल करें। जब आप पैसों को सही ढंग से मैनेज करना सीख जाएं, जब क्रेडिट कार्ड लेने पर विचार करें।

अपनी कमाई से ज्यादा खर्च करना

आपके लिए कपड़े, हॉलिडे और इलेक्ट्रॉनिक्स आइटम्स आदि पर अत्यधिक खर्च करना आकर्षक हो सकता है। जब आपकी आमदनी उन गैर-जरूरी चीज़ों को कवर नहीं करती है। कुछ लोग लोन लेकर भी अपनी इन इच्छाओं को पूरा करने की कोशिश करते हैं। हालांकि, आपको ऐसा बिल्कुल भी नहीं करना चाहिए। आपको यह सीखना है कि अपनी क्षमता के भीतर कैसे रहना है, अपनी कमाई से अधिक खर्च नहीं करना है।

भारत में पार्ट टाइम एजुकेशन

अपनी वर्तमान नौकरी छोड़ने के बिना अध्ययन और पेशेवर विकास के लचीले घंटे अंशकालिक अध्ययन कार्यक्रमों को चुनने के लिए अतिरिक्त लाभ में ला सकते हैं। शिक्षा हर स्तर पर उपलब्ध है; आप एक सर्टिफिकेट प्रोग्राम, डिप्लोमा, बैचलर और मास्टर, डॉक्टरेट या पोस्ट डॉक्टरेट जैसे डिग्री के लिए जाना चुन सकते हैं। अंशकालिक कार्यक्रमों को पूर्णकालिक कार्यक्रम के रूप में ही माना जाता है, हालांकि प्रवेश की आवश्यकताएं अलग हैं। उदाहरण के लिए एक अंशकालिक कार्यक्रम के लिए नामांकन करने के लिए आपको अपने वर्तमान नियोक्ता से अनुभव के प्रमाण पत्र का उत्पादन करने की आवश्यकता हो सकती है। इन कार्यक्रमों को मुख्य रूप से श्रमिक वर्ग के लोगों की शिक्षा में तेजी लाने और एक पूर्णकालिक कार्यक्रम में नामांकित छात्रों को पेशेवर प्रशिक्षण देने के लिए डिज़ाइन किया गया है। हालाँकि, आपको नामांकन के लिए अनुभव प्रमाण पत्र की आवश्यकता नहीं होने वाले उदाहरण के लिए कई पाठ्यक्रम मिल सकते हैं।

कई छात्र विभिन्न कारणों से प्रारंभिक कार्य जीवन की शुरुआत करते हैं। यह एक ही समय में काम और पूर्णकालिक स्कूल को संतुलित करने के लिए चुनौतीपूर्ण है और इसकी एक परेशानी अगर काम का समय स्कूल के समय के साथ मेल खाता है। पूरी रात की कक्षाओं की उपलब्धता अभी भी केवल एक सपना है। पार्ट टाइम कार्यक्रम अक्सर देर शाम या सुबह जल्दी और सप्ताहांत में दिए जाते हैं ताकि कामकाजी वर्ग के लोगों की आवश्यकताओं के अनुरूप हो सके। काम करते हुए और एक साथ अध्ययन करते हुए आप अपने समय को अच्छी तरह से सीखते हैं; अंततः आप अंशकालिक पाठ्यक्रम और कार्य की आवश्यकता को पूरा करने के लिए उपलब्ध हर दूसरे का उपयोग करते हैं। शुरुआती कुछ दिनों के लिए आप व्यस्त कार्यक्रम के कारण थकावट महसूस कर सकते हैं लेकिन आश्चर्यजनक रूप से बहुत जल्द ही आपको एहसास होगा कि आप कितना समय बर्बाद कर रहे हैं। यहां तक कि आपको सप्ताहांत में भी कक्षाओं के बावजूद खेलने और मौज-मस्ती के लिए आसानी से समय मिल जाएगा। वास्तव में, अंशकालिक पाठ्यक्रम उन लोगों के लिए आशीर्वाद हैं जो एक पूर्णकालिक पाठ्यक्रम या पूर्णकालिक नौकरी का पीछा करते हैं। एक अतिरिक्त प्रमाण पत्र का मतलब है कि आपके पाठ्यक्रम, पंक्ति और अगले साक्षात्कारकर्ता को आपसे मिलकर खुशी होगी। हमेशा पार्ट टाइम कोर्स के लिए जाएं जो भविष्य में रोजगारपरक हो, आपके कौशल को बढ़ाए और उद्योग तक आपकी पहुंच को बढ़ाए।

अंशकालिक शिक्षा का अर्थ?

अंशकालिक शिक्षा / अंशकालिक अध्ययन कार्यक्रम या अंशकालिक पाठ्यक्रम का अर्थ है प्रति सप्ताह अपने अध्ययन के पाठ्यक्रम पर कुछ घंटे खर्च करना, यानि लगभग 20 से 30 घंटे में शिक्षा प्राप्त करना है। कभी-कभी अंशकालिक कक्षाएं रात या सप्ताहांत पर आयोजित की जाती हैं जो पूर्णकालिक काम करने वालों के लिए बनती हैं। पाठ्यक्रमों में कोई कमी नहीं है; तकनीकी और गैर-तकनीकी योग्यता दोनों विभिन्न संस्थानों, कॉलेजों विश्वविद्यालय विभागों द्वारा प्रदान की जाती हैं।

अंशकालिक अध्ययन क्यों?

अंशकालिक अध्ययन लेने का सबसे बड़ा लाभ आपके काम या परिवार की प्रतिबद्धताओं के साथ आपकी पढ़ाई का प्रबंधन करने में सक्षम है। अंशकालिक अध्ययन जीवन के दो पक्षों को संतुलित करने के लिए लचीलापन प्रदान करता है, और काम जारी रखने में सक्षम होने के अलावा और अपनी पढ़ाई के लिए धन अर्जित करने के वित्तीय लाभ देता है। कुछ प्रमुख लाभ हैं -

- अगर आप अपना करियर बदलना चाहते हैं या अपनी नौकरी की संभावनाओं को बढ़ाना चाहते हैं।
- आप अपने कैरियर की आकांक्षाओं से मेल खाने के लिए अपनी डिग्री को कस्टमाइज़ कर सकते हैं, जिसमें विभिन्न प्रकार के कोर्स मॉड्यूल शामिल हों।
- आप अपनी डिग्री को वित्त देने में मदद करने के लिए काम करना जारी रख सकते हैं।
- आपके मौजूदा करियर को आपकी पढ़ाई के जरिए बढ़ाया जा सकता है।
- यदि किसी कारण से पूर्णकालिक अध्ययन आपके लिए अनुपलब्ध है।
- जब आप डिग्री के कुछ रास्तों पर काम कर रहे हों तो आप पेशेवर योग्यता अर्जित कर सकते हैं।
- आपके पास बेहतर नौकरी की संभावनाओं के लिए कौशल बनाने के लिए बहुत सारे अवसर होंगे।

एक ऐसा मोड चुनना जो आपको सूट करे

अधिक से अधिक विश्वविद्यालय अब परिसर में पूर्णकालिक के अलावा अन्य पाठ्यक्रमों की पेशकश कर रहे हैं। यह महत्वपूर्ण है कि इससे पहले कि आप एक कोर्स पर फैसला करें कि क्या एक वैकल्पिक अध्ययन मोड आपको बेहतर सूट कर सकता है। एक अध्ययन मोड का चयन करने का मतलब है कि आप परिसर में या बंद पूर्णकालिक या आंशिक समय का चयन करेंगे या नहीं। अन्य अध्ययन मोड विभिन्न कारणों से अधिक आकर्षक हो सकते हैं, जिनमें शामिल हैं -

- एक आय / या कमाने के लिए काम करने की आवश्यकता है।
- अन्य कैरियर या पारिवारिक जिम्मेदारियां।
- विकलांगता।
- पार्ट टाइम बनाम फुल टाइम मोड।

अंशकालिक अध्ययन का मतलब है कि हर सेमेस्टर आप पूर्णकालिक पाठ्यक्रम की तुलना में कम इकाइयों का अध्ययन करते हैं। आप उन इकाइयों की संख्या में जोड़ सकते हैं, जिनका आप अध्ययन करते हैं और विश्वविद्यालय के जीवन में अधिक व्यवस्थित होने के लिए पूरा समय देते हैं। यदि आवश्यक हो तो आप एक सेमेस्टर या उससे अधिक समय तक अध्ययन करने वाली इकाइयों की संख्या में भी कटौती कर सकते हैं।

कुछ छात्रों को पूर्णकालिक पाठ्यक्रमों का प्रबंधन करना मुश्किल लगता है और शैक्षणिक वर्ष के दौरान उनके विषयों की संख्या में कटौती करनी पड़ती है। शुरू करने के बाद इस तरह के बदलाव करना निराशाजनक, महंगा और हतोत्साहित करने वाला हो सकता है। जहां एक मौका हो सकता है कि पूर्णकालिक अध्ययन आपके लिए संभव नहीं होगा, हम दृढ़ता से सुझाव देते हैं कि आप अंशकालिक अध्ययन के साथ शुरू करने पर विचार करें। इस तरह आपके पास बाद में अपने विषयों को बढ़ाने का विकल्प है और नकारात्मक संकेत के साथ अपना करियर शुरू करने से बचें।

पार्ट टाइम कोर्स के फायदे

आप काम या अन्य प्रतिबद्धताओं के साथ अकादमिक अध्ययन को संयोजित करना चाह सकते हैं, और इसलिए अपनी डिग्री खत्म करने में अधिक समय लेते हैं। यदि आप पेशेवर रूप से संबंधित डिग्री का अध्ययन कर रहे हैं, तो यह काम और अध्ययन को संयोजित करने के लिए आपके लाभ के लिए हो सकता है; आपके पेशेवर जीवन में प्राप्त अनुभव आपके शैक्षणिक विकास में गहराई और प्रासंगिकता जोड़ेंगे। कुछ सिखाए गए कार्यक्रम, विशेष रूप से पेशेवर उन्मुख, केवल अंशकालिक अध्ययन द्वारा उपलब्ध हैं।

पार्ट टाइम कोर्स का नुकसान

सामाजिक अलगाव

अंशकालिक छात्र होने की एक बड़ी खामी अन्य शिक्षार्थियों के साथ सामाजिक संपर्क से गायब है। इसमें व्यक्तिगत लाभ शामिल हो सकते हैं, जैसे कि नए दोस्त बनाना, साथ ही कुशल व्यक्ति, जैसे कि आपके क्षेत्र में अन्य छात्रों और शिक्षकों के साथ नए संपर्क बनाना।

व्यस्त जीवन शैली

अंशकालिक छात्रों को अक्सर एक नौकरी के रूप में एक और, पूर्णकालिक प्रतिबद्धता के साथ अपनी कक्षा अनुसूची को टटोलने के लिए मजबूर किया जाता है। यह एक बेहद पैक शेड्यूल के लिए बनाया जा सकता है, जिसमें सामाजिक जीवन के लिए बहुत कम समय मिलता है। जब तक छात्र बेहद केंद्रित नहीं होता, तब तक वह अध्ययन और उसकी अन्य गतिविधि दोनों में अपनी प्रभावशीलता को सीमित कर सकता है।

हद

नेशनल सेंटर फॉर एजुकेशन स्टेटिस्टिक्स द्वारा किए गए एक सर्वेक्षण के अनुसार, अंशकालिक छात्रों की जांच करने वाले, अंशकालिक छात्रों को पूर्णकालिक छात्रों की तुलना में स्नातक होने की संभावना कम होती है। पूर्णकालिक छात्रों के बीच, 73त्न अंशकालिक छात्रों की तुलना में केवल 28 प्रतिशत डिग्री या प्रमाण पत्र के बिना बाहर हो गए थे।

स्नातक करने के लिए अवधि

एक पूर्णकालिक छात्र की तुलना में स्नातक होने के लिए एक अंशकालिक छात्र के लिए हमेशा समान पाठ्यक्रम लोड को पूरा करने में अधिक समय लगेगा। उदाहरण के लिए, यदि एक पूर्णकालिक छात्र चार सेमेस्टर और चार साल में स्नातक की उपाधि लेता है, तो वह एक अंशकालिक छात्र को उससे अधिक साल में ले जाएगा, जो आठ साल की कई कक्षाओं लेगा। यह करियर की प्रगति में देरी का कारण बन सकता है जो एक डिग्री अपने प्राप्तकर्ता पर निर्भर करता है।

कर लाभ

आयकर विभाग छात्रों को उनके आयकर भुगतान से अधिकांश शैक्षिक खर्चों में कटौती करने की अनुमति देता है। हालांकि, पूर्णकालिक छात्रों को इस तरह की कटौती का आश्वासन दिया जाता है, लेकिन अंशकालिक छात्रों को कटौती में कुछ कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है। उदाहरण के लिए, यदि आपका ट्यूशन आपके नियोक्ता द्वारा प्रतिपूर्ति की जा रही है, तो वर्गों को आय का एक रूप माना जा सकता है और इस तरह का कर लगाया जाना चाहिए। कटौती के बारे में सुझाव देने के लिए आपका कर सलाहकार सबसे अच्छा अधिकार है।

सीमित विकल्प

सभी कार्यक्रम अंशकालिक छात्रों को स्वीकार नहीं करते हैं। यह विशेष रूप से सच है अगर एक कोर्स के लिए लैब घंटे की आवश्यकता होती है इसलिए, अंशकालिक छात्रों के पास भाग लेने के लिए कार्यक्रमों का एक छोटा सा पूल होता है, जो वे प्राप्त कर सकते हैं शिक्षा के प्रकार के लिए अपने विकल्पों को सीमित करते हैं। हालांकि, पार्ट टाइम कोर्स में भाग लेने के लिए संभावनाएं असीम हैं।

इंस्टाग्राम इंफ्लुएंसर बन कॅरियर को दें नई दिशा

आज के समय में इंटरनेट का इस्तेमाल तो सभी लोग करते हैं, लेकिन अगर सोच-समझकर इंटरनेट का इस्तेमाल किया जाए। तो यह कमाई का एक बेहतरीन जरिया बन सकता है। आप इंस्टाग्राम इंफ्लुएंसर बन लाखों रुपए कमा सकते हैं।

आज के समय में इंटरनेट का इस्तेमाल तो सभी लोग करते हैं, लेकिन अगर सोच-समझकर इंटरनेट का इस्तेमाल किया जाए। तो यह कमाई का एक बेहतरीन जरिया बन सकता है। हांलाकि आपने भी देखा होगा कि आज के समय में बहुत से लोग सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर के तौर खूब शोहरत हासिल कर रहे हैं। वहीं इंस्टाग्राम इंफ्लुएंसर बन लोग लाखों कमा रहे हैं। ऐसे में अगर आप भी इंस्टाग्राम इंफ्लुएंसर के तौर पर अपना कॅरियर बनाना चाहते हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। बता दें कि इसमें अपना कॅरियर बना शानदार कमाई कर सकते हैं। वर्तमान समय में अपनी नौकरी के साथ लोग सोशल मीडिया अकाउंट्स को भी काफी अच्छे से हैंडल कर रहे हैं। सोशल मीडिया पर अच्छी रीच और ज्यादा एक्टिव रहने वाले अकाउंट्स को ब्रांड प्रमोशन आदि को अच्छा खासा-पैसा मिलता है। आज हम आपको बताने जा रहे हैं कि इंस्टाग्राम इंफ्लुएंसर के तौर पर आप अपने कॅरियर की शुरूआत कैसे करें।

टाइम मैनेजमेंट है जरूरी

जब भी आप नौकरी करते हैं, तो इसमें आपके काम करने का रूटीन फिक्स होता है। लेकिन जब बात सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर की होती है, तो इसमें आपको अपने काम की सीमा खुद तय करनी होती है। फोन व लैपटॉप के जरिए आपको अपना काम करना होता है। ऐसे में आपको भी अपने काम की सीमा खुद तय करनी होगी। जिससे कि आप सोशल मीडिया के अलावा अन्य कामों को भी पर्याप्त समय दे सकें।

फिक्स्ड इनकम

जब आप कोई नौकरी करते हैं, तो हर महीने के आखिरी में आपके बैंक अकाउंट में एक फिक्स्ड इनकम आ जाती है। लेकिन बतौर सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर आपको कोई फिक्स्ड सैलरी नहीं मिलती है। आपकी इनकम ब्रांड प्रमोशन आदि पर निर्भर करती है। इसलिए शुरूआत में आपको नौकरी के साथ इस काम को करना चाहिए। ताकि आपका खर्चा आसानी से चलता रहे। वहीं सोशल मीडिया पर हर इंफ्लुएंसर का एक-दूसरे से अलग होना जरूरी है। इसलिए आपको ओरिजिनल आइडिया पर काम करने के साथ एडिटिंग आदि भी सीखनी चाहिए।

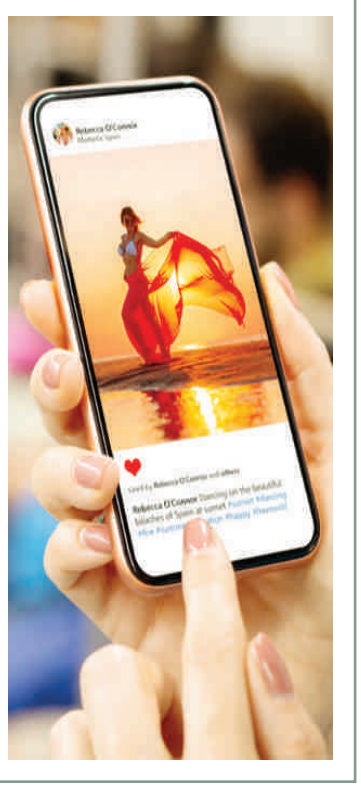

संस्कृति बचाने को लोगों को जागरूक होना जरुरी

पूसू प्रतिनिधि, चाईबासा। 'हो' समाज की प्राचीन भाषा-संस्कृति को बचाने हेतु समाज के लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से आदिवासी 'हो' समाज युवा महासभा की टीम ने मझगाँव प्रखंड के घोड़ाबांधा, बाईपी एवं ओढ़िशा सीमावर्ती क्षेत्र के तिलोकुटी में सामाजिक जागरूकता अभियान चलाई। सामाजिक, सांस्कृतिक, पारंपरिक तथा पारंपरिक भटकाव जैसे घटनाओं को रोकने हेतु ऐतिहासिक पहलुओं से समाज के लोगों को जगाया गया। अभियान के माध्यम से आदिवासी हो समाज महासभा के मानद सदस्य, साधारण सदस्य तथा आजीवन सदस्य के बारे में ग्रामीणों को जानकारी देने के साथ ही लोगों को सदस्यता लेने के लिए प्रेरित किया गया। आज के समय में सामाजिक, आर्थिक, शैक्षणिक तथा ऐतिहासिक आधार की भावना से ग्रामीणों को जोड़ा गया। सामाजिक और धार्मिक एकरूपता के लिए बल लगाया गया। आदिवासी हो समाज युवा महासभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष इपिल सामड ने जानकारी दिया कि 'हो' समाज में जन्म-संस्कार, मंत्यु संस्कार और विवाह संस्कार के अलावा विभिन्न पारंपरिक त्योहारों के अनुष्ठानों के अनुपालन, विकास तथा संरक्षण के लिए भावी पीढ़ियों को जिम्मेवारी लेना होगा। आदिवासी हो समाज युवा महासभा के राष्ट्रीय महासचिव गब्बरसिंह हेम्ब्रम ने 'हो' समाज की गरिमा पर प्रकाश डाला और लोगों से अपील किया कि जब अधिसूचित क्षेत्रों में आदिवासी भाषा-संस्कृति के विकास तथा संरक्षण देने के लिए ट्राईबल लॉ तथा जल-जंगल-जमीन की सुरक्षा हेतु कानून का प्रावधान किया गया है। अधिसूचित क्षेत्रों में बाहरी और विदेशी संस्कृति को षडयंत्र के तहत प्रवेश कराना एवं भटकाना एक संवैधानिक रूप से अनुचित है।

एक-घर, एक-कैलेण्डर का उद्देश्य के साथ लोगों के बीच कैलेण्डर वितरण करते हुए आदिवासी हो समाज युवा महासभा के प्रदेश अध्यक्ष गोविन्द बिरूवा, पूर्व अनुमंडल अध्यक्ष शेरसिंह बिरूवा, मझगाँव प्रखंड अध्यक्ष प्रोसेस उर्फ अनिल चातर तथा अन्य लोगों ने जगह-जगह पर आदिवासी भाषा-संस्कृति के संरक्षण और समाजहित में अभियान को संबोधित किया।

इस अवसर पर आदिवासी हो समाज युवा महासभा प्रखंड उपाध्यक्ष नंदलाल तिरिया, सांस्कृतिक सचिव संजय केराई, सदस्य राजेन्द्र हेम्ब्रम,त्रिलोक हेम्ब्रम, दशरथ हेम्ब्रम, राजेश पिंगुवा, दिसीकांत केराई, टाईगर पिंगुवा, ब्रिजलाल लागुरी, गुरूचरण कुल्डी, अर्जुन हेम्ब्रम, गोपाल हेम्ब्रम,हरिश हेम्ब्रम,कृष्णा हेम्ब्रम, सबीर ताँती, रासिका हेम्ब्रम, चंद्रमोहन हेम्ब्रम, अनिल हेम्ब्रम, सुधीर कुम्हार, चंद्रशेखर हेम्ब्रम, सरोज हेम्ब्रम आदि काफी संख्या में ग्रामीण मौजूद थे।

कोई मतदाता छूटे नहीं का बनाया है लक्ष्य, पूर्ण सहभागिता जरूरी: नोडल पदाधिकारी

पूसू प्रतिनिधि, जगन्नाथपुर। जगन्नाथपुर लोकसभा आम चुनाव 2024 में मतदान प्रतिशत बढ़ाने को लेकर प्रखंड निर्वाचन पदाधिकारी बीडीओ अमित कुमार मिश्रा के निर्देश पर नोडल पदाधिकारी सह डीपीआरो दिवाकर पान व लिपिक लक्ष्मण महतो द्वारा जगन्नाथपुर थाना परिसर में बुधवार को अवेयरनेस फोरम की बैठक हुई। इस दौरान विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से कार्यरत अधिकारियों-कर्मियों को 13 मई को मतदान दिवस के दिन वोट करने, छूटे हुए अधिकारी-कर्मियों एवं ऐसे व्यक्ति जिनका अभी भी मतदाता सूची में नाम नहीं है। उन्हें मतदाता सूची में नाम दर्ज करने को लेकर कहा गया। साथ ही पुलिस कर्मियों व उनके परिवार में अगर किसी का नाम छुटा हो तो मौके पर थाना के एसआई अभिमन्यु कुमार को नोडल पदाधिकारी बनाया गया। वोटर हेल्प लाइन ऐप भी डाउनलोड कराया गया। लोकसभा आम निर्वाचन 2024 देश का महापर्व में शामिल होने से कोई मतदाता छूटे नहीं। इसको लक्ष्य बनाकर जिला व अनुमंडल प्रशासन काम कर रहा है। इसे सफल बनाने में आप सभी की सहभागिता जरूरी है। इसी दिशा में वोटर अवेयरनेस फोरम का गठन सभी सरकारी कार्यालयों और निजी संस्थानों में किया गया है, ताकि कार्यालयों एवं संस्थानों में काम करने वाले अधिकारी-कर्मचारियों एवं उनके परिजन शत-प्रतिशत अपने मताधिकार का इस्तेमाल कर सके। छूटे हुए लोगों-कर्मियों को फार्म 06 भराया जा रहा है। बैठक में जगन्नाथपुर थाना प्रभारी शिव नारायण तिवारी,एसआई अभिमन्यु कुमार,एएसाई अजय सिंह व मंजीत सिंह सहित अन्य पुलिस जवान उपस्थित थे।

आजसू पार्टी का जमशेदपुर लोकसभा सम्मेलन 21 अप्रैल को-रामचंद्र सहिस

पूसू प्रतिनिधि, जमशेदपुर। बुधवार 10 अप्रैल को दोपहर 2 बजे तुलसी भवन में आजसू पार्टी पूर्वी सिंहभूम जिला समिति की बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता करते हुए जिला अध्यक्ष कन्हैया सिंह ने कहा कि पूर्वी सिंहभूम अंतर्गत जमशेदपुर लोकसभा सम्मेलन में 10 हजार ग्राम प्रभारी, चूल्हा प्रमुख, समेत पार्टी के अन्य कार्यकर्ता हिस्सा लेंगे। उक्त बैठक में लोकसभा प्रभारी पूर्व मंत्री रामचंद्र सहिस ने कहा कि सभी विधानसभा के प्रभारी और पंचायत प्रभारी अपने अपने क्षेत्र में जुट जाए और संगठन हित में कार्य करने और लोकसभा स्तरीय सम्मेलन में पार्टी के कार्यक्रम में लोगों को जागरूक करे और बताए की आगामी लोकसभा चुनाव में पार्टी सुप्रीमो सुदेश कुमार महतो जी हिस्सा लेंगे साथ ही पार्टी के सभी विधायक और सांसद के आलावे पार्टी के सभी केंद्रीय नेताओं का आगमन होगा।

बैठक में मुख्य रूप से पूर्व मंत्री सह लोकसभा प्रभारी रामचंद्र सहिस, बनविहारी महतो, कन्हैया सिंह, प्रो रवि शंकर मौर्या, फनी भूषण महतो, बुद्धेश्वर मुर्मू, डोमन टुडू, सागेन हांसदा ,संजय सिंह, संजय मालाकार, अप्पू तिवारी, प्रकाश विश्वकर्मा, चंद्रेश्वर पांडेय, धर्मवीर सिंह, जवाहर लाल ,अशोक मंडल , कृतिवास मंडल, ललन झा, अजय सिंह बब्बू, हेमंत पाठक, शंभू श्रवण, माणिक महतो, निरंजन महतो, अजीत महतो, अनाथ कुंभकार, नवीन महतो, रामकृष्ण महतो, आदित्य महतो, पूर्णेंदु महतो, बुल्लू रानी सिंह सरदार, तनवीर आलम उर्फ राजू, उमाशंकर सिंह, राहुल सौरभ,चरण सोरेन, जयदेव महतो, रोहित महतो, प्रवीन प्रसाद, दीपक पांडेय, संगीता कुमारी, जय श्री कुंडू, लख्खी राय, संचिता राय, गौरी राय, पाली दास, रंजन राय, धनेश कर्मकार, संतोष सिंह, वीरेन स्वर्णकार, अरूप मल्लिक,सुधीर सिंह, आशीष नामदा, मंगल टुडू, रानी देवी, रौशन सिंह, शैलेंद्र सिन्हा, धीरज यादव समेत सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

बासंती मंदिर में विधायक मंगल कालिंदी ने पूजा-अर्चना कर मांगी खुशहाली

पूसू प्रतिनिधि, पटमदा। बोड़ाम बाजार स्थित नवनिर्मित बासंती मंदिर की पुनः प्रतिष्ठा बुधवार को पुरुलिया जिले के बड़ाबाजार से आये पुरोहित अश्विनी देवहरिया व सुनील देवहरिया द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार, यज्ञ व विधिवत पूजा अर्चना कर की गई। पुरोहितों के वैदिक मंत्रोच्चार से पूरे क्षेत्र गुंजायमान हो रहा था। इस धार्मिक अनुष्ठान में आसपास क्षेत्र के काफी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। जुगसलाई विधायक मंगल कालिन्दी ने फीता काटकर मंदिर का उद्घाटन किया। मंदिर कमिटी के सदस्यों द्वारा विधायक का स्वागत गाजे बाजे के साथ बोड़ाम बाजार से मंदिर तक बड़े धूमधाम से किया। मौके पर विधायक ने मंदिर में पूजा अर्चना करते हुए मत्था टेका और मां बासंती के समक्ष क्षेत्र की खुशहाली के लिए कामना की। सार्वजनिक बासंती मंदिर कमेटी के तत्वावधान में आयोजित इस धार्मिक अनुष्ठान में व्रती बनमाली बनर्जी ने गाजेबाजे के साथ नितुला बांध से कलश लाकर मंदिर में स्थापित की। इसके बाद घंटों पूजा अर्चना के पश्चात मंदिर में भक्तों के बीच प्रसाद वितरण किया गया। इस दौरान चित्तरंजन गोप, हिमाशु महतो, काजल सिंह, खेदु गोप, रामु कुंभकार, श्यामापद रजक समेत अन्य लोग उपस्थित थे।

शहादत दिवस पर स्व.विजय सिंह सोय को जोबा माझी समेत अन्य ने दी श्रद्धांजलि

पूसू प्रतिनिधि, चक्रधरपुर। बुधवार को इतवारी बाजार चक्रधरपुर स्थित समाधि स्थल पर स्वर्गीय विजय सिंह सोय का 24 वॉ शहादत दिवस मनाया गया। स्व. सोय कांग्रेस पार्टी से 1998 में सिंहभूम लोकसभा क्षेत्र से सांसद बने थे। उनके कार्यकाल में कांग्रेस पार्टी को उन्होंने जो मजबूती और पहचान दिया था किसी से छिपा हुआ नहीं है। लोग आज भी उनकी कर्मठता और राजनीतिक कुशलता को सम्मान के साथ याद करते है। वे राजनीतिक के क्षेत्र में काफी सुलझे हुए और जनप्रिय हृदय सम्राट थे। श्रद्धांजलि सभा में दिवांगत आत्मा की शांति हेतु 2 मिनट का मौन रखकर उन्हें याद किया गया। इस अवसर पर इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी जोबा माझी भी श्रद्धांजलि अर्पित करने अपने समर्थकों के साथ पहुंची। उन्होंने कहा स्व. कि सोय की कमी अपूर्णीय है। श्रद्धांजलि सभा में मुख्य रूप से स्वर्गीय विजय सिंह सोय के समस्त परिवार, जोबा माझी, जिला अध्यक्ष चन्द्रशेखर दास, स्व. सोय की सुपुत्री सुश्री अनुप्रिया सोय, अम्बुराय चौधरी, प्रीतम बंकीरा, भारत जोड़ो न्याय यात्री लक्ष्मण हासदा मौजूद थे।

पूर्व सीएम मधु कोड़ा ने स्व. विजय सिंह की शहादत दिवस पर दी श्रद्धांजलि

पूसू प्रतिनिधि, चाईबासा। सिंहभूम के पूर्व सांसद स्वर्गीय विजय सिंह सोय के 24 वां शहादत दिवस के अवसर पर आज इतवारी बाजार चक्रधरपुर स्थित समाधि स्थल पर झारखंड सरकार के पूर्व मुख्यमंत्री मधुकोड़ा एवं स्वर्गीय विजय सोय की धर्मपत्नी श्रीमती माला सोय, उनकी पुत्री अनुप्रिया सोय एवं चक्रधरपुर भाजपा नगर पदाधिकारीयों के साथ श्रद्धांजलि अर्पित किया।इस मौके पर भाजपा नगर अध्यक्ष राजेश गुप्ता, जिला कार्य समिति सदस्य संजय पासवान, युवा मोर्चा नगर अध्यक्ष समरेश सिंह, अनुसूचित जनजाति मोर्चा नगर अध्यक्ष रवि बकिरा, पिछड़ी मोर्चा नगर अध्यक्ष विनोद शर्मा, राय,भाजपा नगर महामंत्री गौतम रवानी, बजरंग महानंद, अभिजीत चटर्जी, मुकेश विश्वकर्मा, संदीप महतो, और भी भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता गण उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

ईद को लेकर गुलजार हुआ बाजार

पूसू प्रतिनिधि, चाईबासा। शहर के बड़ी बाजार स्थित उर्दू लाइब्रेरी के पास कल 11 अप्रैल को ईद के त्यौहार को लेकर, लगाए गए बाजारों में रौनक बढ़ गई है बाजार सज चुकी स्थानीय निवासी मोहम्मद शेखू ने बताया कोरोना कल के बाद इस बार दुकानों में रौनक बढ़ी है आज चांद दिखने पर 11 अप्रैल गुरुवार को ईद त्यौहार मनाया जाएगा। सभी मुस्लिम परिवार में खुशी का माहौल है।

सांसद गीता कोड़ा के पक्ष में मतदान करने लिया गया संकल्प

पूसू प्रतिनिधि, चाईबासा। लोकसभा 2024 चुनाव को लेकर आज भारतीय जनता पार्टी टोन्टो मंडल बामेंबासा शक्ति केंद्र की बैठक संयोजक रायमुनि कुंटीया की उपस्थिति में संपन्न हुई। जिसमें लाभार्थी संपर्क अभियान चलने का योजना बनाया गया। अधिक से अधिक घरों तक जनसंपर्क किया जाएगा साथ ही अपने भाजपा प्रत्याशी सांसद गीता कोड़ा के पक्ष में मतदान के लिए अपील किया जाएगा। मेरा बूथ सबसे मजबूत के नारे को बुलंद करते हुए बूथ से अधिक से अधिक प्रत्याशी को वोट दिलाने का संकल्प लिया गया। जिसमें मुख्य रूप से भाजपा जिला महामंत्री प्रताप कटियार महतो चन्द्रमोहन तियू मंड़ल अध्यक्ष लेबेया लागुरी बैजनाथ बारी अनील दास मुकेश बारी राजेन्द्र बारी बुधराम कुम्हार सम्मानित हुए।

मानसिक रूप से परेशान व्यक्ति ने की खुदकुशी

पूसू प्रतिनिधि, जगन्नाथपुर। जगन्नाथपुर थाना क्षेत्र के गुमुरिया गांव निवासी राजा राम महतो 52 वर्ष मानसिक रूप से परेशान होकर अपने आप को फांसी के फंदे में लटक गया। इस संबंध में जगन्नाथपुर थाना प्रभारी शिव नारायण तिवारी ने बताया कि बुधवार को सूचना मिली कि गुमरिया में एक व्यक्ति द्वारा फांसी लगा लिया गया है। सूचना मिलते हैं पुलिस घटनास्थल पहुंचकर शव को अपने कब्जे लेकर जगन्नाथपुर थाना लाया गया। इसके बाद जांच पड़ताल कर शव को पोस्टमार्टम हेतु सदर अस्पताल भेज दिया गया। इस संबंध में मृतक राजाराम महतो के पुत्र सुरेश महतो ने बताया गया कि उसके पिता मानसिक रूप से परेशान थे। परिवार से झगड़ा कर 8 साल से अकेले अलग रूम लेकर रहते थे।

टाटा स्टील फाउंडेशन के उच्च अधिकारियों ने किया प्लस टू उत्क्रमित उच्च विद्यालय चाकड़ी का दौरा

पूसू प्रतिनिधि, जमशेदपुर। बुधवार 10 अप्रैल को टाटा स्टील फाउंडेशन जमशेदपुर के उच्च अधिकारियों का कौशलयान अत्याधुनिक व्यवस्था से लेस एसी कोच के कंप्यूटर लैब में तीन माह का कंप्यूटर प्रशिक्षण हेतु उत्क्रमित प्लस टू उच्च विद्यालय चाकड़ी पहुंचकर स्थल निरीक्षण किया। विद्यालय प्रबंधन समिति द्वारा उन्हें हर संभव सहयोग करने का भरोसा दिलाया। बदले में टाटा स्टील फाउंडेशन द्वारा 3 महीना बाद इसे स्थाई रखने हेतु विद्यालय को 10 कंप्यूटर के साथ कंप्यूटर लैब देने का भी वादा किया। टाटा स्टील फाउंडेशन के स्थल निरीक्षण के दौरान विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष श्रीपति सरदार सेवानिवृत शिक्षक शिवजन सरदार, रंजीत सरदार, जयहरि सिंह मुंडा, सदस्य बीरबल सरदार,उज्जवल कुमार मंडल के अलावे गांव के प्रबुद्ध जन उपस्थित थे।

झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा ने जारी किया नीति पत्र

पूसू प्रतिनिधि, चक्रधरपुर। झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा ने सिंहभूम लोकसभा क्षेत्र के लिए बुधवार को अपना नीति पत्र जारी किया। सिंहभूम लोकसभा प्रत्याशी दामोदर सिंह हांसदा ने फीता काट कर रामचंद्रपुर पेट्रोल पंप के नजदीक जिला कार्यालय का उद्घाटन किया एवं आगे की रणनीति पर विचार विमर्श किया किया। प्रेस कांफ्रेंस के जरिए पार्टी का नीति पत्र सार्वजनिक करते हुए जिला प्रवक्ता बासिल हेंब्रम ने कहा कि अगर सिंहभूम लोकसभा क्षेत्र की जनता हमारी पार्टी झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा के लोकसभा प्रत्याशी दामोदर सिंह हांसदा को विजयी बनाती है तो हम स्थानीय जनमानस का ख्याल रखते हुए निम्नलिखित मुद्दों को मजबूती से संसद की पटल पर रखने का काम करेंगे-

शिक्षा के क्षेत्र में :

समान शिक्षा व्यवस्था (सरकारी स्कूल,कॉलेज, विश्वविद्यालय को उच्च मानक स्तर पर लाना), छात्र, शिक्षक अनुपात में शिक्षकों की नियुक्ति साथ ही चपरासी और आदेश पाल की नियुक्ति सभी सरकारी शिक्षण संस्थानों में करवाना(खाली पड़े सभी पदों को त्वरित भरने का प्रयास करेगी), प्रत्येक 4 महीने में विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति देने की वकालत करेगी, शिक्षा पर कूल राष्ट्रीय आय का न्यूनतम 6 प्रतिशत तथा शोध एवं विकास में न्यूनतम 3 प्रतिशत तक खर्च करने का प्रयास करेगी, शिक्षण सामग्री और रोजमर्रा में उपयोग होने वाली वस्तुओं में जीएसटी/वेट 18 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत तक करवाने का सरकार पर दबाव बनाएगी, शिक्षा लोन में ब्याज दर नगण्य करवायेगी साथ ही सत्र के दौरान ब्याज दर शून्य रखा जाएगा।

स्वास्थ्य के क्षेत्र में :

सिंहभूम में उच्च कोटि का अस्पताल के साथ-साथ सभी स्वस्थ विभागों में संसाधनों की कमी को त्वरित पूर्ण करवाने का प्रयास करेगी, सभी स्वास्थ्य विभागों में मानव संसाधनों की कमी को पूरा करवाएगी ताकि सभी प्रकार के मरीजों का इलाज सिंहभूम क्षेत्र में संभव हो सके।

रोजगार के क्षेत्र में:

रोजगार एवं उद्यमी को बढ़ाने के लिए छोटे-छोटे सूक्ष्म, कुटीर एवं लघु उद्योगों को प्रोत्साहन देने के लिए कम ब्याज दर पर ऋण उपलब्ध करवाएगी तथा ऋण प्रक्रिया को आसान एवं सुलभ बनाएंगे, केंद्र एवं राज्य में सभी सरकारी संस्थानों में खाली पड़े पदों को त्वरित भरने का दबाव सरकार पर बनायेगी, सिंहभूम में स्थापित सभी कंपनियों में झारखण्ड के मूलनिवासियों को प्राथमिकता के आधार पर 90 प्रतिशत स्थानीय लोगों को नौकरी दी जाएगी, सिंहभूम में आउटसोर्सिंग के जरिए नियुक्ति को पूरी तरह बंद कर दी जाएगी, सड़क, नाली, भवन तथा सभी प्रकार के सरकारी निर्माण कार्यों में स्थानीय लोगों को ठेका दिया जाएगा, न्यूनतम मजदूरी दर का निर्धारण जीवन निर्वाह स्तर से ऊपर तय की जाएगी।

भाषा-संस्कृति को बचाने का प्रयास:

डीएमएफटी को क्षेत्रीय भाषा, संस्कृति, शिक्षा, स्वास्थ्य, कौशल बढ़ाने तथा स्थानीय भाषा के शिक्षकों को नियुक्त करवाने में उपयोग करवाया जाएगा, हो भाषा के साथ-साथ सभी आदिवासी भाषाओं को आठवीं अनुसूची में शामिल करवाने का प्रस्ताव संसद के पटल पर मजबूती से रखी जाएगी, कोल्हान में मानकी-मुंडा व्यवस्था को विस्तार कर पुनर्जीवित करेगी और सख्ती से कोल्हान में लागू करवाया जाएगा, डीएमएफटी फंड से सभी गांवों में ग्रामीण मुंडा का कार्यालय तथा पीड़ स्तर पर मानकी का कार्यालय बनवाया जाएगा, केजी से पीजी तक तक स्थानीय भाषा अनिवार्य किया जाएगा, आदिवासी धर्म कोड की मांग पूरी मजबूती से संसद के पटल पर रखी जाएगी तथा धर्म कोड के अंदर सभी आदिवासियों के सांस्कृतिक एवं धार्मिक नाम को लिखने का स्पष्ट प्रावधान करवाया जाएगा।

उद्योग नीति :

जयपाल सिंह मुंडा जी के दृष्टिकोण को आगे बढ़ाते हुए संविधान में सकारात्मक संशोधन कर अनुसूचित जनजाति के स्थान पर आदिवासी शब्द को जोड़ने का बात संसद के पटल पर रखी जाएगी, कंपनियों में भू दाताओं को 5 प्रतिशत से अधिक शेयर होल्डर बनाने के साथ ही चपरासी से प्रबंधन स्तर तक का नौकरी भू दाताओं को दिया जायेगा और 5 वर्षों तक कंपनी उक्त जमीन पर उत्पादन कार्य नहीं होती है तो भू दाताओं को जमीन वापस करवाया जाएगा, सभी बड़ी कंपनियों तथा बैंकों को राष्ट्रीयकरण करवाने का वकालत संसद के पटल पर करेगी।

अन्य क्षेत्रों में : सरकार पर जातीय जनगणना करवाने का दबाव बनाएगी। (जिसकी जितनी संख्या भारी, उसकी उतनी हिस्सेदारी), गैर-सरकारी क्षेत्रों में भी जनसंख्या के आधार पर प्रतिनिधित्व (आरक्षण) सभी वर्गों में लागू करवाने की वकालत संसद के पटल पर करेगी , कानूनी तौर पर न्यूनतम समर्थन मूल्य का निर्धारण करवाएगी, यीसीसी का कड़ा विरोध करेगी क्योंकि इससे आदिवासियों की भाषा-संस्कृति, धार्मिक आस्था एवं परंपराओं पर नकारात्मक प्रभाव पड़ेगी, ईचा खरकई बहुउद्देशीय परियोजना (कूजू डैम) को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी जायेगी साथ ही खर्च की गई राशि को वैकल्पिक रूप से भुगतान करने पर विचार करेगी फिर भी कूजू डैम को पूर्णत: रद्द करवायेगी, भारतीय संविधान में दिये गए सभी प्रावधानों को धरातल पर पूर्णत: लागू करवाने की दबाव सरकार पर करेगी।

जिला अध्यक्ष बसंत महतो ने बताया कि भले हम धनबल, बाहुबल से मजबूत नहीं हैं लेकिन हमारे इरादे नेक हैं। कई बार व्यवस्था एवं सत्ता परिवर्तन हुआ लेकिन जनप्रतिनिधियों के इरादे नहीं बदले। हम जाति, धर्म, संप्रदाय व क्षेत्रवाद की राजनीति से ऊपर सकारात्मक राजनीति के लिए चुनावी मैदान में हैं जिसमें नीतियों एवं आम जनमानस से जुड़ी वास्तविक मुद्दों, समस्याओं की समाधान पर काम किया जाएगा। पहले लोगों के पास विकल्प नहीं था पर जनता के बीच से संघर्ष के बदौलत उभरे दामोदर सिंह हांसदा के रूप में अब बेहतर विकल्प है इसलिए प्रलोभन के रूप में दिए जाने वाले पैसे,शराब आदि की चमेट में न आकर इस बार के लोकसभा चुनाव में अपने मताधिकार का सदुपयोग करें और अपने तथा अपने बच्चों के भविष्य के लिए वोट करें। इस दौरान झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा के सिंहभूम लोकसभा प्रत्याशी दामोदर सिंह हांसदा, जिला अध्यक्ष बसंत महतो, जिला प्रवक्ता बासिल हेंब्रम, राजेन्द्र बोदरा, प्रेमचंद मूर्मू, राजेन्द्र चाकी, दामुराम दिग्गी, निसुजेक चंपिया, मुकेश महतो, रविन्द्रनाथ महतो आदि मौजूद थे।

सीएम के गृह क्षेत्र में लोगों ने की वोट वहिष्कार की घोषणा

आजादी के बाद से नहीं बनी सड़क, लोगों ने कहा जन प्रतिनिधि हैं उदासीन

चंद्रशेखर

पूसू, जमशेदपुर। मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन के सरायकेला विधानसभा क्षेत्र के लोगों ने आसन्न लोकसभा चुनाव के वहिष्कार की घोषणा की। मुख्यमंत्री के गृह जिले के हुदू पंचायत के ग्रामीणों ने एक स्वर में वोट न देने की चेतावनी दी। दरअसल जिले की कांड्रा ओभर बृज से मात्र 8 किलो मीटर की सड़कों को देख आज खुद लोगो की आँखे शर्मिंदा हैं। ग्रामवासियों का कहना है कि उनके गांव की सड़क कभी बनी ही नहीं। इसकी शिकायत कई बार जिला प्रशासन, पथ निर्माण विभाग, जिला परिषद और क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों से की गई। लेकिन किसी ने इस ओर ध्यान नहीं दिया। आजादी के बाद से सड़क आज भी कच्ची पड़ी है हुई है। सड़कों पर बोल्डर पथर निकले हुए हैं, जिससे गांव में बने स्वास्थ केंद्र में एम्बुलेंस के साथ डॉक्टर भी आने से कतराते हैं। यदि गाँव में कोई बीमार पड़ जाए या बारिश हो जाए तो इन खराब सडकों पर चलना भी जान जोखिम में डालना होगा। इस गांव में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, पंचायत भवन से लेकर कई अन्य भवन हैं, जिसमें लोग काम करने भी आते हैं, पर कई लोकसभा या विधानसभा चुनाव बीत गए पर इस गांव की सड़क जैसी की तैसी ही है। गाँव के ग्रामीणों ने एक बैनर लगाया है जिस पर लिखा है कि 'जन जन की यही पुकार अबकी बने सड़क हमार,' सड़क नही बनाओगे तो वोट नही पाओगे, 'न बिजली है, न स्वास्थ्य है, ये कैसा विकास है' ग्रामीणों का कहना है कि अगर उनके गांव की सड़क नहीं बनी तो वे 2024 के चुनाव का बहिष्कार करेंगे। क्योंकि चुनाव आते ही जनप्रतिनिधियों के साथ उनके चाटुकार नेता भी गांव में आकर वोट लेने के लिए हम ग्रामीणों को हाथ जोड़कर वोट मांगते हैं। जब जीत जाते है तो फिर पांच वर्षों तक दिखाई नही देते हैं।

चिकित्सक हूं लेकिन सड़क से आने में डर बने रहता है- डॉ.तापस महतो

हुदू पंचायत के ऊपर बेड़ा के ग्रामीणों का इलाज करने के लिए रोजाना 10 किलो मीटर का सफर तय कर डॉ. तापस महतो आते हैं जहाँ खुद इन्हें भी इन सड़कों पर आने में डर बना रहता है। कहा कि लोगों का स्वास्थ्य जांच करने वे आते हैं। लेकिन अपनी तबीयत विगड़ जाए तो क्या करेंगे। कहा कि यह मुख्यमंत्री का गृह जिला है। जहाँ डाक्टर ग्रामीणों के स्वास्थ ठीक रखने के लिए इन सडकों पर चल रहे पर कई चुनाव लोकसभा या विधानसभा बीत गया, लेकिन इन जर्जर सड़कों को ठी नहीं किया गया।

सीएम के गृह क्षेत्र में नारकीय जीवन जीने को हैं विवश- हुरा सरदार

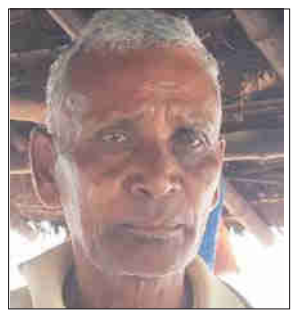

राज्य में वर्तमान सरकार जिनकी बागडोर सरायकेला की विधायक सह मुख्यमंत्री चम्पई सोरेन के पास है। जो खुद 5 -6 बार के विधायक रहे कई बार राज्य में मंत्री भी बने रहे अब वह खुद राज्य के मुखिया सह मुख्यमंत्री बने उन्होंने इस सरायकेला विधानसभा से अपनी विधायकी को बरकरार रखा। लेकिन आज अपने ही क्षेत्र वासियों को नारकीय जीवन जीने को मजबूर कर दिया है। इस गांव की सड़क मुख्य मार्ग से मात्र 10 किलोमीटर की दूरी पर पंचायत भवन, मनरेगा भवन और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद भी बना हुआ है। लेकिन यहां की सड़क को देख ले तो आपके रोंगटे खड़े हो जाएंगे। क्षेत्र की जनता कई लोकसभा एवं विधानसभा चुनाव देख चुकी है। चुनाव बीतने के बाद जन प्रतिनिधि जनता की सुधि लेने नहीं आते हैं।

जन प्रतिनिधियों की उपेक्षा पड़ेगी भारी- शिशिर चंद्र पोद्दार

सरायकेला विधानसभा क्षेत्र के हुदू पंचायत में जन सुविधाएं नगण्य है। जन प्रतिनिधि केवल चुनाव के दौरान ही गांव आते हैं। बाकी समय वे गायब रहते हैं।

जिसके कारण ग्रामीणों में काफी रोष है। मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन के विधानसभा क्षेत्र में आन के कारण गांव की तस्वीर बदलने की उम्मीद जगी। लेकिन दो-तीन माह बाद भी कोई मुलाजिम गांव नहीं आया। ग्रामीणों को अपने हाल पर जीन पड़ता है। टूटी-फूटी कच्ची सड़क से आना-जाना करना पड़ता है। उन्होंने कहा कि इस चुनाव में प्रत्याशियों एवं जन प्रतिनिधियों को ग्रामीणों की उपेक्षा भारी पड़ेगी। ग्रामीण वोट वहिष्कार की घोषणा कर चुके हैं।

आनंद मार्ग के शिविर में दस लोगों ने किया रक्त दान

पूसू प्रतिनिधि, जमशेदपुर। आनंद मार्ग यूनिवर्सल रिलीफ टीम ग्लोबल एवं जमशेदपुर ब्लड सेंटर की ओर से आनंद मार्ग के 2 घंटे के रक्त दान शिविर में ईश्वर कोटि के मनुष्यों ने 10 यूनिट ए+एवं एबी+ ब्लड ग्रुप का रक्तदान किया। गर्मी एवं ए पॉजिटिव एवं एबी पॉजिटिव की जरूरत को ध्यान में रखते हुए या 2 घंटे के शिविर का आयोजन किया गया। आनंद मार्ग के आह्वान पर ट्यूब डिवीजन टाटा वर्कर्स यूनियन के कमिटी मेंबर मनोज मिश्रा ने भी ब्लड ग्रुप ए+ का रक्तदान किया। सुनील आनंद का कहना है कि जितने भी रक्तदाता नि:स्वार्थ भाव से रक्तदान करते हैं वह सभी लोग ईश्वर कोटि के मनुष्य है करण इस रक्तदान करने में रक्तदाता का किसी प्रकार का कोई भी स्वार्थ नहीं रहता परम पुरुष के छोटे-छोटे बच्चों के कष्ट निदान के लिए रक्तदान करते हैं इसलिए इस तरह के मनुष्य को ईश्वर कोटि के मनुष्य कहा गया है। रक्त दाताओं के बीच ब्लड सेंटर के डॉ एलबी सिंह, टाटा वर्कर्स यूनियन के ट्यूब डिवीजन टेक्नोलॉजी सर्विसेज कमिटी मेंबर ज्ञान रंजन श्रीवास्तव ने प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।

विधायक सरयू ने धनबाद के भाजपा प्रत्याशी ढुलू महतो के पुत्र की अकूत संपति का किया खुलासा

21 वर्षीय प्रशांत ने 2022 में धनबाद में खरीदी 2.06 करोड़ की जमीन

पूसू प्रतिनिधि, जमशेदपुर। धनबाद के भाजपा प्रत्याशी ढुलू महतो के समर्थन में भाजपा के झारखंड प्रभारी,राज्य एवं राष्ट्रीय नेताओं के आने के बाद विधायक सरयू राय ने ढुलू महतो की अकूत संपति का खुलासा किया। कहा कि अवैध रुप से कमाई गई रकम से ढुलू महतो के 21 वर्षीय पुत्र प्रशांत ने धनबाद के पॉश इलाके में 2.06 करोड़ की लागत से 80 डिसमिल जमीन खरीदी। सरयू राय का यह दस्तावेजी सनसनीखेज आरोप भाजपा के उन नेताओं के लिए है, जिन्होंने बीते दिनों ढुलू महतो को पाक-साफ करार दिया था। इतनी कम उम्र में उनके पुत्र द्वारा करोड़ो की संपति अर्जित करना सवालों के घेरे में है। विधायक सरयू राय ने अपने आरोपों के समर्थन में दस्तावेजी सबूत भी प्रस्तूत किए हैं, जिसमें उन्होंने कहा है कि धनबाद लोकसभा क्षेत्र से भाजपा के घोषित प्रत्याशी के उस समय के 20 वर्ष के उम्र वाले सुपुत्र प्रशांत कुमार के नाम पर

वर्ष 2022 में 2.06 करोड़ के सरकार द्वारा निर्धारित मूल्य पर खरीदे गये तीन भूखंडों की रजिस्ट्री हुई है तथा उसका म्यूटेशन स्थानीय अंचल कार्यालय ने किया है। तीन अलग-अलग की गई रजिस्ट्रियों के अनुसार, खरीदे गये भूखंडों का क्षेत्रफल करीब 80 डिसमील है। ये भूखंड धनबाद के नवाडीह में स्थित हैं। उन्होंने भाजपा के राष्ट्रीय नेताओं, खास कर झारखंड प्रदेश के प्रभारी को उपर्युक्त सूचनाओं पर अपने ज्ञान के अनुसार स्पष्टीकरण देना चाहिए और पंडित दीनदयाल उपाध्याय की उक्तियों के अनुरूप प्रभारी की भूमिका का निर्वाह करना चाहिए। उल्लेखनीय है कि इसमें से कतिपय जानकारियां दो वर्ष पूर्व झारखंड के कतिपय प्रमुख अखबारों में संक्षेप में प्रकाशित हो चुकी हैं। सरयू राय ने कहा कि 5 जनवरी 2022 को 46 लाख, 75 हजार रुपये की लागत से 16 डिसमिल जमीन की रजिस्ट्री करायी गई। इसी तरह 24 जनवरी 2022 को 01 करोड़, 36 लाख, 36 हजार की कीमत वाली 56 डिसमिल जमीन की रजिस्ट्री करायी गई, जिसका स्टाम्प शुल्क 545450 रुपया है। तीसरी जमीन की रजिस्ट्री 29 अप्रैल 2022 को हुई जिसकी कीमत 23 लाख 40 हजार रुपये है। उक्त भूखंड 8 डिसमिल है।

संक्षिप्त खबरें

भुला के भूतांग पुल के नीचे गिरी पिकअप वैन

पूसू प्रतिनिधि, पोटका। प्रखंड के भुला गांव के भूतांग पुल के नीचे बुधवार को दोपहर 3 बजे हाथी खेदा मंदिर, लावजोड़ा से आ रहे पिकअप वैन गिर गया और पिकअप वैन पूरी तरह पलट गया, जिससे पिकअप वैन के अन्दर चालक और खलासी फंस गया था। दोनों को भुला गांव के युवाओं ने सुरक्षित बाहर निकाला। दोनो को सुरक्षित बाहर निकालने में देवाशीष मुखर्जी, सूजन सिंह, रमेश सिंह, विष्णु कर्मकार, विकास गोराई अरविंद गोप ,आदि ने सहयोग किया।

हिंदू नव वर्ष के अवसर पर सत्यनारायण पूजा सह यज्ञ - हवन का किया आयोजन

पूसू प्रतिनिधि, जमशेदपुर। हिंदू नव वर्ष चैत्र शुक्ल प्रतिपदा का शुभारंभ मंगलवार को हो गया है। इस अवसर पर पतंजलि युवा भारत द्वारा सारजमदा बस्ती में सत्यनारायण पूजा सह यज्ञ - हवन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पुरोहित की भूमिका निभा रहे बाबूलाल पांडेय जी को अंग वस्त्र पहनाकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर पतंजलि युवा भारत के जिला प्रभारी नरेंद्र कुमार ने कहा कि चैत्र शुक्ल प्रतिपदा सनातन धर्मावलंबियों के लिए बहुत ही विशेष दिन है। ब्रह्म पुराण के अनुसार इसी दिन ब्रह्मा जी ने सृष्टि की रचना की थी। सम्राट विक्रमादित्य के नाम से ही आज के दिन से विक्रम संवत की शुरुआत मानी जाती है। आज से ही चैत्र नवरात्रि की भी शुरुआत होती है और इसी माह नवमी तिथि को प्रभु श्री राम जी का जन्म हुआ था। अत: यह पूरा महीना ही हिंदू धर्मावलंबियों के लिए बहुत ही पुण्यदायी है। कार्यक्रम में ऋषभ कुमार सिंह, नीतिका कुमारी, शोभा देवी, कलावती देवी, हेमलता सिंह ने सक्रिय भूमिका निभाई। इस अवसर पर रामस्वरूप सिंह, अजय वर्मा, लाल मणि सिंह की गरिमा में उपस्थिति रही।

जुगसलाई में जलापूर्ति जल्द शुरू करने की मांग

पूसू प्रतिनिधि, जमशेदपुर। भाजपा के जिला महामंत्री अनिल मोदी ने जुगसलाई के कई इलाकों में पिछले एक माह से ठप जलापूर्ति को जल्दी शुरू करने की मांग जिला प्रशासन से की है। उन्होंने कहा की तकरीबन एक माह से आर पी पटेल स्कूल के आस पास के इलाके के तकरीबन हजारों घरों में जलापूर्ति ठप्प है। गर्मी के इस मौसम में जलापूर्ति ठप्प होने से लोगो को भीषण समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। सबसे ज्यादा समस्या महिलाओं एवं बच्चों को हो रही है। लोगों को दूर दूर से ढो कर पानी लाना पड़ रहा है।अथवा खरीदना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि एक माह हो जाने के बाद भी जलापूर्ति का ठीक नहीं होना निराशाजनक है। विभाग के कर्मचारी तमाम प्रयासों के बावजूद फाल्ट नहीं ढूंढ़ पा रहे है। उन्होंने जिला प्रशासन से आग्रह किया इस समस्या के निदान हेतु तत्काल कदम उठाएं एवं तकनीकी रूप से दक्ष पदाधिकारियों इस काम में लगाये ताकि फाल्ट का पता लगाया जा सके और समस्या का निराकरण हो। उन्होंने कहा आगे गर्मी और विकराल रूप लेगी।

पार्किंसंस रोग में शारीरिक गतिविधि और व्यायाम का महत्व - डॉ. अरुण कुमार

पूसू प्रतिनिधि, जमशेदपुर। अक्सर बैठे-बैठे आपका हाथ या पैर तेजी से कांपने लगता है और शरीर को बेहतर तरीके से कंट्रोल करने में दिक्कत होती है तो यह पार्किंसन्स बीमारी होने की संभावना हो सकती हैं। इस रोग से बचने के लिए शारीरिक गतिविधि और व्यायाम से अविश्वसनीय लाभ होता हैं। ये बातें ब्रह्मानंद नारायणा हॉस्पिटल, तामोलिया, जमशेदपुर के सीनियर कंसल्टेंट- न्यूरोलॉजी डॉ अरुण कुमार ने कही। बुधवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति में डॉ. अरुण कुमार ने पार्किंसंस रोग के लिए शारीरिक गतिविधि और व्यायाम के लाभ की चर्चा करते हुए बताया कि इस रोग में मस्तिष्क के तंत्रिका कोशिकाओं में समस्या होती है, जो गतिविधियों को नियंत्रित करती है। इस रोग में नर्व सेल्स या तो डेड हो जाती हैं या खराब हो जाती हैं, जिससे डोपामाइन नामक एक महत्वपूर्ण रसायन के उत्पादन की क्षमता प्रभावित होती है। डॉ. अरुण कुमार के अनुसार पार्किंसंस रोग शरीर में कई प्रकार की समस्याओं का कारण बन सकती है। कंपकंपी या हाथ-पैर और जबड़े का अनैच्छिक रूप से हिलना। मांसपेशियों में अकड़न, कंधों या गर्दन में दर्द सबसे आम है। मानसिक कौशल या प्रतिक्रिया के समय में कमी। पलकों के झपकने की गति में कमी। अस्थिर चाल या संतुलन में दिक्कत होना। अवसाद या डिमेंशिया का जोखिम। यदि आपके परिवार में पहले किसी को यह समस्या रही है तो आपमें भी इसका जोखिम हो सकता है। इसके अलावा महिलाओं की तुलना में पुरुषों में पार्किंसंस रोग विकसित होने की आशंका अधिक होती है। कुछ शोध में पाया गया है कि जो लोग विषाक्त पदार्थों के संपर्क में अधिक रहते हैं उनमें भी इसके होने का जोखिम हो सकता है। डॉ. अरुण कुमार का कहना हैं कि पार्किंसंस रोग के रोगियों की स्थिति के आधार पर दवाइयों और थेरपी के माध्यम से इसके लक्षणों को नियंत्रित करने और जीवन की गुणवत्ता को बढ़ाने का प्रयास किया जाता है। कुछ शोधों से पता चला है कि नियमित एरोबिक एवं व्यायाम से पार्किंसंस रोग का खतरा कम हो सकता है। डॉ. अरुण कुमार ने बताया कि डोपामाइन-उत्पादक कोशिकाओं की 80 प्रतिशत या उससे अधिक हानि वाले रोगियों में पार्किंसंस के लक्षण विकसित होते हैं। एक अनुमान के मुताबिक हर साल पार्किंसंस रोग के 60,000 नए मामलों का निदान किया जाता है। यह स्थिति आमतौर पर 55 वर्ष की आयु के बाद विकसित होती है हालांकि 30-40 वर्ष के लोगों को भी ये प्रभावित कर सकती है। यह सबसे आम मोटर (गति-संबंधी) मस्तिष्क रोग भी है। जैसे-जैसे पार्किंसंस रोग बढ़ता है, इसके लक्षण भी बढ़ने लग जाते हैं। बीमारी के बाद के चरणों में अक्सर मस्तिष्क की कार्यप्रणाली प्रभावित हो सकती है जिससे डिमेंशिया जैसे लक्षण और अवसाद का भी खतरा होता है।

फेयर प्राइस डीलर्स एसोसिएशन की मुसाबनी प्रखंड कमिटी का हुआ गठन

पूसू प्रतिनिधि, जमशेदपुर। मंगलवार को मुसाबनी प्रखंड से संघ पदाधिकारीगण, जिला कमिटी के महासचिव से आकर मुलाकत किये और संगठन के विस्तार पर चर्चा किया गया, जिला कमिटी के महासचिव प्रमोद गुप्ता ने मुसाबनी प्रखंड के संघ पदाधिकारीगण को अपने क्षेत्र में दुकानदार भाइयों एवं महिला समिति के हित में कार्य करने, प्रखंड में डीलर भाइयों - बहनो की समस्याओं को समाधान करने साथ ही प्रखंड के सभी दुकानदार भाइयों एवं महिला समूहों को साथ लेकर चलने का निर्देश दिये।

प्रमोद गुप्ता ने कहा की संगठन से बड़ा कोई शक्ति नहीं हैं, सभी साथी नि:स्वार्थ भाव से संगठन में कार्य करे, कोई ऐसा कार्य ना करे जिससे संगठन को बदनामी हो, जिला महासचिव ने कहा की जहाँ दया है, वहाँ धर्म है। जहाँ लोभ है, वहाँ पाप! जहाँ क्रोध है, वहाँ काल है! जहाँ छमा है, वहाँ आप! जिला के महासचिव से मुलाकत के क्रम में मुसाबानी प्रखंड के संघ पदाधिकारी राजेश महाली, अशोक पासवान, संजय गिरी, अजय हांसदा, शेख कालिमुलाह, शेख इलियास, प्रहलाद भगत, शिवा नायर, विष्णु रजक, चेतन हांसदा, अमित अग्रवाल मुख्य रूप से उपस्थित हुये, सभी साथियों ने संगठन हित में एक साथ मिलकर कार्य करने का भरोसा जिला कमिटी को दिया गया।

दो जरूरतमंद बच्चियों का भारत सेवाश्रम संघ में हुआ नामांकन

पूसू प्रतिनिधि, पोटका। पोटका प्रखंड के दाबांकी एवं सबरनगर में भारत सेवाश्रम संघ के द्वारा आदिवासी बच्चों के लिए नि:शुल्क आवासीय विद्यालय चलाई जाती है। जहां नैतिक शिक्षा के साथ-साथ अच्छी पढ़ाई भी होती है। इस वर्ष ऐसे ही दो जरूरतमंद बच्ची के अभीभावक आकर पूर्व जिला पार्षद करुणा मय मंडल से मुलाकात कर अपनी बच्ची की उज्वल भविष्य के लिए भारत सेवाश्रम संघ के आवासीय विद्यालय में नामांकन करवाने में सहयोग की अनुरोध किए। अंतत: अभिभावकों के आग्रह पर पूर्व पार्षद श्री मंडल द्वारा भारत सेवाश्रम संघ में बात कर दो बच्चियों की नामांकन के प्रस्ताव दिए थे जिसके तहत नियमानुकूल उनकी नामांकन कि गई। जिन दो बच्चियों का नामांकन हुआ उसमें पल्लवी सामद, पिता- राम सामद, गांव-बारडीह, पोष्ट - रोला (राजनगर), वहीं दूसरी बच्ची जिसका नाम तानीसा बास्के, पिता-मुनीराम बास्के, गांव-बाड़ेडीह (पोटका)। दोनों बच्चियों का नामांकन सबर नगर स्थित आवासीय विद्यालय में प्रथम वर्ग में हुआ। बच्चियों के नामांकन होने पर उनके चेहरों में काफी उत्साह नजर आई।

केंद्रीय रामनवमी अखाड़ा समिति का हुआ विस्तार, चंद्रगुप्त सिंह बनाए गए मुख्य संरक्षक

पूसू प्रतिनिधि, जमशेदपुर। बुधवार को केंद्रीय रामनवमी अखाड़ा समिति जमशेदपुर की बैठक महत्वपूर्ण संपन्न हुई। समिति के अध्यक्ष आशुतोष सिंह की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में रामनवमी महोत्सव के भव्य आयोजन में सहयोग करने हेतु समिति को सात जोन में विभक्त किया गया एवं समिति के सफल संचालन के लिए समिति का विस्तार करते हुए सभी सात जोन के प्रभारी सह प्रभारी की नियुक्ति की गई है। ज्ञात हो कि केंद्रीय रामनवमी अखाड़ा समिति, जमशेदपुर लौहनगरी की 40 वर्ष पुरानी अखाड़ा समिति है। जो प्रत्येक वर्ष रामनवमी महोत्सव के सफल आयोजन को शहर के सभी अखाड़ा समिति के विश्वास और परस्पर सहयोग से पूर्ण करती रही है। इस वर्ष भी अखाड़ा समिति रामनवमी महोत्सव के सफल आयोजन को लेकर सक्रिय रूप से कार्य कर रही है, जिसमें सभी अखाड़ा समिति के संग निरंतर बैठक एवं विभिन्न आवश्यक सुझावों को लेकर प्रशासनिक अधिकारियों को अवगत कराते हुए रामनवमी महोत्सव के भव्य, सुविधायुक्त और शांतिपूर्ण आयोजन हेतु रूपरेखा बनाई गई है।

केंद्रीय रामनवमी अखाड़ा समिति, जमशेदपुर एवं विभिन्न जोन में गठित कमेटी इस प्रकार है :- मुख्य संरक्षक- चंद्रगुप्त सिंह, संयोजक- रामबाबू सिंह, संरक्षक-शंभूनाथ सिंह, नीरज सिंह, रामबाबू तिवारी, भीष्म सिंह, अजय रजक, महेश खारेलवाल, दिवाकर सिंह, भास्कर मुखी, अनिल सिंह, शंकर रेड्डी। अध्यक्ष- आशुतोष सिंह, महासचिव- भूपेंद्र सिंह, उपाध्यक्ष- गौतम प्रसाद, नंदजी सिंह, अशोक सिन्हा, परमात्मा मिश्रा, धर्मेंद्र प्रसाद, नंदलाल सिंह, राकेश सिंह, सचिव- अभिषेक कुमार मनीष, अर्जुन शर्मा, ओमयो ओझा, राघवेंद्र मिश्रा, सत्येंद्र कुमार, शिव शंकर सिंह, जयराज रजक, संयुक्त सचिव- धर्मेंद्र शर्मा, मनोज खत्री, सह सचिव- मनवीर सिंह, देवेंद्र सिंह, विजय वर्धा, संतोष कालिंदी, रवि भुइयां, कोषाध्यक्ष- शंभू मुखी, सह कोषाध्यक्ष- राजू बाजपेयी, मीडिया प्रभारी- प्रेम झा, सह

समिति में दस संरक्षक, रामबाबू सिंह संयोजक एवं भूपेंद्र सिंह बने महासचिव

मीडिया प्रभारी- सतीश मुखी, सोशल मीडिया प्रभारी- कुमार संदेश उर्फ छक्कन चौधरी, सह सोशल मीडिया प्रभारी- रॉकी सिंह।

ईस्ट जोन :- प्रभारी- बलराम रजक रजक समाज अखाड़ा मनीफीट। सह प्रभारी- कृष्ण बारीक वनराज अखाड़ा बिरसानगर। कार्यकारिणी- केबी नरसिम्हा राव न्यू मार्केट टेल्को, प्रभात पांडे संकट मोचन अखाड़ा टीआरएफ कॉलोनी, बिरसानगर, बलदेव सिंह बजरंग अखाड़ा बिरसानगर, रौशन कुमार, बजरंग अखाड़ा रामाधीन बागान।

सेंट्रल जोन 'बी' :- प्रभारी- शैलेश गुप्ता, अमर ज्योति अखाड़ा। सह प्रभारी- मंगलनाथ मुखी वीर बजरंग अखाड़ा भालूबासा। कार्यकारिणी - कामेश्वर लाल जॉन अखाड़ा भालूबासा, अशोक पांडे श्री श्री शिव हनुमान दुर्गा मंदिर अखाड़ा।

सेंट्रल जोन 'ए' :- प्रभारी- परमा प्रसाद, झूला मैदान अखाड़ा। सह प्रभारी- मन्नू शांडिल्य बागुन नगर अखाड़ा। कार्यकारिणी- मोहन कुमार श्री बजरंग अखाड़ा गाढ़ाबासा, राजकुमार अग्रवाल वीर बजरंग युवा अखाड़ा। हृदय नामत बगुणहतु सूखा तालाब अखाड़ा, दीपक श्री वीर बजरंग युवा संघ अखाड़ा।

वेस्ट जोन 'ए' :- प्रभारी -अरविंद सिंह न्यू रानी कुदर कदमा। सह प्रभारी- बबलू मुखी, मेडिकल बस्ती अखाड़ा। कार्यकारिणी- राहुल कुमार रजक राज क्लब, छोटेलाल।

वेस्ट जोन 'बी' :- प्रभारी- दीपक यादव वीर मंच अखाड़ा सोनारी। सह प्रभारी- समीर राज अंजनी पुत्र अखाड़ा। कार्यकारिणी -श्रवण वर्मा दिना अखाड़ा, विष्णु महानंद कलिंगा अखाड़ा, राकेश प्रसाद गोलू, त्रिमूर्ति अखाड़ा, सुक्कू सिंह, सरदार अखाड़ा, दीपक नाग, कलिंगा अखाड़ा, राजू यादव, बाल समाज अखाड़ा।

साउथ जोन :- प्रभारी- कमलेश दुबे, कैरेज कॉलोनी अखाड़ा। सह प्रभारी- धीरज यादव, शिव मंदिर अखाड़ा परसुडीह। कार्यकारिणी- अनमोल शर्मा, संकट मोचन अखाड़ा, गौरी शंकर रोड, मिहिर महतो, सात मंदिर अखाड़ा, महतो पड़ा, राजकुमार वरवलिया, श्री श्री बजरंग अखाड़ा गर्ल्स स्कूल रोड। शिवु मुखी वीर रघुवर अखाड़ा बर्मामाइंस, सपन दास, सोमाय झोपड़ी अखाड़ा, अनमोल वर्मा, श्री बजरंग अखाड़ा सुंदरनगर, गौरीशंकर सिंह, श्री बजरंग अखाड़ा समिति गोलपहाड़ी।

नॉर्थ जोन :- प्रभारी- राजेश सिंह, जय मंगल सिंह अखाड़ा, बालीगुमा। सह प्रभारी- सुनील सिंह। कार्यकारिणी- संजीत शर्मा, बजरंग अखाड़ा रोड नंबर 4, शिवचंद्र मुंडा, संकोसाई रोड नंबर 5, नीलकमल शेखर, पवन अखाड़ा, संतोष सिंह एवं अपूर्व पाल, पारडीह।

दिलजीत दोसांझ ने कहा...

मैं अक्सर चीट मील ले लेता हूं

अपकमिंग फिल्म अमर सिंह चमकीला में नजर आने वाले अभिनेता-गायक दिलजीत दोसांझ अक्सर सोशल मीडिया पर अपनी रसोई की झलक दिखाते नजर आते हैं। उन्होंने कहा कि वह अक्सर चीट मील ले लेते हैं, लेकिन उन्हें बाद में पछतावा होता है। बात करते हुए दिलजीत ने कहा, मुझे खाने के लिए ज्यादा व्यवस्था की जरूरत नहीं हैं, मैं सादे तरीके से भी भोजन का आनंद ले सकता हूं।दिलजीत हमेशा सादा खाना पसंद करते हैं। हालांकि उन्होंने कहा कि वह कार्बोहाइड्रेट से परहेज करते हैं, और चावल नहीं खाते। अमर सिंह चमकीला स्टार ने कहा, मैं चावल नहीं खाता। मैं रोजाना दाल खाता हूं। मैं कार्ब्स से परहेज करता हूं। मैं सुबह कार्बोहाइड्रेट लेता हूं और फिर उसके बाद उससे बचने की कोशिश करता हूं। कभी-कभी चार-पांच दिनों के बाद मुझे कुछ खाने की इच्छा हो जाती है और मैं रात में कुछ गलत खा लेता हूं। लवर हिटमेकर ने कहा, फिर मुझे सुबह इसका पछतावा होता है। दिलजीत दोसांझ इम्तियाज अली द्वारा निर्देशित अपनी अपकमिंग फिल्म अमर सिंह चमकीला को लेकर पूरी तरह से तैयार हैं।

यह फिल्म एक गायक पर आधारित है, जिसे पंजाब के एल्विस प्रेस्ली का टैग दिया गया था। चमकीला को एक विवादास्पद व्यक्ति माना जाता था। उनके गीतों के विषयों में प्रमुख रूप से महिलाओं का वस्तुकरण, यौन हिंसा, घरेलू हिंसा और शराब शामिल थे। 1988 में चमकीला और उनकी पत्नी अमरजोत कौर की हत्या कर दी गई। अमर सिंह चमकीला एक ड्रामा है, जिसमें दिलजीत ने चमकीला और परिणीति चोपड़ा ने उनकी पत नी की भूमिका निभाई है।यह फिल्म 12 अप्रैल को नेटफ्लिक्स पर रिलीज होने वाली है।

प्रीति जिंटा ने क्रू को बताया हंसी का पिटारा

करीना कपूर खान, तब्बू और कृति सेनन इन दिनों लगातार सुर्खियों में हैं। उनकी फिल्म क्रू को दर्शकों का भरपूर प्यार मिल रहा है। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर तो धमाल मचा ही रही है। साथ ही, इसे इंडस्ट्री के लोग भी काफी ज्यादा पसंद कर रहे हैं। अब इस लिस्ट में प्रीति जिंटा का नाम भी जुड़ गया है। हाल ही में अभिनेत्री ने इस फिल्म को देखकर सोशल मीडिया पर अपनी प्रतिक्रिया दी। फिल्म की समीक्षा करते हुए प्रीति ने बताया कि क्रू हंसी का पिटारा है। उन्होंने फिल्म के निर्माण और सफलता के लिए पूरी टीम को बधाई दी। साथ ही, उन्होंने फिल्म की तीनों अभिनेत्रियों को सुपर टैलेंटेड और खूबसूरत भी करार दिया। उन्होंने लिखा, तब्बू, करीना कपूर खान और कृति सेनन की सुपर टैलेंटेड और खूबसूरत तिकड़ी वाली फिल्म क्रू को थिएटर में देखकर बहुत अच्छा लगा। फिल्म के हर एक पल का खूब आनंद लिया। इस फिल्म के लिए पूरी टीम को बधाई। दोस्तों इसे जरूर देखें। यह सचमुच देखने लायक है। इससे पहले अर्जुन कपूर ने भी अपने सोशल मीडिया हैंडल पर फिल्म और इसके कलाकारों की प्रशंसा की थी। फिल्म क्रू के कलेक्शन की बात करें तो फिल्म टिकट खिड़की पर जबर्दस्त कमाई कर रही है। ताजा आंकड़ों के मुताबिक फिल्म ने 11वें दिन एक करोड़ 75 लाख रुपये का बिजनेस किया है। इसके साथ ही फिल्म की कुल कमाई अब 60 करोड़ रुपये हो गई है। तीनों अभिनेत्रियों के अलावा इस फिल्म में दिलजीत दोसांझ और कपिल शर्मा ने भी अहम भूमिकाएं निभाई हैं।

संदीप वंगा ने जताई

माइकल जैक्सन की बायोपिक बनाने की इच्छा

संदीप रेड्डी वंगा लोकप्रिय फिल्म निर्माता-निर्देशक हैं। बीते वर्ष फिल्म एनिमल से उन्होंने ने बॉक्स ऑफिस पर तहलका मचा दिया। इससे पहले उन्होंने फिल्म अर्जुन रेड्डी और कबीर सिंहसे लोकप्रियता हासिल की। इस बीच निर्देशक ने ग्लोबल म्यूजिक आइकन माइकल जैक्सन पर बायोपिक बनाने का संकेत दिया है। हाल ही में एक मीडिया बातचीत के दौरान उन्होंने इस पर बात की।

अभिनेता के चयन में उलझे !

संदीप रेड्डी वंगा ने कहा माइकल जैक्सन पर बायोपिक बनाने की इच्छा जाहिर की है। उन्होंने कहा, मैं कभी कभी एक बायोपिक बनाने की सोचता हूं। मैं माइकल जैक्सन की बायोपिक का निर्देशन करना चाहूंगा, लेकिन सवाल ये है कि उनका किरदार कौन निभाएगा? एक्टर कौन होगा?

अगर कोई एक्टर मिलता है तो इसे हॉलीवुड में पेश कर सकते हैं और इसे इंग्लिश में बनाया जा सकता है।

मैं टिकट खरीदूंगा और देखूंगा फिल्म

संदीप रेड्डी वंग ने आगे कहा, माइकल जैक्सन ने बचपन से लेकर अपनी स्कूली शिक्षा तक और किस तरह अपने स्किन कलर को बदला, और किस तरह रहे, यह काफी दिलचस्प है। उनकी जीवन यात्रा काफी शानदार है।

लेकिन, पर्दे पर उसे दिखाने के लिए कौन सही अभिनेता होगा? यह सवाल है। उनकी बायोपिक का आना एक सपना होगा और हर कोई टिकट खरीदेगा। इसका निर्देशन कोई भी करे, मैं फिल्म की टिकट खरीदूंगा और देखूंगा, क्योंकि मैं उनके बारे में जानना चाहता हूं।

एनिमल से भी खतरनाक होगी एनिमल पार्क

फिल्म एनिमल के बाद संदीप रेड्डी वंगा अब एनिमल पार्क के जरिए दर्शकों तक पहुंचेंगे। फिल्म एनिमल की काफी आलोचना हुई थी। इसमें दिखाए गए हिंसक दृश्यों और महिला विरोधी संवाद को लेकर सोशल मीडिया पर हंगामा हुआ था।

कई फिल्मी हस्तियों ने भी फिल्म पर नेगेटिव रिव्यू दिया। हालांकि, वंगा को इससे फर्क नहीं पड़ता। वह पहले ही साफ कर चुके हैं कि एनिमल पार्क फिल्म एनिमल से भी खतरनाक और डार्क होगी।

अरिजीत सिंह के सम्मान में झुके बादशाह

मंच पर छुए गायक के पैर

रैपर और सिंगर बादशाह और अरिजीत सिंह के संगीत के प्रशंसक दीवाने हैं। एक ही मंच पर जब दोनों हों तो क्या ही कहने। ऐसा हाल ही में देखने को मिला। इनके संगीत के साथ-साथ एक और चीज ने दर्शकों का दिल जीत लिया। हुआ यह कि लाइव संगीत समारोह के दौरान बादशाह ने अरिजीत सिंह के पैर छुए। अरिजीत के पैर छूते हुए बादशाह का वीडियो तेजी के साथ इंटरनेट पर वायरल हो रहा है। वीडियो वायरल होने के बाद नेटिजंस इस पर तरह-तरह की प्रतिक्रिया दे रहे हैं।

परफॉर्म करने से पहले छुए पैर

यह वीडियो बादशाह और अरिजीत सिंह के एक शाथ थाईलैंड के बैंकॉक में एक संगीत समारोह में परफॉर्म करने के दौरान की है। वीडियो में देखा जा सकता है कि अरिजीत सोलमेट गाने पर अपनी प्रस्तुति दे रहे थे, तभी बादशाह ने झुककर उनके सम्मान में पैर छू लिए। अरिजीत ने दर्शकों के सामने जैसै ही बादशाह का नाम लेकर उनका परिचय कराया भीड़ उत्साह में जोर-जोर से शोर करने लगी। भीड़ के शोर करते ही बादशाह ने अपनी परफार्मेंस से पहले अरिजीत के प्रति सम्मान दिखाते हुए उनके पैर छू लिए। वीडियो जैसे ही सोशल मीडिया पर वायरल होना शुरू हुआ। नेटिजन्स ने बादशाह की सराहना करनी शुरू कर दी।

अरिजीत से बादशाह हैं तीन साल छोटे

नेटिजन्स ने अरिजीत और बादशाह की उम्र पर भी जोर दिया। एक यूजर ने लिखा, बादशाह अरिजीत सिंह से तीन साल बड़े हैं, लेकिन उन्होंने अरिजीत के पैर छुए। उन्होंने उनके पैर नहीं छुए, बल्कि उनका ये करना अरिजीत की कला के लिए उनके सम्मान को दर्शाता है। उम्र मायने नहीं रखती, अनुभव मायने रखता है! वहीं एक प्रशंसक ने लिखा, %पैर धोकर पीने चाहिए थे।

किशोर और रफी से की तुलना

अरिजीत के एक प्रशंसक ने उनकी तुलना मोहम्मद रफी और किशोर कुमार से कर दी। प्रशंसक ने लिखा, अरिजीत सिंह म्यूजिक इंडस्ट्री के ताज हैं। सब जानते हैं कि वो किशोर कुमार और रफी की तरह ही लाइव समारोह में भी रिकॉर्डिंग की तरह ही गाते हैं।

कॉमेडी फिल्म मीन गर्ल्स में अपनी भूमिका के लिए चर्चित भारतीय-अमेरिकी अभिनेत्री अवंतिका वंदनापु को हार्वर्ड विश्वविद्यालय द्वारा साउथ एशियन पर्सन ऑफ द ईयर पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। पुरस्कार मिलने पर वंदनापु ने कहा कि उनकी यात्रा अभी बस शुरू हुई है। अभिनेत्री को अंतर्राष्ट्रीय और भारतीय मनोरंजन उद्योग में उनकी उत्कृष्ट उपलब्धियों और प्रभाव के लिए यह पुरस्कार दिया गया। वंदनापु ने कहा, हार्वर्ड विश्वविद्यालय जैसे प्रतिष्ठित संस्थान द्वारा सम्मानित किया जाना अविश्वसनीय रूप से प्रेरक है। यह

अवंतिका को मिला साउथ एशियन पर्सन ऑफ द ईयर पुरस्कार

पुरस्कार न केवल मेरे प्रयासों को स्वीकार करता है, बल्कि सीमाओं से आगे वैश्विक मीडिया में भारतीय प्रतिनिधित्व की महत्वपूर्ण भूमिका को भी रेखांकित करता है। गौरतलब है कि वह मीन गर्ल्स के नए रूपांतरण में प्रमुख भूमिकाओं में से एक थीं। इसके बाद उन्होंने भारतीय ओटीटी सीरीज बिग गर्ल्स डोंट क्राई से शुरुआत की। एक भारतीय, तेलुगु भाषी परिवार में पैदा हुई अभिनेत्री ने मीन गर्ल्स, स्पिन और सीनियर इयर्स सहित हॉलीवुड की कई परियोजनाओं में अपनी पहचान बनाई। उन्होंने देश-विदेश में अटूट समर्थन और स्नेह के लिए दर्शकों का आभार जताया। अभिनेत्री ने कहा, यह सम्मान मुझे उन कहानियों में गहराई से उतरने के लिए प्रेरित करता है, जो रूढ़िवादिता को चुनौती देती हैं, विविधता को अपनाती हैं और लोगों के साथ गहरे संबंध बनाती हैं। उन्होंने कहा, मेरी यात्रा अभी शुरू हुई है, और यह सम्मान मेरे काम के माध्यम से सकारात्मक योगदान जारी रखने के मेरे दृढ़ संकल्प को और मजबूत करेगा। अभिनेत्री ने कहा,मैं भविष्य के लिए उत्सुक हूं और अधिक भारतीय आवाजों को वैश्विक मंच पर गूंजने और फलने-फूलने का मार्ग प्रशस्त करने की आकांक्षा रखती हूं।

मैदान की बड़े मियां छोटे मियां से तुलना पर प्रियामणि ने दिया जवाब

बॉलीवुड अभिनेता अजय देवगन की फिल्म मैदान रिलीज के लिए पूरी तरह से तैयार है। फिल्म के रिलीज होते ही दर्शकों का लंबा इंतजार भी खत्म हो जाएगा। निर्माताओं ने इस फिल्म को बनाने में खूब पैसे खर्च किए हैं। ऐसे में उम्मीद जताई जा रही है कि फिल्म बॉक्स ऑफिस पर अच्छा कारोबार करेगी। वहीं, दूसरी ओर इसका मुकाबला अक्षय कुमार और टाइगर श्रॉफ की फिल्म बड़े मियां छोटे मियां से होने जा रहा है। अब देखना होगा कि कौन सी फिल्म ज्यादा कमाई करने में कामयाब होगी। मैदान में अजय देवगन के किरदार की पत्नी का किरदार निभा रही अभिनेत्री प्रियामणि ने इसकी तुलना बड़े मियां छोटे मियां से किए जाने पर बात की हैं। अक्षय और टाइगर की फिल्म में पृथ्वीराज सुकुमारन भी काम कर रहे हैं। उन्होंने प्रियामणि के साथ कई फिल्मों में काम किया है। अब प्रियामणि और पृथ्वीराज की फिल्में एक-दूसरे को बॉक्स ऑफिस पर टक्कर देने जा रही है। ऐसे में अभिनेत्री प्रियामणि ने कहा कि उनके और पृथ्वीराज के बीच फिल्म की टक्कर को लेकर कोई बात नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि वे पृथ्वीराज को खलनायक की भूमिका में देखने के लिए काफी उतावली है। अभिनेत्री ने आगे कहा कि वे जानती हैं कि पृथ्वीराज ने फिल्म में दमदार काम किया है।

रामायण के लिए रणबीर कपूर चार्ज कर रहे भारी-भरकम रकम !

बॉलीवुड अभिनेता रणबीर कपूर इन दिनों अपनी आगामी फिल्म रामायण को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। हर दिन इस फिल्म से जुड़ी कोई न कोई खबर सामने आ रही है। रणबीर के फैंस इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। बताया जा रहा है कि रणबीर इस फिल्म में भगवान राम की भूमिका निभाएंगे। रिपोर्ट्स के मुताबिक फिल्म की शूटिंग शुरू हो चुकी है, जिसकी सेट से कई तस्वीरें भी सामने आ चुकी हैं।

फिल्म से जुड़ी हर रोज कोई न कोई खबर सामने आ रही है। अब फिल्म के कलाकारों की फीस का खुलासा हुआ है। खबरों की मानें तो रणबीर कपूर रामायण में भगवान राम का किरदार निभाएंगे, जिसके लिए अभिनेता 75 करोड़ रुपये की भारी-भरकम फीस ले रहे हैं। निर्देशक नितेश तिवारी रामायण को बड़े स्तर पर शूट कर रहे हैं। इसके लिए फिल्म का बजट भी काफी ज्यादा है। भगवान राम की भूमिका के लिए रणबीर ट्रेनिंग ले रहे हैं। इसके चलते इन दिनों रणबीर काफी दुबले-पतले भी नजर आ रहे हैं। हाल ही में अभिनेता का ट्रेनिंग के दौरान का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें वह अपने किरदार के लिए कड़ी मेहनत करते दिखाई दे रहे हैं।

इसी बीच एक नई रिपोर्ट में दावा किया गया है कि रणबीर ने इस प्रोजेक्ट के लिए भारी रकम मांगी है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक अभिनेता ने भगवान राम की भूमिका के लिए 75 करोड़ रुपये फीस मांगी है। रणबीर की ये फीस उनकी ब्लॉकबस्टर फिल्म एनिमल से भी ज्यादा है।

स्पाई यूनिवर्स की फीमेल लीड फिल्म में होंगे अनिल कपूर

यशराज प्रोडक्शन के स्पाई यूनिवर्स की सातवीं फिल्म की तैयारियां शुरू हो चुकी हैं। ये स्पाई यूनिवर्स की पहली फीमेल लीड फिल्म होगी, जिसमें आलिया भट्ट लीड रोल में हैं। अब इस फिल्म में अनिल कपूर की एंट्री भी हो चुकी है। वो फिल्म में रॉ चीफ की भूमिका निभाने वाले हैं। हाल ही में आई रिपोर्ट में फिल्म से जुड़े सूत्र के हवाले से लिखा गया है, अनिल कपूर यशराज फिल्म्स के स्पाई यूनिवर्स का हिस्सा बन चुके हैं। अनिल चर्चित फिल्म में रॉ चीफ के किरदार में नजर आएंगे। वो इस सीरीज में टाइगर फ्रैंचाइजी में रॉ चीफ बने गिरीश कर्नाड को रिप्लेस कर रहे हैं। बताते चलें कि साल 2019 में गिरीश कर्नाड का निधन हो चुका है। एक था टाइगर, टाइगर जिंदा है, वॉर, पठान, टाइगर-3 और वॉर-2 के बाद अपकमिंग अनटाइटल फिल्म इस स्पाई यूनिवर्स की सातवीं फिल्म है।

- साभार एजेंसी

अर्शदीप सिंह ने टी20 क्रिकेट में पूरे किए 150 विकेट

आशीष नेहरा के साथ स्पेशल क्लब का बने हिस्सा

मोहाली, एजेंसी। आईपीएल 2024 के 23वें मुकाबले में पंजाब किंग्स टीम का सामना सनराइजर्स हैदराबाद से हुआ। इस मैच को सनराइजर्स हैदराबाद ने काफी रोमांचक तरीके से 2 रनों से अपने नाम करने के साथ इस सीजन की तीसरी जीत दर्ज की। वहीं इस मैच में पंजाब किंग्स के कुछ खिलाड़ियों ने अपने प्रदर्शन से जरूर सभी को प्रभावित किया जिसमें एक नाम बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह का है, जिन्होंने मैच में अपने 4 ओवरों की गेंदबाजी में 29 रन देने के साथ 4 विकेट हासिल किए। अर्शदीप सिंह ने इसी के साथ टी20 क्रिकेट में अपने 150 विकेट भी पूरे कर लिए।

150 विकेट लेने वाले अर्शदीप सिंह बने भारत के चौथे बाएं हाथ के तेज गेंदबाज

अर्शदीप सिंह के लिए सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मैच से अब तक ये सीजन कुछ खास अच्छा नहीं रहा था, ऐसे में उनपर बेहतर प्रदर्शन करने का भी दबाव था। इस मुकाबले में अर्शदीप सिंह ने नई गेंद से कमाल दिखाते हुए सनराइजर्स हैदराबाद की टीम को 2 बड़े झटके दिए जिसमें उन्होंने ट्रेविस हेड और एडम मारक्रम को को अपना शिकार बनाया। इसके बाद उन्होंने अब्दुल समद और नितीश रेड्डी को भी अपना शिकार बनाया।

अर्शदीप ने इसी के साथ टी20 क्रिकेट में अपने 150 विकेट का आंकड़ा भी पार कर लिया। अब वह भारत की तरफ से इस फॉर्मेट में बाएं हाथ के तेज गेंदबाज के रूप में ये कारनामा करने वाले चौथे खिलाड़ी बन गए हैं। टी20 क्रिकेट में भारत की तरफ से बाएं हाथ के तेज गेंदबाज के तौर पर सबसे ज्यादा विकेट हासिल करने के मामले में जयदेव उनादकट पहले स्थान पर हैं, जिन्होंने अब तक 221 विकेट हासिल किए हैं, वहीं इसके बाद इरफान पठान 173 तो वहीं तीसरे स्थान पर 162 विकेट के साथ आशीष नेहरा हैं।

पैट कमिंस के रिकॉर्ड को तोड़ा

अर्शदीप सिंह ने साल 2019 में अपने टी20 करियर का आगाज किया था, जिसके बाद से अब तक वह इस फॉर्मेट में 24 की औसत के साथ 153 विकेट हासिल कर चुके हैं। उनका टी20 में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 32 रन देकर 5 विकेट है। अर्शदीप ने इस आंकड़े को पार करने के साथ पैट कमिंस के रिकॉर्ड को भी तोड़ने का काम किया, जिन्होंने टी20 क्रिकेट में अपने 150 विकेट 134 मैच में पूरे किए थे। वहीं अर्शदीप सिंह के नाम पर आईपीएल में जहां 65 विकेट दर्ज हैं तो उन्होंने टी20 इंटरनेशनल में 44 मैचों में खेलते हुए 20.87 के औसत से 62 विकेट हासिल किए हैं।

नितीश रेड्डी ने आईपीएल में किया बड़ा कारनामा

अब तक कोई भी खिलाड़ी 20 साल की उम्र में नहीं कर सका ऐसा

मोहाली, एजेंसी। सनराइजर्स हैदराबाद की टीम ने 9 अप्रैल को पंजाब किंग्स के खिलाफ खेले गए मुकाबले को 2 रनों से अपने नाम किया। इस मैच में हैदराबाद टीम की जीत के हीरो 20 साल 319 दिन की उम्र के खिलाड़ी नितीश रेड्डी रहे। सनराइजर्स हैदराबाद ने इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवरों में 9 विकेट के नुकसान पर 182 रन बनाए थे।

एक समय हैदराबाद ने 64 के स्कोर तक अपने 4 अहम विकेट गंवा दिए थे, यहां से नितीश रेड्डी ने एक छोर से टीम की पारी को संभालने के साथ रन बनाने की गति को बरकरार रखा, जिसे एक समय जो स्कोर 150 से 160 रनों की बीच सिमटता हुआ दिख रहा था वह रेड्डी की पारी की वजह से 182 तक पहुंच सका।

हैदराबाद ने बाद में इस मुकाबले को 2 रनों से अपने नाम भी किया। वहीं नितीश रेड्डी ने भी एक बड़ा कारनामा अपने इस प्रदर्शन के दम पर कर दिया जो अब तक आईपीएल के इतिहास में कोई भी खिलाड़ी करने में कामयाब नहीं हो सका था।

20 साल 319 दिन की उम्र में नितीश के नाम जुड़ा ये खास रिकॉर्ड

नितीश रेड्डी को इस मुकाबले में उनके ऑलराउंड प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द मैच का अवॉर्ड भी मिला। वहीं इस मैच में नितीश ने जहां बल्ले से 64 रनों की पारी खेली तो वहीं गेंदबाजी में भी एक विकेट अपने नाम किया और फील्डिंग में भी वह एक कैच पकड़ने में कामयाब रहे। इसी के साथ नितीश आईपीएल के किसी भी मैच में ये तीनों कारनामे एकसाथ करने वाले सबसे युवा खिलाड़ी भी बन गए हैं। नितीश ने गेंदबाजी में 3 ओवरों में 33 रन दिए और जितेश शर्मा का अहम समय पर विकेट भी हासिल किया। हैदराबाद की टीम इस मुकाबले में जीत के बाद 6 अंकों के साथ प्वाइंट्स टेबल में सीधे पांचवें स्थान पर पहुंच गई है।

मैं अपने इस प्रदर्शन को आगे भी जारी रखने की पूरी कोशिश करूंगा

पंजाब किंग्स के खिलाफ शानदार प्रदर्शन के बाद नितीश रेड्डी ने कहा कि मेरे नजरिए से ये मेरी टीम और मेरे लिए भी काफी बड़ा प्रदर्शन है। मैं खुद से लगातारा खुद पर विश्वास करने बात कर रहा था। उनके तेज गेंदबाजों ने काफी शानदार बॉलिंग की और इसी कारण मैंने उनके खिलाफ अधिक आक्रामक रुख नहीं अपनाया। मुझे पता था कि स्पिन गेंदबाज आएंगे और मैं उनके खिलाफ बड़े शॉट खेल सकता हूं। वह अब तक पंजाब किंग्स की टीम के गेंदबाज इस टूर्नामेंट में लगातार धीमि गति की बाउंसर गंदबाजों का अधिक इस्तेमाल कर रहे हैं जिससे उन्हें फायदा भी हुआ।

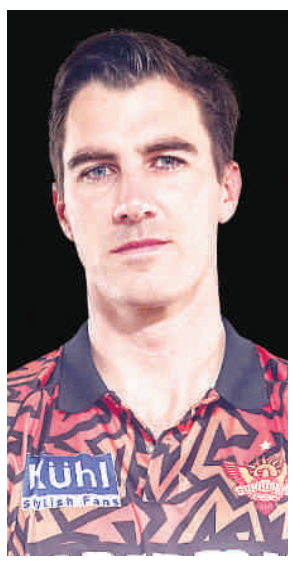

नीतीश कुमार रेड्डी के हरफ़नमौला प्रदर्शन के कायल हुए पैट कमिंस

मुल्लांपुर (मोहाली) एजेंसी। मंगलवार शाम पंजाब किंग्स के ख़िलाफ़ आईपीएल मैच में सनराइज़र्स हैदराबाद के ऑलराउंडर नीतीश कुमार रेड्डी ने 37 गेंदों में 64 रन की पारी खेली और अपनी टीम को 64/4 के स्कोर से 182/9 के स्कोर तक पहुंचाया। बाद में उन्होंने जितेश शर्मा का महत्वपूर्ण विकेट भी प्राप्त किया। नीतीश का यह ऑलराउंड प्रदर्शन ही मैच का मुख्य अंतर साबित हुआ। मैच के बाद नीतीश के कप्तान पैट कमिंस ने नीतीश के प्रदर्शन की खूब सराहना की। कमिंस ने मैच के बाद कहा, उन्होंने बेहतरीन ऑलराउंड प्रदर्शन किया। शीर्ष क्रम में बल्लेबाज़ी, अच्छी फ़ील्डिंग और तीन ओवर गेंदबाज़ी, उनके कारण ही हम 180 के स्कोर के ऊपर पहुंचने में सफल रहें। नीतीश की इस पारी में चार चौके और पांच छक्के आए। मैच के बाद उन्होंने कहा, मेरा प्रदर्शन टीम में योगदान के लिए था। मैं लगातार ख़ुद से बात किए जा रहा था कि मुझे ख़ुद पर भरोसा रखना है और टीम के लिए वहां खड़ा रहना है। उनके तेज़ गेंदबाज़ अच्छी गेंदबाज़ी कर रहे थे, तो मैं उन पर कोई मौक़ा नहीं लेना चाह रहा था। लेकिन जब उनके स्पिनर्स आएं तो मैंने उन पर आक्रमण किया।

रियान पराग में अहंकार था, अभी भी है, लेकिन...

ऑस्ट्रेलियाई महान खिलाड़ी का आईपीएल स्टार पर बड़ा बयान

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2024 में एकमात्र अपराजित टीम राजस्थान रॉयल्स के लिए जोस बटलर, संजू सैमसन, आर अश्विन, युजवेंद्र चहल, ट्रेंट बोल्ट ने उम्मीदों के मुताबिक प्रदर्शन किया है। हालांकि, यहां एक नाम ऐसा है, जिसने हर किसी को हैरत में डाल दिया है।

वह हैं रियान पराग। यह ऑलराउंडर इस सीजन में एक अधिक परिपक्व खिलाड़ी के रूप में उभरा है, जो टीम के लिए एक मैच विनर बन गया है। गुजरात टाइटंस के खिलाफ मैच के लिए रॉयल्स की तैयारी पर ऑस्ट्रेलिया के पूर्व स्पिनर ब्रैड हॉग ने रियान पराग की खूब प्रशंसा की। हालांकि, उन्होंने साथ ही कहा कि रियान पराग में अहंकार है। एक पॉडकास्ट में हॉग ने बताया कि कि कैसे पराग ने अपनी ऊर्जा को चैनलाइज करना सीखा है और इस साल खुद से अधिक टीम के लक्ष्यों पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं।

उन्होंने कहा- मुझे लगता है राजस्थान रॉयल्स टूर्नामेंट में सबसे संतुलित टीम है। मुझे पसंद है कि उन्होंने अपनी पूरी लाइनअप कैसे सेट की है। अगर संदीप शर्मा भी पूरी तरह से फिट हो जाते हैं तो वह उनके लिए छठे गेंदबाजी विकल्प के रूप में जुड़ सकते हैं। उन्होंने आगे कहा- मुझे वास्तव में अच्छा लग रहा है जब मैं युवा रियान पराग को देख रहा हूं।

वह आईपीएल के इतिहास में अर्धशतक लगाने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी हैं। मुझे उनकी ऊर्जा पसंद है और मुझे जिस तरह से वह क्षेत्ररक्षण करते हैं वह पसंद है। मुझे लगता है कि वह वास्तव में इस साल परिपक्व हो गए हैं।

हॉग ने रियान पराग के इगो पर बात करते हुए कहा- पिछले साल मुझे लगता है कि उनमें थोड़ा अहंकार था। मैं यह अपमानजनक रूप से नहीं कहता, लेकिन मुझे लगता है कि पिछले साल उनमें थोड़ा अहंकार था। अहंकार अभी भी है लेकिन यह नियंत्रण में है।

वह खुद पर विश्वास करते हैं और अब वह टीम में अपनी जगह बनाने की कोशिश करने के बजाय टीम के लिए क्या कर सकते हैं, इसके बारे में अधिक चिंतित हैं। पराग ने 2019 में राजस्थान रॉयल्स के लिए पदार्पण किया था। इस सीजन में उन्होंने 4 मैचों में 158.12 की स्ट्राइक रेट के साथ 92.50 की औसत से 185 रन बनाए हैं।

ऋषभ पंत को मिल सकती है स्क्वाड में जगह

नईदिल्ली, एजेंसी। टी-20 वर्ल्ड कपः वर्ल्ड कप 2024 को लेकर जल्द ही बीसीसीआई अपनी टीम का ऐलान करेगी. संभावना जताई जा रही है कि भारतीय टीम के स्टार विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत को टी20 वर्ल्ड कप 2024 टीम में शामिल किया जा सकता है.भारत में सभी के ऊपर अभी आईपीएल का बुखार चढ़ा हुआ है. चौक-चौराहा, गली- मोहल्ला में खेड़े सभी क्रिकेट प्रेमी अपनी टीम और अपने पसंदीदा खिलाड़ी का समर्थन करते हुए नजर आ रहे हैं. बता दें,

आईपीएल 2024 सीजन के समाप्त होने के बाद एक और महासंग्राम देखने को मिलेगा. आपकी जानकारी के लिए बता दें, आईपीएल के बाद टी20 वर्ल्ड कप 2024 शुरू होने वाला है. जिसे लेकर अभी से तैयारी शुरू हो गई है. टी20 वर्ल्ड कप 2024 को लेकर जल्द ही बीसीसीआई अपनी टीम का ऐलान करेगी. संभावना जताई जा रही है कि भारतीय टीम के स्टार विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत को टी20 वर्ल्ड कप 2024 टीम में शामिल किया जा सकता है. बता दें कि 30 दिसंबर 2022 की रात को ऋषभ पंत कार एक्सीडेंट का शिकार हुए थे. इसके बाद वो लंबे समय तक क्रिकेट से दूर रहे. मगर अब उन्होंने आईपीएल से वापसी की और विपक्षी टीम पर जमकर बरस भी रहे हैं.

कैंडिडेट्स शतरंज

गुकेश और प्रगनानंदा का अब तक का सफर रहा शानदार, आनंद भी दोनों के प्रदर्शन से हुए प्रभावित

टोरंटो, एजेंसी। प्रगनानंदा के साथ टूर्नामेंट में उनकी मां नागलक्ष्मी भी आई हुई हैं। प्रगनानंदा कहते हैं कि आपके साथ कमरे में किसी का होना महत्वपूर्ण है। यह उस वक्त और महत्वपूर्ण हो जाता है जब आप हारते हैं। मैं उनके सहयोग के लिए उनका आभारी हूं। भारतीय दिग्गज विश्वनाथन आनंद का मानना है कि कैंडिडेट्स शतरंज टूर्नामेंट के पहले विश्राम दिवस तक भारतीय खिलाड़ी डी गुकेश और आर प्रगनानंदा ने शुरुआती तूफान का सामना आश्चर्यजनक रूप से बेहतर ढंग से किया है।

टूर्नामेंट से पहले भारतीय खिलाड़ी दावेदार नहीं माने जा रहे थे, लेकिन गुकेश (2.5) और प्रगनानंदा (2) ने अब तक टूर्नामेंट में अपनी पकड़ बनाए रखी है। हालांकि, नाकामुरा को हराकर दावेदार बने विदित गुजराती (1.5) के बारे में ऐसा नहीं है। वह लगातार दो हार के बाद पिछड़ गए हैं।

प्रगनानंदा के साथ मौजूद हैं उनकी मां

पिछले दो बार के कैंडिडेट्स विजेता फिडे के झंडे तले खेल रहे रूस के नेपोमिनयाच्ची चार दौर के बाद तीन अंक लेकर बढ़त पर हैं। अभी 10 दौर और बाकी हैं। नेपोमनियाच्ची अगर तीसरी बार जीतते हैं तो लगातार तीन खिताब जीतने वाले दुनिया के पहले खिलाड़ी होंगे। प्रगनानंदा के साथ टूर्नामेंट में उनकी मां नागलक्ष्मी भी आई हुई हैं। प्रगनानंदा कहते हैं कि आपके साथ कमरे में किसी का होना महत्वपूर्ण है। यह उस वक्त और महत्वपूर्ण हो जाता है जब आप हारते हैं। मैं उनके सहयोग के लिए उनका आभारी हूं।

हंपी दौड़ से बाहर नहीं

देश के दूसरे ग्रैंड मास्टर दिब्येंदु बरुआ ने कहा- मैं कोनेरू हंपी को चौथे दौर में हार के बावजूद दौड़ से बाहर नहीं मानता हूं। उनके पास जीतने की काबलियत और इच्छाशक्ति दोनों हैं। विदित भी वापसी करने में सक्षम हैं और गुकेश स्कोर कर सकते हैं।

भारतीय तिकड़ी के पास मौका

देश के तीसरे ग्रैंड मास्टर प्रवीण थिप्से ने कहा- नाकामुरा अपने आपको प्रेरित नहीं कर पा रहे हैं, जिसके चलते भारतीय तिकड़ी और नेपोमनियाच्ची, कारुआना के पास मौका है।

टेनिसः फेडरर को पीछे छोड़ जोकोविच दुनिया के सबसे उम्रदराज नंबर-एक बने

मोंटे कार्लो (फ्रांस), एजेंसी। जोकोविच कहते हैं कि वह आशा करते हैं कि जल्द ही हम दोनों भारत में कुछ करेंगे। हम वहां खेलेंगे। वह लंबे समय से भारत नहीं गए हैं। यह काफी बड़ा और शानदार देश है। नोवाक जोकोविच ने एक और असाधारण उपलब्धि हासिल कर ली है। उन्होंने रोजर फेडरर को पीछे छोड़कर दुनिया के सबसे उम्रदराज विश्व नंबर एक टेनिस खिलाड़ी बनने का गौरव हासिल कर लिया है। 36 वर्षीय जोकोविच अगले माह 37 वर्ष के होने वाले हैं और उन्होंने जून, 2018 में सबसे ज्यादा उम्र में नंबर एक बनने वाले फेडरर को पीछे छोड़ दिया है। यही नहीं मोंटे कार्लो में इस वक्त दो खिलाड़ियों को सबसे ज्यादा चर्चा है और ये जोकोविच, रोहन बोपन्ना हैं। टेनिस के पुरुष एकल और युगल में वर्तमान में नंबर एक पदवी सबसे उम्रदराज खिलाड़ियों के नाम पर है। जोकोविच एकल में तो 44 वर्षीय बोपन्ना युगल में नंबर एक हैं।

रिकॉर्ड 420वें सप्ताह नंबर एक बने नोवाक

इस सोमवार को जोकोविच नंबर एक की पदवी पर 420वें सप्ताह में पहुंच गए। यह भी एक रिकॉर्ड है, जिसे वह पहले तोड़ चुके हैं।

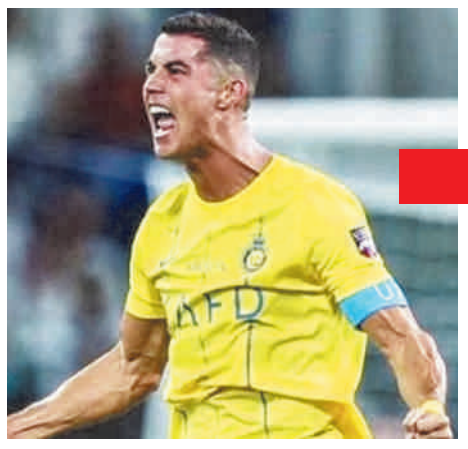

मैच के दौरान रोनाल्डो ने खोया आपा

विरोधी खिलाड़ी को मारी कोहनी, रेफरी को दिखाया पंच

नई दिल्ली, एजेंसी। रोनाल्डो की टीम अल नासर की स्थिति अल हिलाल के खिलाफ अच्छी नहीं थी। टीम को इस मुकाबले में 1-2 से हार का सामना करना पड़ा। अल नासर के लिए सादियो माने ने एकमात्र गोल किया। दुनिया के दिग्गज फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो एक बड़ी मुसीबत में फंसते नजर आ रहे हैं। रोनाल्डो सऊदी सुपर कप के मुकाबले में अल हिलाल के खिलाफ अपनी टीम अल नासर को हार के दौरान अपना आपा खो बैठे। उन्होंने ना सिर्फ विरोधी टीम के खिलाड़ी को कोहनी मारी, बल्कि मैच रेफरी को पंच मारने की कोशिश भी की। उनकी इस हरकत के कारण उन पर प्रतिबंध भी लग सकता है।

रोनाल्डो को मिला रेड कार्ड

रोनाल्डो की टीम अल नासर की स्थिति अल हिलाल के खिलाफ अच्छी नहीं थी। टीम को इस मुकाबले में 1-2 से हार का सामना करना पड़ा। अल नासर के लिए सादियो माने ने एकमात्र गोल किया। रोनाल्डो इससे काफी निराश थे और मैच के दौरान उन्होंने गुस्से में विरोधी खिलाड़ी को कोहनी मार दी। उनकी इस हरकत के लिए मैच रेफरी ने तुरंत रोनाल्डो को रेड कार्ड दिखाया। यह पहली बार था जब रोनाल्डो को सऊदी अरब में रेड कार्ड मिला। रोनाल्डो खुद को रेड कार्ड मिलने से नाराज हुए और उन्हें मैच रेफरी को पंच मारने की कोशिश, लेकिन हाथ पीछे खींच लिया।

संक्षिप्त समाचार

शाहरुख ने कहा था कि दिलजीत दोसांझ देश में सबसे बढ़िया अभिनेता है: इम्तियाज अली

नई दिल्ली, एजेंसी। स्वैग का राजा दिलजीत दोसांझ, सैस की रानी परिणिति चोपड़ा और खुद उस्ताद इम्तियाज अली,ये सब मिलकर एक मनोरंजन के धमाके की तैयारी में हैं! नेटफ्लिक्स पर द ग्रेट इंडियन कपिल शो का अगला एपिसोड फ़िल्म चमकीला के कलाकारों के साथ मनोरंजन का एक ज़बरदस्त धमाका करने वाला है! मज़ेदार किस्सों से लेकर पर्दे के पीछे की कहानियों तक, न जाने इसमें कितने सरप्राइज़ छिपे हैं। क्या आप जानते हैं कि दिलजीत दोसांझ को चमकीला का रोल कैसे मिला अपने फ़ेवरेट एक्टर के बारे में ऐसी बहुत सी दिलचस्प बातें जानने के लिये तैयार हो जाईये! चमकीला के किरदार के लिये दिलजीत को कास्ट करने के विचार के बारे में बात करते हुए इम्तियाज अली कहते हैं, शाहरुख ख़ान ने एक बार मुझसे कहा था कि दिलजीत दोसांझ देश के सर्वश्रेष्ठ अभिनेता हैं। मुझे ऐसा लगता है कि अगर दिलजीत पाजी ने इस फ़िल्म को करने से मना कर दिया होता तो शायद हम इसे कभी नहीं बना पाते। हम बहुत खुशकिस्मत थे कि उन्होंने हाँ कर दी। इससे बेहतर कोई कास्ट हो ही नहीं सकती थी। दोनों ही बेहतरीन कलाकार हैं। परिणीति एक शानदार अभिनेत्री और गायिका हैं, जो अपने रोल के लिए तुरंत 15 किलोग्राम वजन बढ़ाने के लिए भी तैयार हो गईं। यह बात बहुत दिलचस्प थी।

मैंने ही सबसे पहले था कि नरेंद्र मोदी को प्रधानमंत्री बनना चाहिए- राज ठाकरे

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र की राजनीति में बीते कई हफ्तों से राज ठाकरे और भाजपा की दोस्ती को लेकर अटकलों का बाजार गर्म था। गृह मंत्री अमित शाह के साथ कई राउंड की बैठकों के बाद महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) प्रमुख राज ठाकरे ने आखिरकार मंगलवार को घोषणा की कि उनकी पार्टी महाराष्ट्र में भाजपा, शिवसेना और राकांपा के गठबंधन को बिना शर्त समर्थन देगी। साथ ही एक रैली को संबोधित करते हुए राज ठाकरे ने यह भी दावा किया कि वह यह कहने वाले पहले व्यक्ति थे कि नरेंद्र मोदी को भारत का प्रधानमंत्री बनना चाहिए। राज ठाकरे ने कहा, महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) बिना शर्त बीजेपी-शिवसेना-एनसीपी के महागठबंधन का समर्थन करती है। यह समर्थन केवल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और एनडीए गठबंधन के लिए है। अब सभी को चुनाव की तैयारी करनी चाहिए। मनसे की यहां आयोजित 'गुड़ी पड़वा' रैली को संबोधित करते हुए ठाकरे ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का समर्थन करने की घोषणा की और कहा कि आगामी लोकसभा चुनाव देश का भविष्य तय करेगा। ठाकरे ने पार्टी कार्यकर्ताओं से राज्य विधानसभा चुनाव की तैयारी करने को भी कहा जो इस साल के अंत में होने हैं।

नवरात्रि की शुरुआत के साथ ही हिमाचल के मंदिरों में उमड़ा श्रद्धालुओं का जनसैलाब

शिमला , एजेंसी। नौ दिवसीय नवरात्रि उत्सव के पहले दिन मंगलवार को हिमाचल प्रदेश के मंदिरों में भक्तों की भीड़ उमड़ पड़ी। बता दें कि ज्यादातर तीर्थयात्री पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली से मंदिर का दर्शन करने पहुंचे थे। बिलासपुर में नैना देवी के लोकप्रिय मंदिर; ऊना में चिंतपूर्णी; हमीरपुर में बाबा बालक नाथ; कांगड़ा में ब्रजेश्वरी देवी, ज्वालाजी और चामुंडा देवी; और शिमला जिले के भीमाकाली और हटेश्वरी में सुबह से ही भारी भीड़ देखी गई। हमने मंदिर में प्रतिदिन 20 हजार श्रद्धालुओं के दर्शन का प्रबंध किया हुआ है। एक सीनियर पुलिस अधिकारी ने आईएएनएस को बताया, श्रद्धालुओं की आमद को ध्यान में रखते हुए हमने सुरक्षा-व्यवस्था बढ़ा दी है। इसके अलावा सभी प्रमुख तीर्थ स्थलों पर श्रद्धालुओं की गतिविधियों की निगरानी के लिए सीसीटीवी कैमरे भी लगाए गए हैं।

दिल्ली के मुखर्जी नगर में कोचिंग सेंटरों पर बड़े ऐक्शन की तैयारी

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के मुखर्जी नगर में विभिन्न कोचिंग सेंटरों पर आने वाले दिनों में कार्रवाई होगी। इसके लिए नगर निगम ने कई सेंटरों को नोटिस भेजा था। अब निगम के कर्मचारी सेंटरों पर जाकर जांच करेंगे। निगम के अधिकारी ने बताया कि कोचिंग सेंटरों को भवन निर्माण के नियमों का अनुपालन करने के लिए निर्देश दिए गए हैं। सेंटरों को दिल्ली अग्निशमन विभाग से फायर एनओसी प्राप्त करने के लिए नोटिस भी भेजे हैं। जिन सेंटरों ने अब तक नोटिस प्राप्त नहीं किए हैं। उन पर कार्रवाई करके सील करेंगे। सेंटरों के साथ पीजी व पुस्तकालयों को भी चेक कर रहे हैं।

इस मामले में छात्रों के कहा है कि कई संकरी जगहों पर पीजी, कोचिंग सेंटर चल रहे हैं। वहां पर नियमित तौर पर नियमों का उल्लंघन करने वाले सेंटरों पर कार्रवाई नहीं की जाती है। कोई भी आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिए इन जगहों पर उचित व्यवस्था होनी चाहिए। लेकिन इस पर सेंटर का संचालन करने वाले बिल्कुल भी ध्यान नहीं देते हैं। ऐसे लोगों पर सख्त कदम उठाने चाहिए। दिल्ली के मुखर्जी नगर समेत अन्य जगहों पर कोचिंग सेंटरों, पीजी और पुस्तकालयों का ऑडिट होगा। इसके लिए नगर निगम के अधिकारियों व कर्मचारियों की टीमें दिल्ली अग्निशमन सेवा (डीएफएस) के साथ मिलकर कार्य करेगा। इसमें इन सभी केंद्रों, पीजी में यह सुनिश्चित किया जाएगा कि यह भवन निर्माण नियमों के तहत संचालित हो रहे हैं या नहीं।

डीएफएस से अब तक कितने केंद्रों, पीजी ने फायर एनओसी प्राप्त की है। इसकी भी जांच होगी। नगर निगम ने एक माह के दौरान 50 से अधिक केंद्रों व अन्य को फायर एनओसी प्राप्त करने के लिए नोटिस भेजा है। यदि इन केंद्रों ने फायर एनओसी प्राप्त नहीं की होगी। तब इन सभी केंद्रों को निगम की तरफ से सील करने की भी कार्रवाई होगी। अधिकारियों ने बताया है कि कोचिंग सेंटरों, पीजी व पुस्तकालय में लगातार हर सप्ताह में निगम की टीमें जांच करने के लिए जा रही हैं। कई जगहों पर संकरी गलियों में इनका संचालन हो रहा है। ऐसे केंद्रों को खुले इलाके में शिफ्ट होने के लिए भी कहा गया है। साथ ही आग लगने की घटनाओं की रोकथाम को लेकर उपकरण लगाने के लिए भी केंद्रों को निर्देशित किया है। डीएफएस के साथ मिलकर भी कोचिंग सेंटरों, पीजी को ऑडिट करने की तैयारी कर रहे हैं। इसके अलावा फायर एनओसी प्राप्त न करने वालों को सील करेंगे।

मुथुवल्लूर गांव में 400 साल पुराने दुर्गा मंदिर की मरम्मत करवा रहे मुसलमान, दिल खोलकर कर रहे दान

मलप्पुरम , एजेंसी। केरल के मुस्लिम बहुल इलाके से सांप्रदायिक सद्भाव की खबर सामने आई है। यहां मलप्पुरम के छोटे से गांव मुथुवल्लूर में 400 साल पुराना दुर्गा मंदिर है। जिसके जीर्णोद्धार के लिए मुसलमान दिल खोलकर दान कर रहे हैं। मंदिर समिति के अधिकारियों का कहा है कि मई में माता की नई मूर्ति स्थापित की जाएगी। मंदिर के रिनोवेशन कार्य में हिन्दुओं के साथ मुस्लिम समुदाय के लोग भी बढ़-चढ़कर हिस्सा ले रहे हैं। मंदिर के प्रति मुसलमानों की आस्था इस बात का प्रतीक है कि उन्होंने मंदिर के गुंबद में तांबे की परत चढ़ाने के अलावा अभी तक 38 लाख रुपए का दान किया है।

रमजान के समय केरल के मुसलमान यहां छोटे से गांव में हिन्दुओं के साथ यहां 400 साल पुराने दुर्गा मंदिर के नवीनीकरण कार्य में पूरे उत्साह के हिस्सा ले रहे हैं। मंदिर के नवीनीकरण कार्य का पहला चरण पूरा हो चुका है। 7 या 9 मई को मंदिर में मूर्ति की फिर से स्थापना की जाएगी। मंदिर के अधिकारियों ने दशकों पुरानी मूर्ति के खंडित हो जाने के बाद नई मूर्ति की स्थापना के लिए धार्मिक समूहों के लोगों से मदद मांगी है।

मंदिर को राज्य सरकार द्वारा संचालित मालाबार देवास्वोम बोर्ड चलाता है। मंदिर को लेकर हिन्दुओं और मुसलमानों की एकता ऐसे भी पता चलती है क्योंकि मंदिर में मूर्ति स्थापना के लिए बोर्ड द्वारा बनाए गए निमंत्रण पत्र में मंदिर से जुड़े पुजारियों के साथ इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग के राज्य प्रमुख के अलावा आस-पास के इलाकों में स्थित मस्जिदों के काजी की भी तस्वीरें हैं। मंदिर से जुड़े अधिकारियों ने टीओआई को बताया कि इलाके में विभिन्न समुदाय में लोग पूरी तरह से सद्भावना है। यहां आस्था और पूजा स्थलों को लेकर हम एक-दूसरे की मदद भी करते रहते हैं। मंदिर के नवीनीकरण के लिए धन जुटाने का कार्य 2023 में एक कार्यक्रम के जरिए शुरू किया गया था, जिसमें राज्य हज कमेटी के सदस्य केपी सुलेमान हाजी ने 1 लाख रुपये का दान दिया।

तमिलनाडु में चुनाव की भविष्यवाणी कर रहा था तोता, ज्योतिषी को किया गिरफ्तार

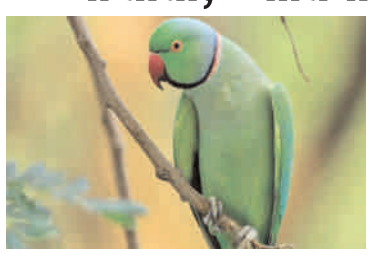

चेन्नई, एजेंसी। चुनाव के नतीजों की भविष्यवाणी कर रहे एक तोते के मालिक को गिरफ्तार कर लिया गया। घटना तमिलनाडु की है, जहां वन अधिकारियों ने तोते के मालिक पर जुर्माना लगाने की तैयारी भी कर ली है। खबर है कि तोते ने विपक्षी गठबंधन आईएनडीआईए के खिलाफ खड़े पीएमके उम्मीदवार के जीतने की बात कही थी।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, तोते ने भविष्यवाणी की थी कि तमिलनाडु की कुड्डलोर लोकसभा सीट से पीएमके के उम्मीदवार थंकर बचन चुनाव जीतेंगे। खास बात है कि पीएमके राज्य में भारतीय जनता पार्टी के साथ मिलकर चुनाव लड़ रही है। अब इस भविष्यवाणी के बाद ज्योतिषी को पक्षी को कैद कर रखने के आरोप में गिरफ्तार कर लिया गया है।

एक न्यूज एजेंसी के अनुसार, फॉरेस्ट रेंजर जे रमेश दावा कर रहे हैं कि तोते की वाइल्डलाइफ (प्रोटेक्शन) एक्ट के तहत शेडयूल 2 स्पेसिस में रखा गया है। ऐसे में उन्हें कैद कर रखना अपराध है। अधिकारियों का कहना है कि उसे चेतावनी और जुर्माने के बाद छोड़ा जा सकता है, जो बढ़कर 10 हजार रुपये तक जा सकती है। पीएमके चीफ अंबुमणि रामदास ने इसे डीएमके का हार का डर करार दिया है।

भाजपा को दक्षिण में मिल सकती है बढ़त

राजनीतिक रणनीतिकार प्रशांत किशोर ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के दावों को मान्य करते हुए कहा कि सत्तारूढ़ पार्टी दक्षिण और पूर्वी भारत में अपनी सीट एवं मत प्रतिशत में भारी वृद्धि करेगी। पीटीआई भाषा से बातचीत में किशोर ने कहा, वह (भाजपा) तेलंगाना में पहली या दूसरी पार्टी होगी जो एक बड़ी बात है। वह निश्चित रूप से ओडिशा में नंबर एक होगी।

उन्होंने कहा, आपको आश्चर्य होगा क्योंकि मेरी राय में पूरी संभावना है कि भाजपा पश्चिम बंगाल में नंबर एक पार्टी बनने जा रही है। उन्होंने कहा कि तमिलनाडु में भाजपा का मत प्रतिशत दोहरे अंक में पहुंच सकता है।

तेलंगाना, ओडिशा, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, बिहार और केरल में लोकसभा की कुल 204 सीट हैं, लेकिन भाजपा 2014 या 2019 में इन सभी राज्यों में 50 सीट भी नहीं जीत सकी थी। उसने इन राज्यों में 2014 में 29 और 2019 में 47 सीट हासिल की थीं।

दिल्ली के सरकारी स्कूलों में प्राइमरी क्लास के दाखिलों के लिए सर्कुलर जारी

नईदिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली के सर्वोदय विद्यालयों की प्री-प्राइमरी और प्राइमरी क्लास में दाखिले की दौड़ शुरू होने जा रही है। इन स्कूलों में प्री-प्राइमरी और प्राइमरी क्लास की खाली सीटों पर दाखिला 'पहले आओ पहले पाओ' के आधार पर मिलेगा। प्रवेश प्रक्रिया 15 अप्रैल से शुरू होगी। इस संबंध में मंगलवार को शिक्षा निदेशालय की स्कूल शाखा ने सर्कुलर जारी कर सीट भरने को लेकर दिशा-निर्देश दिए हैं।

स्कूलों को खाली सीटों का ब्यौरा मुख्य प्रवेश द्वार से लेकर नोटिस बोर्ड पर देना होगा। स्कूल प्रबंधन समिति सदस्य और स्कूल मित्रों के बीच भी खाली सीटों की सूचना देने के निर्देश दिए गए हैं। सर्वोदय विद्यालयों में ट्रांसफर के आधार पर दाखिले के लिए आवेदन करने वालों को प्राथमिकता दी जाएगी। अधिकतम 40 छात्रों को दाखिला दिया जा सकता है।

वर्तमान सत्र में लंबे समय से अनुपस्थित बच्चे की सीट पर उसके दूसरे स्कूल में दाखिला न होने तक सीट को खाली नहीं माना जाएगा। अगर पिछले वर्ष से बच्चा अनुपस्थिति है और उस तक पहुंच नहीं बन पा रही है तो सीट खाली मानी जाएगी। इसके अलावा अगर किसी के घर के तीन किलोमीटर के दायरे में कोई सर्वोदय विद्यालय नहीं है तो वह दाखिला के योग्य होंगे। साथ ही एक किलोमीटर के क्षेत्र में रहने वाले भी दाखिला के लिए आवेदन कर सकेंगे। क्लास 6 से 9 तक के दाखिले भी शुरू बता दें कि, दिल्ली में शैक्षणिक सत्र 2024-25 के लिए सरकारी स्कूलों में क्लास 6 से 9 तक के गैर योजनाबद्ध दाखिले के लिए पहले चरण के तहत रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया भी सोमवार 8 अप्रैल से शुरू हो गई है। दाखिले के लिए केवल दिल्ली में रहने वाले बच्चे आवेदन के पात्र होंगे। यह प्रक्रिया 3 चरणों में पूरी होगी। अभिभावकों को शिक्षा निदेशालय की वेबसाइट पर रजिस्ट्रेशन करना होगा। इच्छुक छात्र 17 अप्रैल तक दाखिले के लिए ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन कर सकेंगे। चयनित आवेदकों की लिस्ट 29 अप्रैल को प्रदर्शित होगी। 30 अप्रैल से लेकर 10 मई तक दस्तावेज का वेरिफिकेशन होगा।

हेल्पलाइन नंबर जारी किए

आवेदकों को कोई मुश्किल न हो, इसके लिए स्कूलों में हेल्प डेस्क की सुविधा मिलेगी। अभिभावक आवेदन फॉर्म भरने के लिए स्कूल में भी संपर्क कर सकेंगे। दाखिले को लेकर 1800116888 और 10580 नंबर पर सुबह साढ़े सात बजे से लेकर शाम साढ़े छह बजे तक सभी कार्य दिवसों में कॉल करके जानकारी ली जा सकती है।

सुक्खू सरकार पर निजी फर्म को अग्रिम भुगतान के आरोप, सीबीआई और ईडी से जांच कराए जाने की मांग

शिमला, एजेंसी। कांग्रेस के दो बागी जो अब भाजपा में हैं, उन्होंने मंगलवार को सुखविंदर सिंह सुक्खू सरकार पर अनियमितता के आरोप लगाए हैं। बागियों ने दावा किया कि राज्य सरकार ने चुनाव आचार संहिता लागू होने से ठीक एक दिन पहले एक निजी कंपनी को 100 करोड़ रुपये का अग्रिम भुगतान किया। बागियों ने इसकी जांच की मांग की। साथ ही हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू से स्पष्टीकरण की भी मांग की। भाजपा नेता राजिंदर राणा और सुधीर शर्मा ने आरोप लगाया कि एक मंत्री और शिमला नगर निगम के मेयर को जल योजना परियोजना के आवंटन पर आपत्ति थी। भाजपा नेता राजिंदर राणा ने आरोप लगाया, एक मंत्री की टिप्पणी को इस मामले में पूरी तरह नजरअंदाज करते हुए कैबिनेट में प्रस्ताव लाया गया और पारित कर दिया गया।

दोनों नेताओं ने निवदा प्रक्रिया पर भी सवाल उठाया। उन्होंने दावा किया कि जल योजना के लिए तीन बार निविदाएं आमंत्रित की गईं लेकिन हर बार केवल एक ही फर्म ने निविदा भरी। उन्होंने कहा कि विभाग के मंत्री ने फाइल पर साफ शब्दों में लिख दिया था कि काम एक ही फर्म को नहीं दिया जा सकता है। फिर भी फर्म को ठेका दे दिया गया।

सुधीर शर्मा ने सवाल किया कि जब एक मंत्री और शिमला नगर निगम के मेयर को परियोजना के आवंटन पर आपत्तियां थीं। फिर भी आदर्श आचार संहिता लागू होने से ठीक दो दिन पहले जल्दबाजी में कैबिनेट में प्रस्ताव लाया गया। राणा ने कहा इस मामले की सीबीआई और ईडी से जांच कराई जानी चाहिए। बता दें कि राजिंदर राणा और सुधीर शर्मा उन छह विद्रोही विधायकों में शामिल थे जिन्होंने राज्यसभा चुनाव में भाजपा के उम्मीदवार के पक्ष में मतदान किया था। पार्टी व्हिप की अवहेलना करने के कारण उन्हें अयोग्य घोषित कर दिया गया था। बाद में, कांग्रेस के ये बागी नेता भाजपा में शामिल हो गए। इन नेताओं को भाजपा की ओर से विधानसभा उपचुनाव लड़ने के लिए टिकट दिए गए हैं।

एनसीआर में बनेगा पहला फूड जोन

नईदिल्ली, एजेंसी। लजीज खाने के शौकीनों के लिए गुड न्यूज है। नोएडा सेक्टर-98 में शहर का पहला फूड जोन विकसित होगा। इसके लिए क्योस्क बनाए जाएंगे। यहां 300 मीटर क्षेत्र में पार्किंग जोन भी विकसित होगा। इसको लेकर नोएडा प्राधिकरण के सीईओ डॉ. लोकेश एम ने मंगलवार को निर्देश जारी किए।

सीईओ ने शहर में चल रहे मरम्मत के काम और सफाई व्यवस्था की समीक्षा की। सीईओ को निरीक्षण के दौरान सेक्टर-98 का नाला क्षतिग्रस्त मिला। इस पर उन्होंने पुनर्निर्माण करने के निर्देश दिए। सेक्टर-98 से 96 तक सेक्टर-100 के सामने कूड़ा पड़ा था। इस पर सफाई कराने के निर्देश दिए। सीईओ सेक्टर-29 ब्रह्मपुत्र बाजार पहुंचे। उन्होंने पाया कि बाजार एसोसिएशन को लाल रंग के साइनेज लगाने के निर्देश दिए थे, जबकि एसोसिएशन ने साइनेज भूरे रंग के लगवा दिए। सीईओ ने इसको बदलने के निर्देश दिए। सीईओ को सेक्टर-37 स्थित गोदावरी और सेक्टर-110 स्थित वीडीएस बाजार में गंदगी मिली, जिसको दो दिन में साफ करने के निर्देश दिए। निरीक्षण में सेक्टर-110 के पास नाले में गंदा पानी जमा मिला। इस नाले को साफ करने के निर्देश दिए गए। सीईओ को सेक्टर-104 में सरकारी जमीन पर इमारत का निर्माण होता मिला। उन्होंने इस काम को रुकवाकर ध्वस्त करने के निर्देश दिए।

फूड जोन शहर में पहली बार तैयार किया जाएगा। अब तक वेंडिंग जोन में ही इस तरह की व्यवस्था है। वेंडिंग जोन में खाने-पीने की दुकानों के अलावा उनके बराबर में अन्य तरह की दुकान लगती हैं।

डबल मर्डर में जेएमएम के पूर्व विधायक पौलुस सुरीन को आजीवन कारावास

रांची , एजेंसी। झारखंड के खूंटी जिले के कर्रा में दो लोगों की हत्या की मामले में अपर न्यायायुक्त की कोर्ट ने जेएमएम के पूर्व विधायक पौलुस सुरीन और नक्सली जेठा कच्छप को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। अदालत ने उन्हें बीते 6 अप्रैल को दोषी करार दिया था। इस मामले में ट्रायल फेस कर रहे चार अन्य लोगों को साक्ष्य के अभाव में पहले ही बरी कर दिया गया था। वारदात वर्ष 2013 की है। भूषण सिंह और रामगोविंद की हत्या नक्सली संगठन के लोगों ने पुलिस की मुखबिरी करने के आरोप में कर दी थी। इन दोनों को उनके घर के पास चबूतरे पर खड़ा कर गोली मारी गई थी। इस केस में पौलुस सुरीन, नक्सली जेठा कच्छप, कृष्णा महतो सहित छह लोगों के खिलाफ कर्रा थाना क्षेत्र में एफआईआर दर्ज की गई थी।

कोर्ट में मामले की सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष की ओर से 12 गवाह पेश किए गए। अदालत ने दोनों पक्षों की सुनवाई पूरी होने के बाद शनिवार को इस मामले में फैसला सुनाया। मामले के अभियुक्त पूर्व झामुमो विधायक पौलुस सुरीन अदालत में सशरीर उपस्थित रहे, जबकि गोड्डा जेल में बंद नक्सली जेठा कच्छप वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए उपस्थित था।

बिहार में जाति हावी, राजस्थान में कांग्रेस दे रही टक्कर; भाजपा के लिए चुनौती भरे हैं 4 राज्य

जयपुर, एजेंसी।
लोकसभा चुनाव में भाजपा की रणनीति के लिए चार राज्यों कर्नाटक, राजस्थान, हरियाणा और बिहार के राजनीतिक व सामाजिक समीकरण काफी महत्वपूर्ण हैं। इन राज्यों में भाजपा को न केवल अपने अंदरूनी मामलों से निपटना पड़ रहा है, बल्कि विपक्ष की तरफ से भी कई सीटों पर चुनौती मिलने की संभावना है। इन राज्यों में बीते चुनाव में भाजपा और एनडीए को भारी सफलता मिली थी।

बीते लोकसभा चुनाव में भाजपा ने जब तीन सौ का आंकड़ा पार किया था तो पार्टी व उसके गठबंधन ने इन चारों राज्यों की 103 सीटों में से 99 सीटों पर जीत मिली थी और महज चार सीटें विपक्ष के हिस्से में गई थी। इस चुनाव में भी भाजपा इस आंकड़े को दोहराना चाहती है, लेकिन टिकट वितरण, बाहर से आए नेताओं को टिकट देना, नए सहयोगी और विपक्ष की रणनीति के मुद्दों से निपटना पड़ रहा है।

कर्नाटक में सबसे ज्यादा मुश्किलें: भाजपा के लिए सबसे ज्यादा दिक्कत कर्नाटक बना हुआ है। पिछले आम चुनाव में यहां 28 सीटों में भाजपा ने 25 सीटों पर जीत हासिल की। हालांकि विधानसभा चुनाव में उसे कांग्रेस से करारी हार का सामना करना पड़ा। इस आम चुनाव में भाजपा ने जद (एस) के साथ गठबंधन किया है, ताकि सामाजिक समीकरण साधे जा सके। जद (एस) के नेता पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा वोक्कालिगा समुदाय से आते है और इस समुदाय पर उनका खासा प्रभाव है, दूसरी तरफ बीएस येदियुरप्पा के चलते राज्य के प्रभावी लिंगायत समुदाय को भाजपा का समर्थक माना जाता है।

हालांकि कर्नाटक में कांग्रेस की सरकार बनने से स्थितियां बदली हैं। उप मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार वोक्कालिगा समुदाय के प्रभावी नेता बनकर उभरे हैं। ऐसे में भाजपा को जद (एस) के साथ जाने से कितना लाभ मिलता है, इसे लेकर संशय है। साथ ही भाजपा में अपने मौजूदा सांसदों सदानंद गौड़ा, अनंत हेगड़े और नलिन कटील जैसे नेताओं के टिकट काटने से भी असंतोष है।

हरियाणा में कड़ा मुकाबला: हरियाणा में भाजपा ने पिछली बार सभी 10 सीटें जीती थी। पार्टी ने हाल में मुख्यमंत्री बदलकर अपनी रणनीति भी बदली है, हालांकि यहां पर मुकाबला कड़ा हो सकता है। पार्टी ने कुरुक्षेत्र में कांग्रेस से आए नवीन जिंदल और सिरसा में अशोक तंवर को और हिसार में हाल में पार्टी में शामिल हुए रंजीत चौटाला को टिकट दिया है। इससे पार्टी में नाराजगी है।

राजस्थान में कांग्रेस दे रही टक्कर: राजस्थान में भाजपा ने बीते चुनाव में गठबंधन में सभी 25 सीटें जीती थी। इसमें 24 उसने खुद और एक पर तब की सहयोगी आरएलपी जीती थी। इस बार राज्य में भाजपा की सरकार है, लेकिन बांसबाड़ा, कोटा, बाड़मेर, चुरू व अलवर की सीट पर कांग्रेस के उम्मीदवार कड़ी चुनौती दे रहे हैं।

बिहार में जातिगत समीकरण अहम: बिहार में बीते चुनाव में भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए ने 40 में से 39 सीटें जीती थीं। इस बार फिर से भाजपा का उसी तरह का गठबंधन है। इसमें दो और दल भी जुड़े हैं। हालांकि राजद भी इस बीच काफी मजबूत हुआ है। यहां पर सामाजिक जातिगत समीकरण काफी अहम है। कुछ सीटों पर राजद व उसके सहयोगी कड़ी चुनौती दे सकते हैं।

आरएनआई रजिस्ट्रेशन : जेएचएएचआईएन/2007/24306, समाचार पत्र के स्वामी,प्रकाशक,मुद्रक सुमन कुमार द्वारा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड,काठीटांड़,नियर टैंडर बगीचा,रातू,रांची(झारखंड)-835222 से मुद्रित एवं एच. आई.- 67,हरमू हाउसिंग कॉलोनी रांची (झारखंड)- 834002 से प्रकाशित,संपादकः सुमन कुमार। संपर्क नं. 9470578773,संपर्क नं. (का.) 0651-7960613,फैक्स नं. 0651- 7960613, ईमेलः purvanchalsurya@yahoo.co.in / purvanchalsurya0@gmail.com लेखकों द्वारा व्यक्त किए गए विचारों से संपादक की सहमति अनिवार्य नहीं है। न्यायालय से संबंधित सभी मामले रांची से ही निबटाये जाएंगे। (पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार)